प्रयागराज, रविवार 24 अगस्त 2025 से 30 अगस्त 2025 तक
वर्ष-13 , अंक-34
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

नगर संस्करण

डाक पंजीयन नं. 99/2018-20
E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

मस्क-ट्रम्प को लड़वाया, अब भारत में अमेरिकी राजदूत बने सर्जियो,ट्रम्प के चौकीदार कहे जाते हैं, राष्ट्रपति बोले- मुझे उन पर पूरा भरोसा

वाशिंगटन डीसी। राष्ट्रपति ट्रम्प ने सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका का अगला राजदूत नियुक्त किया है। उन्हें शुक्रवार को दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। सर्जियो गोर को मस्क और ट्रम्प के बीच लड़ाई शुरू कराने वाला माना जाता है। मस्क 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के कट्टर समर्थक हैं। गोर व्हाइट हाउस में नियुक्तियों की जांच-परख में भी शामिल रहे हैं। उन्हें ट्रम्प की टीम में पर्दे के पीछे सबसे ताकतवर शख्सियतों में से एक माना जाता है।गोर को ऐसे समय में भारत में अमेरिका का राजदूत बनाया जा रहा है जब टैरिफ को लेकर अमेरिका से

ने नाराज होकर गोर को 'सांप' तक कह दिया था। सर्जियो लंबे समय से ट्रम्प परिवार के भरोसमंद रहे हैं। पहले उनका काम ट्रम्प से जुड़े कार्यक्रमों को देखना था। वे यह भी देखते रहे हैं कि ट्रम्प से कौन मिल सकता है और कौन नहीं। इसलिए अमेरिकी मीडिया उन्हें ट्रम्प का 'गेटकीपर' भी कहती है। यानी कि ऐसा शख्स जो ट्रम्प तक पहुंचने के रास्ते पर पहरेदार की तरह खड़ा है। गोर को नई जिम्मेदारी मिलने को लेकर राष्ट्रपति ट्रम्प ने खुशी जताई है।गोर ने एरिक गार्सेटी की जगह ली है। वे मई 2023 से जनवरी 2025 तक भारत में अमेरिका के राजदूत रहे। ट्रम्प ने भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में सर्जियो गोर को करीब 7 महीने की देरी के बाद नियुक्त किया है। जबकि ट्रम्प ने चीन समेत कई देशों में दिसंबर, 2024 में ही राजदूत नियुक्त कर दिया था। माना जा रहा है कि गोर भारत में अमेरिका फर्स्ट एजेंडे को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। गोर ने राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ट्रम्प के लिए फंड जुटाने में भी बड़ी भूमिका निभाई। वे ट्रम्प के खास माने जाते हैं उनकी उसका विवाद चल रहा है। कुछ दिन पहले ही अमेरिका के व्यापार वार्ताकारों की 25-29 अगस्त को भारत यात्रा अचानक रद्द कर दी गई थी।सर्जियो गोर पहली बार अमेरिकी राजनीति और मीडिया में 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान चर्चा में आए थे। ट्रम्प ने उन्हें कैंपेन एडवाइजर बनाया था। बाद में वे ट्रम्प के पर्सनल चीफ बने। तब गोर की जिम्मेदारी थी कि अगर ट्रम्प जीतते हैं तो नए प्रशासन में किसे-किसे नियुक्त किया जाए। यानी उनका काम था हजारों पदों के लिए नाम चुनना और यह जांचना कि उनकी ट्रम्प में कितनी निष्ठा है। जैसे ही गोर को यह जिम्मेदारी मिली अमेरिकी और यूरोपीय मीडिया ने उनकी 'जन्मकुंडली' खंगालनी शुरू की। तब पता चला कि उनका असली नाम सर्जियो गोरोखोव्सकी है। उनका जन्म 1986 में ताशकंद, उज्बेकिस्तान में हुआ था, यह तब सोवियत संघ का हिस्सा था। हैरानी की बात ये थी कि गोर हमेशा दावा करते आए हैं कि वे माल्टा (यूरोपीय देश) में जन्मे हैं। जब इस मामले ने तूल पकड़ा तो माल्टा सरकार खुद एक्शन में आई और कहा कि उनके पास गोर के जन्म का कोई रिकॉर्ड नहीं है। इसके बाद गोर की जन्म से जुड़े ताशकंद वाले रिकॉर्ड सामने आ गए। तब गोर ने पहली बार माना कि वे माल्टा में पैदा नहीं हुए थे। उनके वकील रॉबर्ट गार्सन ने मीडिया को बताया कि सर्जियो गोर का जन्म ताशकंद में हुआ था, लेकिन वे कुछ ही समय बाद माल्टा आ गए थे। उनकी पढ़ाई वहीं से हुई है इसलिए अपनी पहचान माल्टा से बताते हैं।मार्च में व्हाइट हाउस की एक कैबिनेट मीटिंग के दौरान मस्क और गोर के बीच बहस हो गई थी। मस्क ने कहा था कि गोर जिस तरह से लोगों को व्हाइट हाउस में नौकरी पर ला रहे हैं, वह ठीक नहीं है। यह बात सुनकर गोर नाराज हो गए और उन्होंने गुस्से में कहा कि वे मस्क से बदला लेंगे। इसके बाद मस्क ने साफ कह दिया कि वे गोर के साथ व्हाइट हाउस में काम नहीं करेंगे। इसके बाद 30 मई को मस्क ने अपने बनाए डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी से इस्तीफा दे दिया। इसके दो दिन बाद गोर सीधे ट्रम्प के पास गए और उन्हें बताया कि मस्क के करीबी कारोबारी जैरेड इसाकमैन ने डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं और संगठनों को पैसे दिए हैं। गोर ने ट्रम्प से कहा कि इसाकमैन भरोसेमंद नहीं हैं, इसलिए उन्हें नासा का प्रमुख नहीं बनाया जाना चाहिए। गोर की बात सुनकर ट्रम्प ने उसी दिन मस्क से इस मुद्दे पर बात की और अगले ही दिन इसाकमैन का नाम वापस ले लिया। मस्क की नाराजगी और बढ़ गई। उन्हें लगा कि गोर ने उनके खिलाफ खेल खेला है और ट्रम्प ने भी उनकी राय को नजरअंदाज कर दिया। इसके बाद मस्क ने एक्स पर लिखा कि वे एक सांप हैं। सर्जियो गोर की नियुक्ति ऐसे समय में हो रही है, जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक तनाव बना हुआ है। वर्तमान में भारत को अमेरिकी व्यापार टैरिफ का 50फीसदी तक सामना करना पड़ रहा है, जिसमें रूस से तेल खरीद पर 25फीसदी की अतिरिक्त पेनल्टी भी शामिल है।

असम में नहीं बनेगा 18 प्लस उम्र वालों का नया आधार,डेमोक्रेटिक फ्रंट नेता बोले- सरकार वोट देने से रोकना चाहती है

नयी दिल्ली। असम में 18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों का नया आधार कार्ड नहीं बनेगा। असम कैबिनेट ने अनुसूचित जाति (एस सी),

अनुसूचित जनजाति (एसटी) और चाय बागान समुदायों को छोड़कर सभी लोगों के लिए अगले एक साल तक आधार कार्ड जारी करने पर रोक लगाने की घोषणा की है। इस घोषणा को ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के नेता रफीकुल इस्लाम ने तुगलकी फरमान बताया है और कहा है कि सरकार लोगों को वोट देने से रोकना चाहती है। इस्लाम ने कहा कि अगर कोई विदेशी आता है, तो उसे हिरासत में लेकर उसके देश वापस भेज देना चाहिए। उसे आधार कार्ड क्यों दें, उसका नाम मतदाता सूची में क्यों जोड़ें और उसे नागरिकता क्यों दें।असम में भी स्पेशल इंटेन्सिव रिजर्वेशन शुरू होने जा रहा है। इस पर रफीकुल ने कहा कि कुछ लोगों को निशाना बनाकर मुख्यमंत्री उन्हें आधार कार्ड प्राप्त करने और मतदाता सूची पुनरीक्षण में भाग लेने से रोकना चाहते हैं।मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दो दिन पहले मीडिया को बताया था कि यह प्रतिबंध अवैध प्रवासियों को आधार कार्ड प्राप्त करने और भारतीय नागरिकता का झूठा दावा करने से रोकने के लिए लगाया गया है। सरमा ने कहा था- हमने बॉर्डर पर बांग्लादेशी नागरिकों को लगातार वापस भेजा है। हम सुनिश्चित करना चाहते हैं कि कोई भी अवैध विदेशी राज्य में आकर भारतीय नागरिक होने का दावा करके असम से आधार कार्ड प्राप्त न कर सके। हमने वह रास्ता पूरी तरह से बंद कर दिया है। असम में कुछ खास वर्गों को छोड़कर बाकी सभी लोगों को आधार कार्ड मिल चुका है। अब नए आधार कार्ड सिर्फ डिप्टी कमिश्नर ही बहुत ही विशेष मामलों में जारी करेंगे, ताकि अवैध घुसपैठियों की ओर से आने वाले आवेदनों पर सख्त निगरानी रखी जा सके। हमने लगातार बांग्लादेशी नागरिकों को सीमा पर वापस भेजा है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि कोई भी अवैध विदेशी असम में आकर आधार कार्ड न बनवा सके और खुद को भारतीय नागरिक साबित न कर सके। हमने इस रास्ते को पूरी तरह बंद कर दिया है।

भारत-चीन के बीच लिपुलेख दर्रे से रुपए-युआन में व्यापार होगा,पहले विनमय होता था,यहां मनी एक्सचेंज भी खुलेगा

देहरादून। भारत और चीन ने उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे से फिर व्यापार शुरू करने पर सहमति जताई है। यह फैसला 18-19 अगस्त को चीनी विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा के दौरान

हुआ। लिपुलेख के साथ शिपकी ला और नाथु ला दर्रों से भी कारोबार बहाल करने का फैसला लिया गया है। हिमालय के तीन दर्रों से शुरू होने जा रहा भारत-चीन व्यापार पहली बार पूरी तरह सड़क के जरिए होगा। सबसे अहम यह है कि व्यापार अब भारतीय रुपए और चीनी युआन में होगा। अब तक यह 'वस्तु विनिमय' आधारित था। तिब्बत से व्यापारी नमक, बोराक्स, पशु उत्पाद, जड़ी-बूटियां और स्थानीय सामान बेचने आते हैं, जबकि भारतीय व्यापारी बकरी, भेड़, अनाज, मसाले, गुड़, मिश्री, गेहूं वहां ले जाते हैं। हालांकि, नेपाल ने इस समझौते पर आपत्ति जताई। उसका कहना है कि लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी उसके क्षेत्र का हिस्सा हैं। उसने भारत और चीन से इस इलाके में कोई एक्टिविटी न करने की अपील की है।ब्रिटिश काल में भी लिपुलेख दर्रा व्यापार और तीर्थयात्रा का प्रमुख केंद्र था। 1991 में भारत और चीन ने इसे औपचारिक व्यापारिक मार्ग बनाया था। भारत-चीन के बीच साल 2005 में 12 करोड़ रुपए का आयात और 39 लाख रुपए का निर्यात हुआ था। साल 2018 में 5.59 करोड़ रुपए का आयात और 96.5 लाख रुपए का निर्यात हुआ था। भारत-तिब्बत व्यापार समिति के महासचिव दौलत रायपा ने बताया- 'सदियों से तिब्बत के साथ हमारा व्यापार वस्तु विनिमय पर होता आया है। हम लंबे समय से स्थानीय मुद्रा में व्यापार की मांग कर रहे थे। इसके लिए गूंजी में एसबीआई ब्रांच में चीनी मुद्रा एक्सचेंज की सुविधा देनी होगी।' धारचूला भारत-नेपाल सीमा पर बसा है और आदि कैलाश व मानसरोवर का पारंपरिक मार्ग भी यही है। यह मार्ग लिपुलेख दर्रे से तिब्बत को जोड़ता है। ब्यांस, दारमा और चौंदास घाटी के व्यापारी 10वीं सदी से इस दर्रे के जरिए कारोबार करते आ रहे हैं। 5,334 मीटर ऊंचाई पर स्थित लिपुलेख दर्रा सिर्फ व्यापार का नहीं, बल्कि सदियों पुरानी सांस्कृतिक और आर्थिक साझेदारी का प्रतीक भी है। भारत-तिब्बत सीमा व्यापार फिर शुरू होने जा रहा है। कोविड-19 और गलवान झड़प के बाद बंद हुआ व्यापार अब ऑल वेदर रोड से गाड़ियों में होगा। पहले व्यापारी 1100 साल तक पैदल व खच्चरों से माल ढोते थे।

देश के 40फीसदी मुख्यमंत्रियों पर क्रिमिनल केस,33फीसदी पर किडनैपिंग,रिश्वतखोरी जैसे गंभीर आरोप,तेलंगाना सीएम सबसे ज्यादा 89 मामले

नयी दिल्ली। देश के 30 मुख्यमंत्रियों में से 12 मुख्यमंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से 10 यानी 33 फीसदी पर हत्या की कोशिश, किडनैपिंग और रिश्वतखोरी जैसे गंभीर केस हैं। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी पर सबसे ज्यादा 89 मामले दर्ज हैं। चुनाव सुधार के लिए काम करने वाले एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की एक रिपोर्ट से यह जानकारी सामने आई है।यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है, जब सरकार तीन बिल लाई है, जिनमें गंभीर आपराधिक आरोपों में 30 दिन की हिरासत में लिए जाने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद के लिए अयोग्य मान लिया जाएगा। एडीआर ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सभी मौजूदा 30 मुख्यमंत्रियों के हलफनामों का एनालिसिस करके यह

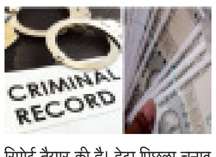

रिपोर्ट तैयार की है। डेटा पिछला चुनाव लड़ने से पहले दायर हलफनामों से लिया गया है। जुलाई, 2025 की एक रिपोर्ट में एडीआर ने बताया था कि देश में नाममात्र के वोट पाने वाली रजिस्टर्ड गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों की आय 2022-23 में 223फीसदी बढ़ गई। देश में 2764 आरयूपीपी पार्टियां हैं। इनमें से 73फीसदी से ज्यादा (2025 पार्टियों) ने अपना फाइनेंशियल रिकॉर्ड सार्वजनिक ही नहीं किया है। बाकी 739 रजिस्टर्ड गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियों ने अपना रिकॉर्ड साझा किया है। रिपोर्ट में इन्हीं पार्टियों का एनालिसिस किया गया है। रिपोर्ट से पता चलता है कि गुजरात की ऐसी 5 पार्टियों की कुल आय रु2316 करोड़ रही। इनमें एक साल की आमदनी रु 1158 करोड़ थी। जबकि बीते 5 सालों में हुए 3 चुनावों में इन्हें सिर्फ 22 हजार वोट मिले।इन पांचों दलों ने 2019 से 2024 के बीच दो लोकसभा और एक विधानसभा चुनाव में कुल 17 उम्मीदवार खड़े किए, लेकिन कोई जीत नहीं सका।

क्या है राहुल की यात्रा के रूट,तेजस्वी ने सिकंदरा-जमुई जोड़ा,जानिए क्यों नहीं चल रहे पैदल

पटना। 6 दिन का सफर तय कर महागठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा 22 अगस्त को भागलपुर पहुंच गई।

राहुल गांधी और तेजस्वी अब तक 8 जिले और 18 सीटें कवर कर चुके हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव में इन 18 सीटों में से 12 सीटें महागठबंधन ने जीती थीं। मतलब साफ है कि यात्रा की शुरुआत उन्हीं सीटों से हुई, जहां महागठबंधन मजबूत है। 16 दिन में 1,300 किमी चलने वाली यह यात्रा 23 जिलों और 50 विधानसभाओं से गुजरेगी। आखिर ये रूट तय करने की इनसाइड स्टोरी क्या थी, रूट किसने तय किया, कांग्रेस के अलावा आरजेडी का इसमें क्या रोल था और अब यात्रा की जिम्मेदारी कौन संभाल रहा है, यात्रा 17 अगस्त को रोहतास के सासाराम से शुरू हुई। इसकी प्लानिंग 1 महीने पहले शुरू हो गई थी। महागठबंधन की सभी पार्टियों के साथ रूट पर बात हुई। यात्रा की प्लानिंग पर बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू बताते हैं, 'लगभग पांच-छह हफ्ते पहले यात्रा की प्लानिंग होने लगी थी। इसके बाद छोटे स्तर पर बातचीत शुरू हुई। यह सामूहिक फैसला था। सभी दलों के बड़े नेता इसमें शामिल थे।' एक सोर्स बताते हैं, 'राहुल की सिक्योरिटी की जिम्मेदारी संभालने वाले केबी बायजू के साथ एआईसीसी के नेशनल जॉइंट सेक्रेटरी सुशांत मिश्रा रूट की रेकी करने आए थे। 15 दिन तक रूट में आने वाली जगहों को समझा गया। इसके बाद दोनों ने मिलकर फाइनल रूट पर मुहर लगाई। रूट प्लानिंग पर बिहार कांग्रेस के प्रवक्ता असित नाथ बताते हैं, 'राहुल पहले भी बिहार में यात्रा कर चुके हैं। इस बार रूट तय करते समय दो आधार रखे गए। पहला, पिछली यात्रा में जो जिले छूट गए थे, उन्हें शामिल किया जाए। दूसरा, जहां कभी कांग्रेस का स्ट्रॉन्ग होल्ड था, लेकिन धीरे-धीरे हम कमजोर होते गए, वहां फिर से जमीन मजबूत करने की जरूरत थी।'रूट के बारे में असित बताते हैं, 'इसमें बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने मिलकर काम किया। प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, प्रभारी कृष्णा अल्लावारु के साथ बाकी नेताओं ने मीटिंग की।' 'इसमें दिल्ली से आए सुझाव और बदलाव भी शामिल किए गए। राहुल ने खास तौर पर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर पर फोकस करने के लिए कहा क्योंकि इसमें लोगों के नाम हटाने की साजिश हो रही है।'महागठबंधन की सहयोगी पार्टियों की भूमिका पर असित बताते हैं, 'रूट पर तेजस्वी ने भी सुझाव दिए। उन्होंने सिकंदरा और जमुई को रूट में शामिल करने के लिए कहा। **आगे की खबर पेज संख्या 5 पर..**

गोरखपुर में खुलेआम बाइक पर बन रहा' सैयारा कपल' जैसा मोमेंट, लोग बोले- शर्म नहीं आती इन्हें?

गोरखपुर। सोशल मीडिया पर एक और ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कपल बाइक पर रोमांस करता नजर आया। युवक बाइक ड्राइव कर रहा है और लड़की

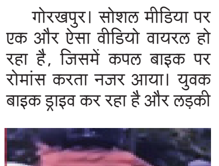

उसकी तरफ मुंह करके बैठी हुई है। दोनों की हरकतों को देख आसपास गुजरने वाले लोग अचंभित हैं तो महिलाएं शर्म से नजर झुका ले रही हैं। लेकिन कपल को इस बात का बिल्कुल भी इल्म नहीं। वे अपनी मस्ती में चले जा रहे हैं। इसका वीडियो एक्स प्लेटफार्म पर वायरल होते ही यूपी पुलिस ने संज्ञान में लिया और गोरखपुर पुलिस को जल्द से जल्द दोनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश दिया।शुक्रवार की शाम रामगढ़ ताल थाना क्षेत्र के नौका विहार रोड पर एक अजब नजारा देखने को मिला। एक यंग कपल बाइक पर सवार हो रोमांस करते दिखे। कुछ राहगीरों ने उनका वीडियो बना लिया। वायरल वीडियो में दोनों एक दूसरे से लिपटे हुए हैं। लड़के की बातों पर लड़की हंसती हुई भी दिख रही है। इस वीडियो को शेयर कर सोशल मीडिया पर लोग तरह तरह के कमेंट कर रहे हैं।एक यूजर का कहना है कि इस तरह की हरकतें कभी-कभी मुंबई, दिल्ली जैसे महानगरों में ही दिखाई या सुनाई पड़ती थीं, लेकिन अब तो यह छोटे शहरों में भी आम बात हो गई है। एक अन?य ने लिखा है कि गोरखपुर शहर भी अब इससे अछूता नहीं रहा। तारामंडल स्थित नौका विहार का एरिया महानगर वासियों के लिए ऐसे नजारों का अड्डा बनता जा रहा है। एक अन्य नागरिक राम विशाल कहते हैं कि पास ही थाना और चौकी भी है।झील के किनारे अस्थाई पुलिस चौकी भी बनी हुई है, बावजूद इसके कभी कपल के बीच मारपीट, तो कभी युवाओं के बीच हाथापाई, कभी बाइक पर खतरनाक स्टंट करते युवा, तो तेज कार ड्राइविंग, कभी झील के किनारे खड़े कपल सार्वजनिक तौर पर रोमांस करते दिख जाते हैं। लेकिन अब तो हद हो गई, बाइक पर जिस तरह खुलेआम रोमांस हो रहा है, इसे देखकर तो ऐसा लगता है कि अब हम मुंबई और दिल्ली जैसे शहरों में निवास कर रहे हैं।नाम न छापने की शर्त पर एक महिला कहती है कि बेहूदा और बेशर्म हैं ऐसे लोग, जिन्हें अपने परिवार और समाज का बिल्कुल भी ख्याल नहीं, क्या शर्म नहीं आती इन्हें? ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इस बारे में रामगढ़ ताल पुलिस का कहना है कि समय-समय पर अभियान चलाकर ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। वीडियो सामने आया है, दोनों की तलाश जारी है, जल्द ही इन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अस्पताल में ऐडमिट साली से मिलने गए जीजा ने क्यों दे दी जान? पत्नी से मांगा दुपट्टा और वार्ड में ही झूल गया

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के थाना क्वार्सी क्षेत्र स्थित पंडित दीन दयाल उपाध्याय संयुक्त अस्पताल के वार्ड नंबर 9 में भर्ती बीमार साली से मिलने गए जीजा ने अस्पताल के वार्ड में ही फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी जब सुबह अस्पताल स्टाफ को हुई तो उन्होंने पुलिस को सूचना दे दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अब मामले में जांच पड़ताल कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार थाना क्वार्सी क्षेत्र के होली चौक निवासी एक महिला अनुपम को पेट दर्द और बुखार की शिकायत को लेकर पंडित दीन दयाल उपाध्याय संयुक्त अस्पताल के वार्ड नंबर 9 में 19 अगस्त से भर्ती कराया गया था। वहीं बीमार साली को देखने के लिए उसका जीजा अंशुल अस्पताल मिलने के लिए पहुंचा था। जोकि बुलंदशहर के थाना अनूपशहर क्षेत्र के जहांगीराबाद का रहने वाला था। फिलहाल 35 वर्षीय जीजा अंशुल अलीगढ़ में क्वार्सी में परिवार के साथ किराए के मकान में रह रहा था। वही 21 अगस्त की रात को जीजा अंशुल अपनी साली अनुपम का हाल जानने अस्पताल के वार्ड में पहुंचा था। साली को बीमार हालत में देख कर जीजा बहुत दुखी हुआ। तभी युवक अंशुल ने सिर दर्द का बहाना बनाकर पत्नी से दुपट्टा मांगा और देर रात को अस्पताल के वार्ड संख्या 9 में जाकर कुंदे से दुप्पटे का फंदा लगाकर लटक गया। घटना की जानकारी 22 अगस्त की सुबह तब हुई जब अन्य मरीज और तीमारदार की नजर फंदे पर लटके शव पर पड़ी तो अफरा तफरी मच गई। अस्पताल के वार्ड संख्या 9 में शव को लटका देख वहां मौजूद डॉक्टर स्टाफ ने तत्काल इसकी जानकारी पुलिस और स्वास्थ्य अधिकारी को दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मृतक अंशुल के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम को भेज दिया और जांच पड़ताल शुरू कर दी। वहीं इस पूरे मामले में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर एमके माथुर ने बताया कि एक युवक का शव वार्ड संख्या 9 में कुंदे से लटका मिला था। तत्काल पुलिस को बुला लिया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और मामले में जांच पड़ताल कराई जा रही है।

24 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट, अगले 72 घंटे के लिए चेतावनी

लखनऊ। यूपी का मौसम 23 अगस्?त 2025: उत्तर प्रदेश में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। एक बार फिर से प्रदेश में बारिश का सिलसिला शुरू हो गया है। आने वाले दिनों में भी भारी बारिश हो सकती है। शुक्रवार को बांदा, बस्ती, गाजीपुर, बाराबंकी, कानपुर ग्रामीण, गोरखपुर, हमीरपुर और फुर्सतगंज समेत कई जगहों पर बारिश रिकॉर्ड की गई है। इसी क्रम में 23 अगस्त को प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में अनेक स्थान पर और पूर्वी यूपी में लगभग सभी स्थानों पर बारिश व गरज चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। इस दौरान दोनों हिस्सों में कहीं-कहीं पर भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही बादल गरजने व बिजली चमकने की भी संभावना जताई गई है।मौसम विभाग की मानें तो शनिवार को बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संतरविदास नगर और गाजीपुर जिले में भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है।

माफ कर दो मेरी नौकरी चली जाएगी,प्रयागराज एक्सप्रेस में सोते समय लड़की को छुआ, सिपाही सस्पेंड

प्रयागराज। प्रयागराज एक्सप्रेस में सफर कर रही लड़की के साथ जीआरपी के सिपाही आशीष गुप्ता पर ऊपर यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी है तो तुम ही उनको गलत तरीके से छू रहे हो। वीडियो में सिपाही लगातार

गलत तरीके से छूने का आरोप लगा है। रात के समय लड़की अपनी बर्थ पर सो रही थी। उसकी नींद खुल गई और उसने सिपाही का वीडियो बना लिया। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो में सिपाही हाथ जोड़कर माफी मांगता नजर आ रहा है। उसे रेलवे ने सस्पेंड कर दिया है।वीडियो में सिपाही लड़की से वीडियो नहीं बनाने की रिक्वेस्ट करता है। वह कहता है कि उसकी नौकरी चली जाएगी। इस पर लड़की बोलती है कि मैं क्या करूं तुम्हारी नौकरी चली जाएगी तो। एक अन्य युवती की आवाज भी सुनाई पड़ रही है। युवती सिपाही से कहती है ये बताओ तुम्हारे युवतियों से माफी मांगता दिख रहा है। छात्रा ने वीडियो बनाकर रेलवे हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत सही पाए जाने पर सिपाही को सस्पेंड कर दिया गया है और जांच बैठा दी गई है। यह घटना 13 अगस्त रात की बताई जा रही है।

प्रयागराज में रहकर पढ़ाई करने वाली छात्रा प्रयागराज एक्सप्रेस से दिल्ली जा रही थी। उसने आरोप लगाया कि रात को सोते समय अचानक उसे लगा कि कोई उसके शरीर को छू रहा है। उसकी आंख खुली तो सामने जीआरपी एस्कॉर्ट में तैनात सिपाही खड़ा था।

कक्षा पांच के छात्र की गला रेतकर हत्या, बॉडी घर से कुछ दूर झाड़ियों में मिली

प्रयागराज। महेवा पूरब पट्टी के नई बस्ती से रहस्य में स्थिति लोग उसे रात भर खोजते रहे, लेकिन उसका सुराग नहीं लगा। परिवार

में लापता एक कक्षा 5 के छात्र का शव शनिवार को गांव में ही विद्यापीठ इंटर कॉलेज के खाली जमीन पर झाड़ियो में मिला। उसके शरीर पर चोट के कई निशान थे।नैनी थाना क्षेत्र के महेवा नई बस्ती निवासी मोहन लाल भारतीय मार्बल टाइल्स लगाने के मिस्त्री है। उनका 12 वर्षीय पुत्र शरद भारतीय शुक्रवार की शाम रहस्यमय दशा में गायब हो गया था । परिवार के वालों ने रात में ही चौकी पर सूचना दी थी। इसके बाद पिता ने रात 12 बजे नैनी थाने में पहुंचकर तहरीर दी। शनिवार सुबह करीब नौ बजे जब लोगों ने शव को झाड़ी में पड़ा देखा तो पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को झाड़ी से बाहर निकाला तो उसकी पहचान शरद भारतीय के रूप में हुई। उसके गले पर खून और चेहरे पर चोट के कई निशान थे।

आईआरसीटीसी ने तैयारी शुरू की जिससे जनरल कोच के यात्रियों को भी ट्रेन में मिलेगा भोजन, रेट होगा..

प्रयागराज। रेल यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। जनरल कोच में सफर करने वाले यात्रियों को रेलवे प्रशासन ट्रेन में ही खाना उपलब्ध कराएगा। महज 80 रुपये में यात्रियों

को भोजन मिलेगा। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) और टच स्टोन फाउंडेशन के बीच हुए समझौते के तहत यात्रियों को 80 रुपये में शाकाहारी भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। लखनऊ, वाराणसी और गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर इसकी शुरूआत हो चुकी है।अब कानपुर सेंट्रल और प्रयागराज जंक्शन पर भी यह सुविधा शुरू करने की तैयारी है। इस सुविधा के तहत जनरल कोच में सवार यात्रियों को कोच में ही खाना उपलब्ध कराया जाएगा। अभी सिर्फ एसी और स्लीपर कोच में सफर करने वाले यात्रियों को ही ट्रेन में भोजन की सुविधा मिलती है। इस सुविधा के तहत जनरल कोच और एसी कोच के यात्रियों को एक ही दाम पर भोजन दिया जाएगा। दोनों ही स्टेशनों पर फूड यूनिटों और स्टॉलों पर 80 रुपये में यह थाली मिलेगी। इसमें दाल, चावल, रोटी, सब्जी और अचार होगा। आईआरसीटीसी के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि उत्तर रेलवे के वाराणसी और लखनऊ व पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर यह व्यवस्था शुरू की गई है। अब इसका विस्तार करने की तैयारी है। उत्तर मध्य रेलवे में कानपुर सेंट्रल और प्रयागराज जंक्शन पर यह सुविधा उपलब्ध करवाने की तैयारी है। कहा कि जिन स्टेशनों पर यह सुविधा शुरू की गई है वहां फाउंडेशन के कर्मचारी प्रतिदिन तय समय पर भोजन फूड यूनिटों और स्टॉलों पर पहुंचा रहे हैं। भोजन की थाली के डिब्बे पर लगे स्टीकर पर उसका दाम भी लिखा होता है। ताकि कोई ओवरचार्जिंग न कर सके। खाना ऑनलाइन मंगाया जा सकता है।

डिप्टी सीएमओ डॉ. राहुल सिंह का निधन

प्रयागराज। शहर के अलोपीबाग निवासी डिप्टी सीएमओ डॉ. राहुल सिंह का शुक्रवार की सुबह छह बजे निधन हो गया। उन्होंने अपने आवास पर अंतिम सांस ली। बताया जा रहा है कि कार्डियक अरेस्ट की वजह से उनकी मौत हुई। डॉ. राहुल सिंह प्रयागराज में आयुष्मान भारत योजना के नोडल अधिकारी भी रहे थे। मौजूदा समय में वह कौशाम्बी में तैनात थे। शुक्रवार को वह प्रयागराज स्थित अपने आवास पर थे तभी यह घटना हुई। वह अपने पीछे पत्नी डॉ. चितवन सिंह व बेटे शिवांश को छोड़ गए हैं। शुक्रवार दोपहर डेढ़ बजे दारागंज घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में चिकित्सक समेत अन्य लोग मौजूद रहे। उन्हें उनके बड़े भाई डॉ. आनंद सिंह ने मुखाग्नि दी। डॉ. राहुल सिंह शहर के जाने माने होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. एसएम सिंह के छोटे बेटे थे। डॉ. राहुल सिंह के बड़े भाई डॉ. आनंद सिंह शहर में ही रेडियोलॉजिस्ट हैं।

जिस शख्स के मर्डर में आरोपी उसी की पत्नी से की शादी,अब सौतेली बेटियों ने लगाया रेप का आरोप

लखनऊ। शहर के गोमतीनगर इलाके में एक सौतेले पिता पर अपनी दो नाबालिग बेटियों से लगातार दुष्कर्म

करने का आरोप लगा है। हैरान करने वाली बात यह है कि जब दोनों बच्चियों ने अपनी मां को इस बारे में बताया तो मां ने भी साथ नहीं दिया। बल्कि उल्टा उनकी पिटाई भी कर दी है। पीड़िताओं ने हिम्मत जुटाकर 1090 पर कॉल करके पुलिस से मदद मांगी। शिकायत के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी सौतेले पिता को हिरासत में ले लिया, जबकि मां फरार हो गई। पीड़ित बच्चियों ने पुलिस को बताया कि सौतेला पिता लंबे समय से उनका शारीरिक शोषण कर रहा था। जैसे ही मां घर से बाहर जाती, वह दोनों बहनों के साथ अश्लील हरकतें करता। जब उन्होंने साहस जुटाकर मां से शिकायत की तो मां ने उन्हें डांटकर चुप करा दिया और मारपीट की। मां के रवैये से आरोपी का हौसला और बढ़ा और उसने दोनों बहनों के साथ दुष्कर्म किया। जांच में एक और चौंकाने वाली बात सामने आई है। करीब पांच साल पहले इन बच्चियों के असली पिता की हत्या हुई थी, जिसमें यही सौतेला पिता आरोपी था। हालांकि बाद में कोर्ट ने उसे बरी कर दिया था। बरी होने के बाद आरोपी ने पीड़ित बहनों की मां से शादी कर ली थी और उनके साथ रहने लगा था। इस मामले में हाईकोर्ट के वकील आशीष आनंद ने बताया कि गोमती नगर की रहने वाली दो नाबालिग बच्चियांअपने सौतेले पिता से प्रताड़ित हैं। उन बच्चियों के साथ काफी लंबे समय से शोषण किया जा रहा है। उनके साथ बहुत बुरी-बुरी घटनाएं हुई है। जिससे वह बहुत बुरी तरीके से परेशान थी। एक बार फिर उन्हें घटनाओं की आज सुबह पुनरावृत्ति हुई थी। जिसके चलते वे तहरीर देने आईं थीं।वकील आशीष आनंद ने बताया कि पुलिस का कहना है कि बच्चियों का पहला मेडिकल कराया जाएगा इस आधार पर आगे की विवेचना होगी और कार्रवाई की जाएगी। वकील के मुताबिक बच्चियां नाबालिक हैं और उनके साथ दुष्कर्म किया गया है। वकील ने बताया कि पीड़ित बच्चियों का कहना है कि उनकी मां भी उन्हें प्रताड़ित कर रही हैं और बच्चियों की बात नहीं सुनती हैं। मां को नहीं लगता है कि उनके सौतेले पिता ऐसा कर सकते हैं।स्थानीय निवासियों ने बताया कि आरोपी रोजाना अपनी पत्नी के साथ शराब पीता था और नशे की हालत में बेटियों से अश्लील हरकतें करता था। गोमतीनगर पुलिस की ओर से बताया गया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और फरार मां की तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा कि मामले की हर पहलू से गहनता से जांच की जा रही है और उसके आधार पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कॉम्पटीशन इतना की आइसक्रीम वाले को रु1.8 करोड़ की जॉब का विडियो वायरल, पकड़ा तो मांगी माफी

ग्रेटर नोएडा। आइसक्रीम बेचने वाले को आईआईएमटी कॉलेज का

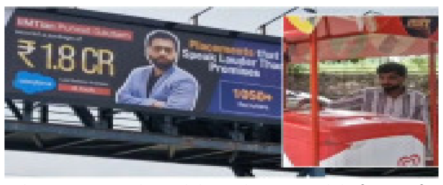

स्टूडेंट बताकर 1.8 करोड़ रुपये के पैकेज पर नौकरी मिलने का विडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। विडियो में एक युवक जगत फार्म में लगे पोस्टर पर लिखे पैकेज के बारे में बोलता दिख रहा है। युवक बोल रहा है कि आईआईएमटी कॉलेज वालों ने 1.8 करोड़ रुपये का पैकेज दिया है, यह पैकेज एक आइसक्रीम वाले को दे दिया है, यह तो फ्रॉड है। विडियो में दिखाई दे रहे बैनर में छपे युवक का फोटो भी आइसक्रीम वाले से मिल रहा है। विडियो बनाने वाला युवक पूछ रहा है कि इस प्रमोशन के लिए तुमको कितने पैसे आईआईएमटी कॉलेज वालों ने दिए हैं। इसके बाद आइसक्रीम वाला बोला कि कोई पैसा नहीं दिया। हालांकि, कॉलेज प्रबंधन ने पुलिस को शिकायत दी। इसके बाद विडियो में दिख रहे युवक को पकड़ लिया और उसने माफी मांगी है। उसने बताया कि यह विडियो किसी अन्य व्यक्ति ने बनाया था। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। इंस्टाग्राम पर nietmeme के नाम से अकाउंट बना हुआ है। इस पर नॉलेज पार्क एरिया के आईआईएमटी कॉलेज का पोस्ट डाला गया। कॉलेज के प्रवक्ता राज तिलक शर्मा ने बताया कि यह विडियो बुधवार से वायरल हो रहा है,जिसमे 1.8 करोड़ रुपये का पैकेज कॉलेज के एक छात्र को कंपनी ने दिया था।उस छात्र के हमशक्ल ने एक फेक विडियो बनाया। पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने विडियो में आ रहे आइसक्रीम वाले को पकड़ा है, उसने माफी मांगी है।यह विडियो किसी ने उसे पैसे का लालच देकर बनवाया था।

ओम शिव शक्ति सेवा मंडल शाखा लालगंज रायबरेली द्वारा बाबा बर्फानी किया गया भंडारा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लालगंज, रायबरेली। दिनांक 21.08.2025 को ओम श्री शक्ति

सेवा मंडल की शाखा लालगंज द्वारा बाबा बर्फानी अमरनाथ की यात्रा की सफलतापूर्वक पूर्ण हो जाने पर किया गया भंडारा। सर्वप्रथम बाबा भोलेनाथ की भव्य मूर्ति बनाकर उसकी पूजा अर्चना पंडित सतीश त्रिवेदी एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता गुप्ता,उनके पति दीपेंद्र गुप्ता द्वारा की गई। पूजा अर्चना के बाद मशहूर आल्हा गायक राजकुमार द्वारा अपनी प्रस्तुति दी गई,उसके द्रोणाचार्य म्यूजिकल कंपनी की दृष्टि पांडेय द्वारा भजन प्रस्तुति दी। दृष्टी पांडे के मनमोहक भजन को सुनने के लिए रात्रि 11.00 तक हजारों लोग उपस्थित रहे। प्रातः 11.00 से प्रारंभ होकर देर रात्रि तक भंडारा चलता रहा।भंडारे में पूरी सब्जी,छोला चावल,खीर व बूंदी वितरित की गई। सरिता गुप्ता अध्यक्ष नगर पालिका लालगंज अपने को नहीं रोक पाई,और उन्होंने भी भोलेनाथ के भजन गाए। उन्होंने गायिका दृष्टि पांडेय को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम के अंत में मंडल अध्यक्ष राजेन्द्र अवस्थी द्वारा लालगंज शाखा के सभी सदस्यों को सम्मानित किया। लालगंज शाखा द्वारा मंडल अध्यक्ष तथा उनकी पूरी टीम का सम्मान सतीश त्रिवेदी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महेंद्र अग्रवाल, रामराज गिरी, विकास साव,जगदीश चैनानी,पंकज मिश्रा,गोविंद श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

1857 के अमर सेनानी राना बेनी माधव सिंह की 221वीं जयंती कल। होंगे कई आयोजन

राणा बेनी माधव सिंह का शौर्य केवल स्थानीय ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वतंत्रता संग्राम का प्रेरणास्त्रोत : हरिचंद्र बहादुर सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 क्रांति के महानायक और अमर सेनानी राणा बेनी माधव सिंह की 221वीं जयंती उनकी जन्मस्थली एवं कर्मस्थली शंकरपुर क्षेत्र के कस्बा जगतपुर में (रायबरेली-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग) पर भव्य स्तर पर 24 अगस्त को सुबह 11 से मनाए जाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। बताते चलें कि बीते 20 फरवरी को सांसद राहुल गांधी ने इसी परिसर में उनकी अश्वारोही प्रतिमा का अनावरण किया। समारोह का आयोजन राना बेनी माधव सिंह स्मारक समिति शंकरपुर परिवार द्वारा क्षेत्रीय नागरिकों के अपार जनसहयोग से बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। आयोजन में शामिल गणमान्य और स्थानीय समाजसेवी राना साहब के शौर्य और देशभक्ति को नमन करेंगे। मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह आज समारोह में पहुंचकर राना साहब की जन्मस्थली शंकरपुर इंटर कॉलेज परिसर स्थित कुलदेवी दुर्गा जी के पिंड का पूजन-अर्चन करेंगे। इसके बाद वहीं राना पार्क में अश्वारोही प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पवर्षा कर राना साहब की वीरता का सम्मान करेंगे। समारोह में शामिल राष्ट्रीय और क्षेत्रीय विभूतिया।

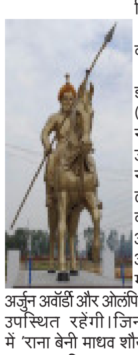

कार्यक्रम की अध्यक्षता न्यायमूर्ति डी.पी. सिंह (पूर्व न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, लखनऊ) करेंगे। विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में पद्मश्री, अर्जुन अवॉर्डी और ओलंपियन सुधा सिंह उपस्थित रहेंगी।जिन्हें समारोह में 'राना बेनी माधव शौर्य सम्मान' से अलंकृत किया जाएगा। इसके अलावा अयोध्या के विधायक अभय सिंह, पूर्व विधायक इंद्रेश विक्रम सिंह, पूर्व विधायक अजय पाल सिंह सहित अनेक क्षेत्रीय गणमान्य भी कार्यक्रम में भाग लेंगे। शंकरपुर समिति के अध्यक्ष राजकुमार सिंह 'धीरज' ने बताया कि आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। समिति के संस्थापक हरिचंद्र बहादुर सिंह एवं संयोजक प्रो. डॉ. आजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि आयोजन को दिव्य, भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। समारोह में लगभग पाँच हजार लोगों की सहभागिता की उम्मीद है। राना बेनी माधव सिंह ने 1857 की क्रांति के दौरान गोरिल्ला युद्ध पद्धति अपनाकर अंग्रेजों को परास्त किया। पूरे अवध क्षेत्र में अंग्रेजों का प्रवेश 18 महीने तक रोका। अंग्रेजों ने उनके किले को ध्वस्त कर दिया, लेकिन उनकी वीरता और रणनीति इतिहास में अमर हो गई।राना साहब के नेतृत्व में बैसवारा क्षेत्र स्वतंत्रता संग्राम का महत्वपूर्ण केंद्र बना। उनके संघर्ष और बलिदान ने आने वाली पीढ़ियों के लिए देशभक्ति और साहस का आदर्श स्थापित किया।राना बेनी माधव सिंह स्मारक इंटर कॉलेज उनके जीवन और साहस का प्रतीक है। उनके योगदान से भारत में स्वतंत्रता की चेतना और क्रांतिकारी गाथा उजागर हुई।

चैन स्नेचिंग करने वाले तीन लुटेरे पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार,गोली लगने से एक बदमाश घायल

प्रयागराज। बीते 17 अगस्त की सुबह माधवपुर खरकौनी निवासी मीरा

शुक्ला से चेन छिनैती के आरोपित बदमाशों से शुक्रवार की देर रात अरेल तटबंध मार्ग पर एसओजी और नैनी पुलिस की संयुक्त टीम से मुठभेड़ हो गई, जिसमें एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के लखनपुर गांव निवासी दानिश पुत्र अल्ताफ उर्फ अल्ताब पैर में गोली लगने से घायल हो गया। उसके साथी पीपलगांव निवासी शमशेर उर्फ ट्रैक्टर पुत्र अहमद और हंडिया थाना क्षेत्र के शुकुलपुर गांव निवासी फैसल शेख पुत्र शेख अब्दुल्ला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए बदमाशों के पास से छिनैती के दो चेन, 88640 रुपये, घटना में प्रयुक्त एक बाइक, एक देसी पिस्तौल 32 बोर, जिंदा कारतूस और दो खोखा बरामद किया गया। शुक्रवार की रात थाना प्रभारी नैनी निरीक्षक ब्रज किशोर गौतम मय पुलिस फोर्स पुराने यमुना पुल के पास चेकिंग़ कर रहे थे। उसी समय उपनिरीक्षक नवीन कुमार सिंह प्रभारी एसओजी यमुनानगर अपनी टीम के साथ सरकारी वाहन से रात्रि गस्त करते हुए मौके पर आ गए। इसी दौरान एक बाइक बड़ी तेजी से एग्रीकल्चर की तरफ से पुराने चुंगी की ओर आ रही थी, जिस पर तीन व्यक्ति सवार थे। पुलिस के अनुसार उन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो वह बाइक लेकर बंधा रोड अरैल रोड की तरफ भागने लगे। शक होने पर बाइक सवारों का पीछा किया गया। अपने आप को घिरता देख पीछे बैठे व्यक्ति ने पुलिस के ऊपर फायर कर दिया। जिस पर पुलिस टीम द्वारा जवाबी कार्यवाही की गई, जिसमें एक व्यक्ति के पैर में गोली लगी और बाकी दोनों व्यक्तियों को पुलिस टीम ने दौड़ाकर पकड़ लिया। घायल बदमाश का नाम पता पूछते हुए जमा तलाशी ली गई तो उसने अपना नाम दानिश पुत्र अल्ताफ उर्फ अल्ताब निवासी लखनपुर थाना एयरपोर्ट प्रयागराज बताया। पूछताछ में उसने बताया कि 15 अगस्त को सुबह अल्लापुर डॉट पुल के पास उसी दिन शाम को जिराफ चौराहे पर बीकानेर मिष्ठान भंडार वाली सड़क नेहा हॉस्पिटल के पास और 17 अगस्त को सुबह करीब छह बजे माधव पट्टी खरकोनी में संगम होटल वाली गली में हम लोगों ने चैन छीनैती की थी। पुलिस ने घायल को एसआरएन में भर्ती कराया।

कर्जन ब्रिज के नीचे युवती से दुष्कर्म मामले में एक अन्य हिरासत में

प्रयागराज। फाफामऊ में कर्जन ब्रिज के नीचे युवती से दुष्कर्म की घटना

में शामिल दो आरोपी हिरासत में ले लिए गए हैं। ये वह आरोपी हैं जिन्होंने घटना के बाद युवती को बाइक पर बिठाकर फाफामऊ तक छोड़ा था। उनके दो दोस्तों की तलाश की जा रही है जिनमें से एक ने युवती से दुष्कर्म और दूसरे ने मारपीट की थी। अफसरों का दावा है कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।आरोपियों से पूछताछ में पता चला है कि वह अपने दोस्तों के कहने पर पहुंचे थे और उन्होंने उनके ही कहने पर बाइक से युवती को वापस ले जाकर छोड़ा। इनमें से एक पीछे बैठा जबकि युवती को बीच में बैठाया गया था।पुलिस अब उनके दो दोस्तों की तलाश में जुटी है। युवती को बाइक से छोड़ने वाले एक युवक को एक दिन पहले ही हिरासत में ले लिया गया था। डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत का कहना है कि जल्द ही आरोपी गिरफ्तार किए जाएंगे। आरोपियों ने दुष्कर्म से पहले युवती को बेरहमी से पीटा था। उसके भाई ने बताया कि बहन के पूरे शरीर पर चोट के निशान हैं। गले के साथ शरीर के अन्य हिस्सों पर खरोंच के भी निशान हैं। पैर और मुंह पर डंडे जैसी ठोस चीज से चोट पहुंचाई गई है। घटना के छह दिन बाद भी उसकी हालत में सुधार नहीं है। बेतहाशा चोटों की वजह से वह ठीक से बोल भी नहीं पा रही है।फाफामऊ स्थित निजी अस्पताल में काम करने वाली 21 वर्षीय युवती का आरोप है कि 16 अगस्त को वह अपने साथी के संग बाइक से शहर से लौट रही थी। रात 8:30 बजे के करीब लघुशंका के लिए कर्जन ब्रिज के पास रुकने पर वहां मौजूद दो युवकों ने उससे छेड़छाड़ शुरू कर दी। विरोध पर उसके साथी को मारपीट कर भगा दिया और फिर उसे घसीटकर नीचे की ओर ले जाकर दुष्कर्म किया। इससे पहले उसे डंडे से पीटा भी। पुलिस ने एक आरोपी पर दुष्कर्म जबकि तीन अज्ञात पर मारपीट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

पूजा सिंह सोशल मीडिया पर सक्रिय एक आगामी मॉडल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। पूजा सिंह , जो सोशल मीडिया पर सक्रिय एक आगामी मॉडल हैं, ने हाल ही में अपने करियर में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उनकी इंस्टाग्राम प्रोफ़ाइल पर उनके नए फोटोशूट और मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स की झलकियाँ साझा की गई हैं। उनकी मेहनत और समर्पण उन्हें फैशन इंडस्ट्री में एक उभरते सितारे के रूप में स्थापित कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर सक्रियता- पूजा सिंह की इंस्टाग्राम प्रोफ़ाइल पर उनके नवीनतम फोटोशूट और मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स की झलकियाँ साझा की गई हैं। उनकी तस्वीरें और वीडियो उनके फॉलोअर्स के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं। उनकी सक्रियता सोशल मीडिया पर उन्हें एक प्रभावशाली मॉडल के रूप में स्थापित कर रही है।

पूजा सिंह मॉडल

आगामी प्रोजेक्ट्स- पूजा सिंह के आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में अधिक जानकारी उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स पर उपलब्ध है।

उनकी आगामी परियोजनाओं और फैशन इंडस्ट्री में उनके योगदान की जानकारी उनके फॉलोअर्स के लिए उत्साहजनक है। पूजा सिंह की इंस्टाग्राम प्रोफ़ाइल पर उनकी नवीनतम गतिविधियों और प्रोजेक्ट्स की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। उनकी मेहनत और समर्पण उन्हें फैशन इंडस्ट्री में एक उभरते सितारे के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

रायबरेली के ऐतिहासिक शहीद स्मारक पर दैनिक निःशुल्क योग शिविर,योग व्यक्ति ही नहीं समाज और राष्ट्र को भी बनाता है सशक्त : प्रदीप पांडेय

रायबरेली। मातृभूमि सेवा मिशन रायबरेली इकाई द्वारा संचालित दैनिक निःशुल्क योग शिविर का आयोजन आज प्रातः 5:30 बजे ऐतिहासिक शहीद स्मारक प्रांगण में हुआ। शिविर का संचालन श्रीमती सोनम गुप्ता ने किया, जिन्होंने साधकों को अनुलोम-विलोम, कपालभाति एवं भ्रामरी प्राणायाम कराया। वहीं श्री राज अग्रहरी ने साधकों को सूर्य नमस्कार, ताड़ासन एवं मंडूकासन का अभ्यास कराया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। संयोजक प्रदीप पाण्डेय ने कहा कि शहीदों की धरती पर प्रतिदिन योगाभ्यास होना केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि प्रेरणा और अनुशासन का संदेश है। योग से तन-मन स्वस्थ होता है, समाज में एकता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है तथा राष्ट्र सशक्त बनता है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि अधिक से अधिक संख्या में शिविर में भाग लें और स्वस्थ रायबरेली के निर्माण में सहयोग दें। इस अवसर पर योग साधक देवेंद्र नाथ मिश्रा, दिनेश पांडेय, रश्मि पांडेय, देवता दीन, सत्येंद्र, प्रकाश, रामानुज मिश्रा, अनूप शर्मा, झुरी लाल, अनूप, राकेश यादव, अन्नू आदि उपस्थित रहे।

संगमनगरी को तीसरी अमृत भारत की सौगात,सूबेदारगंज में हुआ स्वागत

प्रयागराज। संगम नगरी को शुक्रवार की शाम तीसरी अमृत भारत एक्सप्रेस की सौगात मिल गई। गया

से चली यह ट्रेन शाम को सूबेदारगंज स्टेशन पहुंची तो यहां इसके यात्रियों का स्वागत किया गया। इस दौरान भारत माता के जयकारों के साथ वंदे मातरम का भी उद्घोष हुआ।पीएम मोदी ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गया-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। शाम 5:30 बजे के आसपास यह ट्रेन सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पहुंची। इस दौरान ट्रेन के यात्रियों का स्वागत किया गया। दस मिनट के ठहराव के बाद विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह, दीपक पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीके सिंह, डीआरएम रजनीश अग्रवाल आदि ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। इसके पूर्व सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। इस दौरान अतिथियों ने तमाम स्कूलों में हुई निबंध, चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन वासुदेव पांडेय ने किया। बताया गया कि अमृत भारत शुक्रवार को विशेष ट्रेन के रूप में संचालित हुई। इसका नियमित संचालन 28 अगस्त से शुरू होगा।

वायरल वीडियो पर डीडीओ का एक्शन ग्राम विकास अधिकारी निलंबित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो को लेकर जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार ने त्वरित संज्ञान लेते हुए ग्राम विकास अधिकारी शितांशु प्रकाश को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। ग्राम पंचायत उड़वा विकासखंड जगतपुर के ग्राम विकास अधिकारी शितांशु प्रकाश का परिवार रजिस्टर की नकल निर्गत किए जाने के लिए रिश्वत लेने का वीडियो वायरल हुआ ।जिला विकास अधिकारी ने बताया है कि उ0प्र0 सरकारी सेवक नियमावली के तहत उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर ग्राम विकास अधिकारी को कार्यालय खंड विकास अधिकारी दिनशागौरा से सम्बद्ध कर दिया गया है। इस प्रकरण में खंड विकास अधिकारी महाराजगंज को जांच अधिकारी नामित किया गया है।

सेवा भारती ने कुष्ठ आश्रम में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सेवा भारती, सामर्थ फाउंडेशन के संयुक्त

तत्वावधान में मां दुर्गा कुष्ठ आश्रम में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें दर्जनों कुष्ठ रोगियों का ऑपरेशन और पट्टी की गई।

साथ में सभी रोगियों का ब्लड टेस्ट कर कुशल चिकित्सकों द्वारा स्वस्थ परीक्षण कर दवा का वितरण किया गया। समर्पण फाउंडेशन एवं गुलशन कुमार चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से संचालित समर्पण चल चिकित्साल्य के द्वारा जय दुर्गा कुष्ठ आश्रम में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया ।

शिविर का शुभारंभ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग सेवा प्रमुख गया प्रसाद ने किया।

इस अवसर पर सेवा भारती के विभाग उपाध्यक्ष अशोक बाजपेई, जिला चिकित्सा आयाम प्रमुख डाक्टर शिवाकांत त्रिपाठी, जिला अध्यक्ष नीरज गुप्ता, उपाध्यक्ष कुलदीप श्रीवास्तव, समाजसेवी महेंद्र अग्रवाल रहें ।

समर्पण फाउंडेशन के संस्थापक रविप्रकाश ने उपस्थित लोगों को बताया कुष्ठ रोगी भाईं बहनों के घावो कि साफ सफाई,मरहम पट्टी एवं लघु शल्य,- चिकित्सा के साथ अनुभवी चिकित्सको द्वारा परामर्श आवश्यकतानुसार दवाएं - इंजेक्शन महिलाओं को सैनेट्री पैड वितरण किया।

चिकित्सा दल में डाक्टर देव उत्कर्ष, रोहित, अंकित,किसन शामिल रहे।

उच्च शिक्षामंत्री योगेंद्र उपाध्याय का फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा के यहां रात्रि भोज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय का फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा के सेक्टर-45 स्थित आवास पर रात्रिभोज हेतु आगमन हुआ। इस अवसर पर पुष्पगुच्छ भेंट कर मंत्री जी का स्वागत किया गया एवं उनका मार्ग दर्शन प्राप्त किया। चर्चा के दौरान शहर की शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से संवाद हुआ। मंत्री जी ने प्रधानमंत्री जी की शिक्षा नीति से विस्तार से अवगत कराया। फोनरवा ने शहर के मध्य स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ कराने की मांग प्रमुख रूप से रखी। माननीय मंत्री जी ने सभी मुद्दों को ध्यानपूर्वक सुना एवं समाधान का आश्वासन दिया। इस मौक़े पर फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा के साथ साथ बरिष्ठ समाजसेवी त्रिलोक शर्मा, ताराचंद गोड, विनोद शर्मा, लाटसाहाब लोहिया, संजय चौहान, राजेश सिंह, मोहन शर्मा, अशोक मिश्रा तथा कोसिन्द्र यादव ,भूषण शर्मा सहित अनेक सम्मानित अतिथि उपस्थित रहे।

भाजपा जिला कार्यालय सोनभद्र पर जिला पदाधिकारी, मण्डल प्रभारी, मण्डल अध्यक्षों की संगठनात्मक बैठक सम्पन्न हुई।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा जिला प्रभारी अनिल सिंह जी मौजूद रहे बैठक का शुभारंम्भ पं0 दीनदयाल उपाध्याय व डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के चित्र पर मुख्यअतिथि अनिल सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल जी ने पुष्प अर्पित कर किया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल जी व संचालन जिला मंत्री संतोष शुक्ला ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि जिला प्रभारी अनिल सिंह ने कहा कि बूथ संरचना और जनसंवाद ही चुनावी जीत का आधार बताया। उन्होंने मण्डल अध्यक्षों से शक्ति केन्द्रों व बूथों पर नियमित बैठकें कर संगठन को मजबूत और सक्रिय करने को कहा। उन्होंने संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा के साथ आगामी पंचायत चुनाव पर मंत्रणा की। कहा मजबूत संगठन के बलबूते चुनावों में सरकार बनाने की तैयारी शुरू करनी होगी। हर मण्डल में संगठन नंबर वन होना चाहिए। संगठन के माध्यम से सरकार की योजनाओं का लाभ गरीबो तक पहुंचे। संगठन के माध्यम से प्रत्येक बूथ पर भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ाना है। छुटे तथा युवा मतदाताओं को जोड़ने के लिए घर-घर संपर्क कर मतदाता सूची अपडेट करने को कहा। यह भी कहा हमें सजग रहकर विपक्ष द्वारा लगातार फैलाएं जा रहे झूठ व फरेब का पर्दाफाश करना होगा। बैठक की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल जी ने कहा कि मण्डल अध्यक्ष व मण्डल प्रभारी दो-तीन दिन में संगठन संरचना को बूथ स्तर तक पूर्ण करें हर कार्यकर्ता को अपने बूथ पर जाकर बूथ समिति बनाकर एकात्म मानववाद के लक्ष्य को पूरा करना है। हर कार्यकर्ता को बूथ स्तर पर जाकर सरकार की नीतियों को जन जन तक पहुंचाना है, तथा जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अन्तिम छोर तक के व्यक्ति को पहुंचाना ही लक्ष्य है। बैठक मे मुख्यरुप से जिला उपाध्यक्ष उदयनाथ मौर्या, अनिल सिंह गौतम, अशोक कुमार मौर्या, रंजना सिंह, कृष्णामुरारी गुप्ता, शंम्भू नारायण सिंह, गुडिया वर्मा, कैलास बैसवार, अनूप तिवारी, सुरेश शुक्ला, दयाशंकर पाण्डेय, बीएन गुप्ता, विनय श्रीवास्तव, योगेन्द्र बिन्द, लक्षन खरवार, रामलाल चेरो, विमलेश चौबे, मनीष पटेल, दिलिप चौबे, राकेश मेहता, अंकुर सिंह, विजय चौहान, परशुराम केशरी, शिवनाथ जायसवाल, यादवेन्द्र द्विवेदी, विशाल गुप्ता, नार सिंह पटेल, सुनिल सिंह, संजय केशरी सहित आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कृषकों के बुढ़ापे की आर्थिक सुरक्षा कवच है, प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होते है। उनके उत्थान, सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा के लिए देश के मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कई योजनायें संचालित की है। जिनमें प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना है, जिसके अंतर्गत किसानों को वार्षिक रु0 6000/- देते हुए किसानों को आर्थिक सम्बल प्रदान किया है। उसी तरह केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना आरम्भ किया है। जिसके अंतर्गत किसानों को 60 वर्ष के बाद रु0 3000/- मासिक, 36 हजार रूपये सालाना पेंशन दी जाती है। केन्द्र सरकार की इस योजना को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश में लागू कर किसानों को लाभान्वित कर रहे हैं। किसानों को वृद्धावस्था में किसी के सामने रूपयों के लिए हाथ न फैलाना पड़े, वे आत्मनिर्भर रहे, उनका मान-सम्मान बना रहे, सरकार ने इस पर विशेष ध्यान दिया है। प्रदेश में प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना के तहत प्रदेश के सभी किसान लाभ ले सकते हैं। जिन किसानों की आयु 18 से 40 वर्ष तक है वे किसान इस योजना के अंतर्गत पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण के बाद किसान को प्रत्येक माह प्रीमियम जमा करना होगा। 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले किसान को प्रतिमाह 55 रूपये एवं 40 वर्ष की आयु के किसान को रू0 200/- महीना प्रीमियम जमा करना होता है। इस योजना के तहत 50 प्रतिशत प्रीमियम का भुगतान किसान द्वारा एवं 50 प्रतिशत प्रीमियम का भुगतान सरकार द्वारा किया जाता है।

युवा लोकप्रिय भाजपा नेता एवं उद्योगपति विनय चौधरी

शहडोल। प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत और आत्मनिर्भर

भारत मिशन के कोने कोने से बढ़ावा देने के लिए हर शहर गांव में युवाओं को कर रहे संगठित युवा शक्ति के बिना किसी भी देश का निर्माण और विकास असंभव है, इसलिए भारत को सशक्त और विकसित राष्ट्र बनाने हेतु युवाओं को संगठित करने का एवं उद्योगपति विनय चौधरी अब पूरी तरह से मायानगरी की ओर रुख अख्तियार कर चुके हैं। बीते दिनों देशभर के युवा उद्यमियों को एक सूत्र में बाँधने एवं राष्ट्र निर्माण की दिशा में योगदान देने के उद्देश्य से मुंबई के होटल ताज लैंड में 'टॉपनौंच फाउंडेशन' व उसके प्रमुख उद्योगपति विनय चौधरी द्वारा आयोजित पहली बार 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मृति पुरस्कार - 2025' का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। यह सम्मान उन विशिष्ठ व्यक्तित्वों को समर्पित रहा, जिन्होंने राष्ट्र सेवा, सामाजिक कार्य एवं विविध क्षेत्रों में अतुलनीय योगदान दिया है। महाराष्ट्र के आपको बता दें कि बहुमुखी प्रतिभा के धनी भाजपा युवा नेता उद्योगपति विनय चौधरी का व्यापार भारत में ही नहीं अपितु आज कई अन्य देशों में भी आकार ले चुका है, बावजूद इसके वह समाज सेवा के लिए अपनी प्राथमिकता सर्वोपरि रखते हैं और देश दुनिया में युवाओं को जोड़ने का काम करते हैं। उद्योगपति विनय चौधरी अब देश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले शहर मुंबई एवं भारत के कोने-कोने में युवाओं को जोड़ने के लिए जी तोड़ मेहनत करने पर जुट गए हैं। जिसके लिए जल्द ही वह मायानगरी में अपने 'टॉपनौंच फाउंडेशन' द्वारा कुछ और बड़े कार्यक्रमों का आगाज करेंगे, जो प्रधानमंत्री के विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत बनाने की पहल को और भी मजबूती देगा। ज्ञात रहे भाजपा युवा नेता एवं उद्योगपति विनय चौधरी बीते महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भी प्रभारी की भूमिका निभा चुके हैं।

एसीएस बी एल मीणा ने कृषक प्रक्षेत्रो का किया अवलोकन, आधुनिक तकनीक से किसान बढ़ाये आय एवं फसलों की गुणवत्ताःश्री मीणा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उ0प्र0 शासन के उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण तथा रेशम विभाग के अपर मुख्य सचिव बी0एल0 मीणा ने आज जिले का भ्रमण किया।

इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न कृषकों के प्रक्षेत्रों का निरीक्षण करते हुए राज्य सरकार की योजनाओं के सफल क्रियान्वयन का अवलोकन किया। भ्रमण के दौरान अपर मुख्य सचिव श्री मीणा ने विकासखण्ड बछरावां के ग्राम नींवा में कृषक राजकुमारी सिंह के प्रक्षेत्र पर एकीकृत बागवानी विकास मिशन के अंतर्गत 4000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में निर्मित पॉलीहाउस का निरीक्षण किया।

पॉलीहाउस में उच्च गुणवत्ता के जरबेरा पुष्प की आधुनिक तकनीक से की जा रही खेती को देखकर उन्होंने कृषकों के प्रयासों की सराहना की तथा इसे अन्य कृषकों के लिए प्रेरणादायी बताया।

इसके उपरांत विकासखण्ड हरचन्दपुर के ग्राम अघौरा में पर ड्रॉप मोर क्रॉप-माइक्रो इरिगेशन योजना के तहत लाभार्थी कृषक आराधना यादव के प्रक्षेत्र पर स्थापित मिनी स्प्रिंकलर सिस्टम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लिटरल पाइप का सैंपल लेकर सीपैट टेस्टिंग

कराने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि अधिक से अधिक कृषकों को माइक्रो इरिगेशन योजना के अंतर्गत आच्छादित किया जाए, ताकि जल संरक्षण के साथ-साथ कृषि उत्पादन को बढ़ावा मिल सके।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव ने कहा कि आधुनिक तकनीकों के उपयोग से कृषक न केवल उत्पादन बढ़ा सकते हैं बल्कि गुणवत्तापूर्ण फसलों के माध्यम से अपनी आय भी दोगुनी कर सकते हैं।

निरीक्षण के दौरान उप निदेशक उद्यान, लखनऊ मंडल, जिला उद्यान अधिकारी रायबरेली, प्रभारी विकासखण्ड, लाभार्थी कृषकगण एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जियो और जीने दो,, अहिंसा परमो धर्म सुनाए भजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जैन साधना भवन में जैन परिवारों के साथ जैन पावन पर्युषण पर्व

का शुभारंभ बुधवार को किया गया। वही दिल्ली से पधारे स्वाध्यायी नंदकिशोर जैन एवं सुनील जैन द्वारा जिनवाणी का महत्त्व समझाया गया,और जैन आगम,,के बारे में जैन समाज के उपस्थित महिला पुरुष एवं बच्चों को जियो और जीने दो,, अहिंसा परमो धर्म को भजनों व, जैन धर्म ग्रन्थों के प्रेरक तत्वो का उल्लेख करते हुए उसकी महत्वता को समझाया और उसका अनुसरण करने का अनुरोध किया ,जैन साधना भवन में चल रहे पर्यूषण पर्व के पहले दिन जैन समाज की महिलाएं पुरुष एवं बच्चों के बच्चों की उपस्थिति रही वही पवन कुमार जैन ने बताया कि पर्यूषण पर्व, जैन समाज का एक महत्वपूर्ण पर्व है। जैन धर्मावलंबी भाद्रपद मास में पर्यूषण पर्व मनाते हैं। ये पर्यूषण पर्व 10 दिन चलते हैं। 12 वें दिन जैन धर्म के लोगों का महत्वपूर्ण त्यौहार संवत्सरी पर्व मनाया जाता है। इस दिन यथा शक्ति उपवास रखा जाता है। पर्यूषण पर्व की समाप्ति पर संवत्सरी (क्षमायाचना) पर्व मनाया जाता है। जिसमें प्रमुख रूप से देवराज जैन,पवन कुमार जैन, धर्मराज जैन हर्ष अग्रवाल , पवन जैन,मनोज जैन,विजय जैन रोहित जैन , धर्मचन्द जैन ,काजू जैन, अनील जैन के साथ उपस्थिति रही,और जैन परिवारों द्वारा जाप और व्रत रखने के संकल्प लिया गया,यह कार्यक्रम का 28/8/ को होगा समापन।

समस्त थानों पर आयोजित किया गया 'थाना समाधान दिवस', जमीन सम्बंधित प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम करे निस्तारण निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद के समस्त थानों पर 'थाना समाधान दिवस' का आयोजन किया गया । पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा थाना चोपन पर आयोजित समाधान दिवस के अवसर फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया साथ ही निर्देशित किया गया कि जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रूप से प्रकरण का निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पड़े व प्रकरणों का त्वरित व न्याय पूर्ण निस्तारण हो सके । इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार द्वारा थाना रॉबर्ट्सगंज पर, क्षेत्राधिकारी नगर द्वारा थाना चोपन पर, क्षेत्राधिकारी ओबरा द्वारा थाना ओबरा पर, क्षेत्राधिकारी पिपरी द्वारा थाना पिपरी पर तथा क्षेत्राधिकारी दुद्धी द्वारा थाना दुद्धी पर व थाना प्रभारियों द्वारा अपने थानों पर थाना समाधान दिवस के अवसर पर फरियादियों की समस्याओं को सुनकर कुछ का मौके पर निस्तारण किया गया तथा कुछ के गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया।

विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने राना बेनी माधव बख्श सिंह की जयन्ती के अवसर पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन कर योजनाओं की ली जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज, ऑडिटोरियम के परिसर में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास एवं अमर सेनानी राना बेनी माधव बख्श सिंह की जयंती के अवसर पर 22 से 24 अगस्त तक लगाई गई तीन दिवसीय विकास प्रदर्शनी के द्वितीय दिन न्यू स्टैंडर्ड बालिका विद्या मंदिर, कम्पोजिट विद्यालय बेलीगंज के छात्र-छात्राओं ने भ्रमण कर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में अमर सेनानी राना माधव बख्श सिंह की जीवनी और उनके स्वतंत्रता संग्राम में योगदान के बारे में जानकारी दी गई थी। प्रदर्शनी में चित्रों के माध्यम से अमर सेनानी के जीवन और कार्यों को प्रदर्शित किया गया था। इसके साथ ही प्रदर्शनी में उ0प्र0 सरकार द्वारा स्थापित किए गए नए कीर्तिमानों, विकास कार्यों, उपलब्धियों व अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रदर्शित किया गया।

भारतीय लकड़ी हस्तशिल्प निर्यात को सुरक्षित रखने के लिए ईपीसीएच ने यूरोपियन यूनियन डीफॉरेस्टेशन रेग्युलेशन (ईयूडीआर) पर सरकारी हस्तक्षेप की मांग की

व्यापार ने शीघ्र समाधान के लिए प्रतिनिधित्व में तेजी लाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। दिल्ली हस्तशिल्प निर्यातकों के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) के उपाध्यक्ष सागर मेहता और

ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार; ईपीसीएच के नेतृत्व में भारत सरकार के माननीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह और माननीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात की। इस बैठक में यूरोपियन यूनियन डीफॉरेस्टेशन रेग्युलेशन (ईयूडीआर) के अनुपालन में भारत सरकार से हस्तक्षेप की मांग की गई। बैठक में ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा तथा जोधपुर के प्रमुख सदस्य निर्यातक श्री मनोज बोथरा, श्री राजेंद्र बंसल, श्री जे. पी. जैन, श्री आशीष मेहता, श्री गौरव जैन, श्री मनीष पुरोहित और सहारनपुर के प्रमुख सदस्य निर्यातक श्री परमिंदर सिंह भी उपस्थित रहे, ईपीसीएच के अतिरिक्त कार्यकारी निदेशक श्री राजेश रावत ने जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल ने इस मामले पर विस्तार से चर्चा करने के लिए उच्च स्तरीय अधिकारियों से भी मुलाकात की। ईयूडीआर के प्रभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए डॉ. नीरज खन्ना ने कहा, 'हम यूरोपीय संघ की वनों की कटाई के खिलाफ उनकी प्रतिबद्धता की सराहना करते हैं, लेकिन ईयूडीआर के अनुपालन की आवश्यकताएं हमारे लकड़ी हस्तशिल्प निर्यातकों को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती हैं। हमारे उत्पाद मुख्यतः आम, बबूल और शीशम की लकड़ी से बनाए जाते हैं, जो कृषि वानिकी से प्राप्त होते हैं और

प्राकृतिक वनों की कटाई में योगदान नहीं करते।' उन्होंने आगे कहा, 'यदि इन नियमों को स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखे बिना लागू किया गया, तो इससे उत्पादन में गिरावट, ऑर्डर रद्द होने और कारीगरों व उनके आश्रितों में व्यापक बेरोजगारी हो सकती है।' नीतिगत समर्थन पर प्रकाश डालते हुए डॉ. राकेश कुमार ने कहा, ' ग्रामीण, शहरी और कस्बाई भारत के लाखों कारीगरों के लिए हस्तशिल्प क्षेत्र आर्थिक रीढ़ के समान है। ईयूडीआर लकड़ी के निर्यातकों पर समान दायित्व लागू करता है, जो भारत जैसे देशों की विशिष्ट परिस्थितियों की अनदेखी करता है। सरकार के हस्तक्षेप के बिना, ईयूडीआर के प्रावधानों का अनुपालन करना हमारे निर्यातकों के लिए बहुत मुश्किल हो सकता है।' उन्होंने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय से आम, बबूल और शीशम की लकड़ी के लिए छूट की मांग करने और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय से कटाई के समय भू-स्थान डेटा उपलब्ध कराने के निर्देश जारी करने की अपील की, जिससे निर्यातकों को वन-कटाई मुक्त सप्लाई चेन स्थापित करने में मदद मिले।

श्री सागर मेहता ने कहा, 'यूरोपीय संघ के वनों की कटाई नियम लकड़ी हस्तशिल्प निर्यातकों, विशेष रूप से छोटे और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) और कारीगर आधारित उद्यमों के लिए एक गंभीर चुनौती प्रस्तुत करते हैं। हम सतत और जिम्मेदार व्यापार का समर्थन करते हैं, लेकिन हमारे क्षेत्र की विशिष्ट प्रकृति को समझना आवश्यक है। हम सरकार और उद्योग के सहयोग से एक व्यावहारिक अनुपालन ढांचा विकसित करने की मांग करते हैं।' श्री आर. के. वर्मा ने कहा, 'ईपीसीएच हमेशा वैश्विक स्थिरता ढांचे के साथ अपने कदम मिलाकर चलने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। इसका उदाहरण है 'वृक्ष'(वीआरआईकेएस एच-टिंबर लीगलिटी एसेसमेंट एंड वेरिफिकेशन स्कीम), जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रणाली है और भारतीय हस्तशिल्प सेक्टर इसका अनुपालन करता है।

लेकिन जिओ-?फरेंस्ड (भू-संदर्भित) ट्रेसबिलिटी प्रणाली के बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन के लिए नीति समर्थन, वित्तपोषण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग आवश्यक है।

यह सामूहिक दृष्टिकोण प्रावधान अनुपालन को सुनिश्चित करेगा और भारतीय निर्यात प्रतिस्पर्धा को सुरक्षित रखेगा।'

उपचार में दवाओं के बजाय हमदर्दी तेजी से काम करती है

मुझे याद तक नहीं कि कितनी बार मैं झुकी-सी कमर और थकान के साथ नागपुर के हमारे पारिवारिक चिकित्सक स्वर्गीय डॉ. हरिदास की डिस्पेंसरी में गया था। लेकिन मुझे

यह याद है कि इसमें से 90 फीसदी दफा मैं उसी डिस्पेंसरी से महज 20 मिनट में सीधी कमर के साथ मुस्कराता और कूदता हुआ बाहर निकला। सबसे पहले डॉक्टर मेरे सिर पर हाथ फेरते। फिर मुझसे जीभ बाहर निकालने के लिए कहते और टॉर्च से इसके भीतर ऐसे देखते, जैसे मैं वहां कुछ छिपा रहा हूं। फिर वह अपने स्टेथोस्कोप से मेरे दिल और फेफड़ों की जांच करते। वह अपने साफ सुथरे मैनिक्योर किए हाथों से मेरी कलाई पकड़ते और उस समय में मुझसे कुछ ऐसी बातें करते रहते, जिनका मेरी बीमारी से कोई लेना-देना नहीं होता था। वह पूछते कि मैंने आज क्या खाया, कौन-सा विषय मेरे लिए बहुत कठिन है या सरल है। कौन-सा शिक्षक मुझे सबसे ज्यादा पसंद है इत्यादि। अंततः वो मुझे एक गोली देकर इसे अपने सामने ही खाने के लिए कहते, इस भरोसे के साथ कि 'ये गोली तुम्हारे भीतर एक जादू करेगी। तुम यहां से 10 मिनट में ही नाचते-कूदते चले जाओगे।' मैं कभी महसूस ही नहीं कर पाया कि मेरी बीमारी ठीक होने के जादू का कारण उनकी दी हुई गोली नहीं थी, बल्कि उनके जादुई शब्द और वो धैर्य था, जो वह मरीज की बात सुनने में देते थे। यह बिल्कुल वही बात है, जो राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस सोमवार एम्स गोरखपुर के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 'एक दयालु डॉक्टर सिर्फ दवाओं से नहीं, बल्कि अपने व्यवहार से भी उपचार करता है। सहानुभूति भरी देखभाल मरीज की रिकवरी को तेज करती है। एक डॉक्टर का धैर्य और समर्पण समाज के लिए एक आदर्श स्थापित करता है।' उन्होंने चिकित्सा को महज एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा करार दिया। राष्ट्रपति ने समारोह में ग्रेजुएशन कर रहे विद्यार्थियों को डिग्री और मेडल प्रदान किए और इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। जैसे राष्ट्रपति ने जिक्र किया, वैसे सैंकड़ों चिकित्सक देश में हैं और उनमें से एक स्वर्गीय डॉ. वी बालासुब्रमणियम मुझे अच्छी तरह से याद हैं, जो '20 रुपए वाला डॉक्टर' के नाम से मशहूर थे। एक ऐसा व्यक्ति जो गरीबों के लिए भगवान था। नवंबर 2016 में तमिलनाडु के कोयंबटूर में उनके घर और डिस्पेंसरी की गलियों में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था, जो अपने प्यारे '20 रुपए वाले डॉक्टर' को श्रद्धांजलि देने आए थे। उन्होंने कभी भी अपने मरीजों से उपचार के लिए 20 रुपए से अधिक फीस नहीं ली। पहले उन्होंने अपने मरीजों को महज 2 रुपए में परामर्श देना शुरू किया और फिर इसमें कई वर्षों तक बहुत मामूली बढ़ोतरी करते रहे। 2014 तक भी वह मरीज से महज 10 रुपए ही लेते थे। देश में आज भी उनके जैसे कई सारे चिकित्सक हैं। डॉ. एस. एम. जियाउर्रहमान जब दिल्ली के एक बेहद प्रतिष्ठित निजी अस्पताल में कार्यरत थे, तो उनके पास बिहार के खगड़िया से एक बेहद गरीब मरीज आया। जियाउर्रहमान स्वयं भी वहीं के रहने वाले थे। मरीज अपने उपचार के लिए करीब 1200 किलोमीटर की यात्रा कर उनके पास पहुंचा। इसी के कारण वह दिल्ली की अपनी मोटी तनख्वाह वाली नौकरी छोड़ कर अपने गृह नगर में सिर्फ 50 रुपए में मरीजों का इलाज करने के लिए प्रेरित हुए। पिछले 35 वर्षों से बिहार के बरबीघा गांव के डॉ. रामानंद सिंह, पटना के डॉ.एजाज अली, आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले की डॉ. नूरी परवीन, कर्नाटक के डॉ. शंकरे गौड़ा इतनी कम फीस लेते हैं, जिसमें सड़क किनारे की गुमठी से एक कप चाय भी नहीं खरीदी जा सकती। लेकिन जब हम देश के सरकारी अस्पतालों के गलियारों में मदद के लिए गूंजती मरीजों की करुण पुकार सुनते हैं तो ये डॉक्टर चिकित्सकीय उपचार मुहैया कराते ?हैं। फंडा यह है कि शायद ये चिकित्सक जानते हैं कि एक प्रगतिशील राष्ट्र के लिए स्वस्थ आबादी कितनी जरूरी है। और इसीलिए वे हमदर्दी से इतने भरे हुए हैं।

जीवन रुकता नहीं, लेकिन सुरक्षा के लिए थोड़ा ठहरना होगा

हमारे आसपास का जीवन बहुत असुरक्षित हो गया है। महामारी से उबरी दुनिया ने यह नहीं सोचा होगा कि हवाई जहाज की यात्रा लगातार डरावनी होती जाएगी या उसकी जगह हेलीकॉप्टर से की गई यात्रा आखिरी यात्रा साबित होगी और इन सबसे

अगर कोई बच गया तो वह पुल ही धंस जाएगा जो जीवन को पार लगाएगा।अगर फिर भी सांस रही तो कोई सड़क दुर्घटना हो जाएगी या गर्मी में एयर कंडीशनर ही फट जाएगा। और तो और, वैक्सीनेशन के कवच में सुरक्षित लोग जब दौड़ेंगे, खेलेंगे या वर्जिश करेंगे तो उनके आसपास वह डेटा बड़बड़ाता आ जाएगा, जो यह बताएगा कि आज किसी भी उम्र में, किसी की भी धड़कन थम सकती है। ऐसे में इस अनिश्चितता का सामना कैसे किया जाए? जीवन तो रुकता नहीं है। तो अगर किसी की पहली हवाई यात्रा मौत और जिंदगी की उड़ान के बीच लैंड करे तो सोचिए उस यात्री का क्या हाल हुआ होगा। और उनका क्या जो हर बार किसी पुल से गुजरते वक्त घबरा जाएंगे! अभी तो एयर क्रैश के बाद भी इमरजेंसी लैंडिंग का सिलसिला जारी है। क्या एयर क्रैश, एक्सीडेंट्स, पुलों का गिरना एक न्यू नॉर्मल बनता जा रहा है? क्या सेफ्टी के मूल्य को दरकिनार कर जीवन चलने का नाम है की आड़ में यूं ही मौत का सिलसिला जारी रहेगा? आखिर ऐसी परिस्थिति में तमाम संस्थाएं करें तो क्या करें? मुझे लगता है समय आ गया है कि तमाम मूल्यों में सेफ्टी के मूल्य को संस्थाएं टॉप मोस्ट मूल्य बनाएं। क्योंकि बैलेंस शीट और लाभ, टारगेट, रेवेन्यू के जमाने में मुनाफा कमाने का अत्यधिक दबाव चारों तरफ है। एक हवाई जहाज की कितनी उड़ान बनती है और उससे कितना पैसा आता है; उससे ज्यादा जरूरी है यह देखना कि सुरक्षा मानकों को ठीक से फॉलो किया जा रहा है या नहीं? क्या यह संभव है कि कोई कंपनी सारे सुरक्षा मानकों से कोई समझौता न करे और अपनी एक के बाद एक उड़ानें रद्द कर दे? या किसी कारखाने में बिना सेफ्टी शूज, बेल्ट, ग्लासेस, हेलमेट के मैनेजमेंट से लेकर अंतिम आदमी तक प्रवेश न कर पाए? आखिर सुधार की सुगबुगाहट विध्वंस के बाद ही क्यों होती है? सुरक्षा हमारा सामाजिक व्यवहार क्यों नहीं बन पा रही है? कार्यस्थल पर स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण का समर्थन करने वाले एक लेख में लेखक मानते हैं कि सुरक्षा संस्कृति कंपनी अभ्यास में एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। जैसा कि हेल और होवडेन ने कहा भी है कि हम आजकल 'सुरक्षा के तीसरे युग' में रहते हैं, जिसमें अब केवल तकनीकी (पहला युग) या संगठनात्मक उपायों (दूसरा युग) पर ध्यान केंद्रित नहीं किया जाता है। सुरक्षा पर ध्यान करना ही मुख्य रूप से संस्कृति और मानव व्यवहार का हिस्सा बनना चाहिए। अभी पिछले ही साल दिल्ली की बारिश में कितने छात्रों ने लाइब्रेरी के बेसमेंट में जलसमाधि ले ली, कितने अस्पतालों के एसी फट गए, कितने पुल गिर गए, रेल हादसे भी हुए। ऐसे में एक व्यक्ति के लिए जीवन दिनों-दिन असुरक्षा की भावना से भरता जा रहा है। ऐसे युग मे जहां हर व्यक्ति-वस्तु का आर्थिक मूल्य ही वास्तविक मूल्य बना हुआ है; सुरक्षा के मूल्य को सामाजिक व्यवहार बनाना आसान नहीं है। पर हमें यह करना तो पड़ेगा ही। इसलिए आवश्यक है कि हर स्तर पर व्यक्ति की सुरक्षा को सर्वोपरि बनाया जाए और इससे कोई समझौता न किया जाए। भारत में कार बनाने वाली कंपनियों में से कुछ की गाड़ियां सुरक्षा मानक में सर्वोपरि होती हैं। अब तो ऑटो कंपनियां ऐसी गाड़ियां भी बना रही हैं कि अगर ड्राइवर ने सीट बेल्ट नहीं लगाया तो वह स्टार्ट ही नहीं होगी। कुछ व्यापार-समूहों ने भी स्पीड के साथ सेफ्टी को प्रथम मूल्य बनाया है और उनके प्लांट्स या कॉलोनीज में व्यक्ति की सुरक्षा उस सेफ्टी मूल्य से निर्धारित होती है। जापानी कंपनियां भी सुरक्षा को सर्वोच्च मानती हैं। तो क्या एविएशन या रेल में ऐसा नहीं हो सकता? दो उड़ानों के बीच में हवाई जहाज को उचित समय दिया जाए, ताकि सुरक्षा को लेकर कोई अनदेखी न हो। अगर सरकार के मानक सख्त हो जाएंगे तो मानवीय या तकनीकी गलती से होती दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

क्या हमने जेपी आंदोलन के सवालों पर गौर किया है?

(अभय कुमार दुबे) इंदिरा गांधी द्वारा 1975 में अपनी कुर्सी बचाने के लिए थोपे गए आपातकाल की जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है। मैं, मेरे पिता और मेरा परिवार भी आपातकाल में राजनीतिक

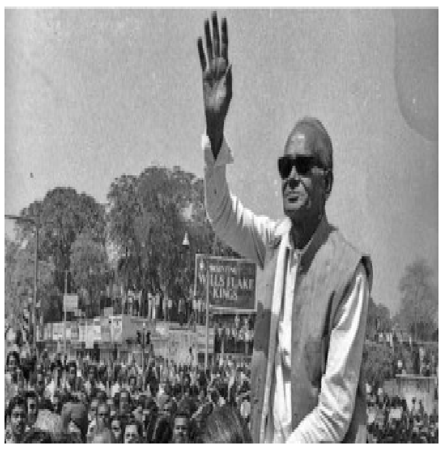

उत्पीड़न का शिकार रहा है। लेकिन क्या आपातकाल से हमने, हमारे नेताओं ने और हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली ने कोई सबक सीखा है? इस सवाल का जवाब आपातकाल में जेल गए लोगों के अनुभव से पैदा हुई तल्खी से परे जाता है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि आपातकाल लगाने की नौबत जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चले 1974 के आंदोलन की बदौलत आई थी। इस आंदोलन के मर्म में लोकतांत्रिक राजनीतिक सुधारों का प्रश्न था। आज हम चाहें तो इस प्रश्न को इस रूप में समझ सकते हैं कि उस जमाने के आंदोलनकारी छात्र और युवा पूछ रहे थे कि हमारा प्रतिनिधि कैसा होना चाहिए? अगर वह अच्छे प्रतिनिधि की कसौटियों पर खरा नहीं उतरता तो क्या जनता को अपने प्रतिनिधि की वापसी का अधिकार नहीं देना चाहिए? क्या चुनाव में होने वाले राजनीतिक भ्रष्टचार को नियंत्रित करने वाली संहिताएं नहीं बननी चाहिए? क्या पार्टियों में आंतरिक लोकतंत्र नहीं होना चाहिए? क्या सत्ता पाने के लिए धनबल और बाहुबल का उन्मूलन करने के संस्थागत बंदोबस्त नहीं होने चाहिए? क्या धर्म और जाति के आधार पर वोटों की गोलबंदी पर रोक नहीं लगनी चाहिए? आपातकाल के बाद भी कांग्रेस 19 साल सत्ता में रही है। भाजपा भी 17 साल सत्ता भोग चुकी है। हर तरह की क्षेत्रीय पार्टी किसी न किसी रूप में प्रदेश या केंद्र में कभी न कभी सत्ता प्राप्त कर चुकी है। क्या इनमें से कोई पार्टी आज कह सकती है कि उसने जेपी आंदोलन द्वारा उठाए गए सवालों पर कभी गौर किया है, या उनके आधार पर अपने घोषणापत्र बनाए हैं? वास्तविकता में जो हुआ, वह उस आंदोलन के शब्दों और भावनाओं का ठीक उल्टा है। पिछले पचास साल में भारतीय लोकतंत्र की गुणवत्ता में लगातार गिरावट आई है। 1975 में पक्ष हो या विपक्ष, चुनाव आयोग एवं अन्य वैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर कोई संदेह नहीं करता था। पत्रकार का मुख्य काम सत्ता से सवाल पूछना था, न कि वह उसे क्लीन चिट देते हुए विपक्ष को कोने में धकेलता हुआ दिखता था। अर्थव्यवस्था के जो भी आंकड़े होते थे, उन पर कोई संदेह नहीं करता था। आपातकाल के महीनों को छोड़ दिया जाए तो संसद में कानून बनाने की प्रक्रिया अधिक लोकतांत्रिक और स्वस्थ विचार-विमर्श पर आधारित थी। विपक्ष-मुक्त भारत बनाने के दावे खुलेआम नहीं किए जाते थे। कॉर्पोरेट पूंजी सत्ता की संरचनाओं को नियंत्रित करते हुए नहीं देखी जाती थी। पार्टियां अपना सांगठनिक विस्तार दलबदल के जरिए नहीं करती थीं। एक राज्यसभा चुनाव में सौ करोड़ से भी ज्यादा खर्च किए जाएंगे, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। राजनीति से जुड़े प्रभावशाली लोग आपराधिक प्रकरणों में लिप्त दिखाई देंगे, सोचना भी कठिन था। क्या यह अजीब नहीं लगता कि लोकतंत्र के चौतरफा विकृतीकरण के इस भीषण दौर में आपातकाल के दौरान जेल गए लोग स्वयं को नागरिक और राजनीतिक अधिकारों के अग्रदूत के तौर पर पेश करते हैं? जो लोग तब जेल में थे (चाहे वे पत्रकार हों या नेता), उन्होंने लोकतंत्र को समृद्ध करने की दिशा में कदम उठाया है? आपातकाल का जो राजनीतिक इतिहास पेश किया जा रहा है, वह भी तथ्यात्मक दृष्टि से सही नहीं है। 1977 में इंदिरा गांधी अलोकप्रिय जरूर थीं, लेकिन केवल उत्तर भारत में। दक्षिण ने उस चुनाव में भी कांग्रेस को 150 से ज्यादा सीटें दी थीं। सत्ताच्युत हो जाने के बावजूद कांग्रस को 34.52फीसदी वोट प्राप्त हुए थे। यानी, 2014 में भाजपा की जीत से भी अधिक। आपातकाल के ढाई साल बाद कांग्रेस 353 सीटें जीतकर सत्ता में लौट आई। उसे 42.69फीसदी वोट मिले, जो भाजपा को आज तक नहीं मिले हैं। तो क्या वास्तव में देश की जनता ने 1977 में नागरिक आजादियों के छिन जाने से नाराज होकर वोट दिया था? क्या वह वोट इमरजेंसी-विरोधी था, या उसका चरित्र महज नसबंदी विरोधी था? कांग्रेस केवल उन्हीं इलाकों में हारी थी, जहां जबरिया नसबंदी कार्यक्रम चलाया गया था। इसी से जुड़ा व्यापक प्रश्न है कि क्या आमजन को अपनी राजनीतिक आजादियां उतनी ही और उसी तरह से प्यारी हैं, जिस तरह हम सिद्धांततः मानना पसंद करते हैं? सच यह है कि इमरजेंसी से किसी ने कोई सबक नहीं सीखा। न उन्होंने जिन्होंने लगाई थी, न उन्होंने जिन्होंने तथाकथित दूसरी आजादी के लिए संघर्ष किया था। अब भी मौका है कि इमरजेंसी के कड़वे अनुभव की रोशनी में हम अपनी लोकतांत्रिक संहिताओं को दोबारा लिखने पर गम्भीरतापूर्वक विचार शुरू कर दें। अब भी मौका है कि इमरजेंसी के कड़वे अनुभव की रोशनी में हम अपनी लोकतांत्रिक संहिताओं को दोबारा लिखने पर विचार शुरू कर दें। अगर हमने ऐसा न किया तो हमारा लोकतंत्र एक आत्माविहीन शरीर जैसा ही रहेगा।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अमेरिका में अब समाजवाद क्यों लोकप्रिय हो रहा है?

(शेखर गुप्ता) जोहरान ममदानी चर्चा के विषय बनने वाले हैं। दुनिया के सबसे उदार, शक्तिशाली और समृद्ध यहूदी-बहुल शहर की बागडोर

उनके हाथों में आने वाली है। वे गाजा के समर्थक हैं, अमेरिकी राष्ट्रपति के अपने इलाके में जबरदस्त ट्रम्प-विरोध को बुलंद करते हैं और डेमोक्रेटिक लेफ्ट की पैरोकारी करते हैं।ट्रम्प ने उन्हें 'सौ फीसदी कम्युनिस्ट पागल'

कहा है। ट्रम्प उनके उत्कर्ष के लिए डेमोक्रेटिक लेफ्ट की चार महिला नेताओं की 'चौकड़ी' को जिम्मेदार मानते हैं। वैसे ट्रम्प से अपमानित होने का न्यूयॉर्क में कोई बुरा नहीं मानता। लेकिन मैं ममदानी के कुछ प्रमुख चुनावी वादों की चर्चा करूंगा। वे बसों का किराया खत्म कर देंगे (दिल्ली, कर्नाटक, तेलंगाना और इसके बाद और सारे शहर गौर करें); सब्सिडी से बनाए गए 20 लाख आवासों का किराया 'फ्रीज' कर देंगे (हम अपने रेंट कंट्रोल एक्ट को याद करें); सार्वजनिक आवास विकास एजेंसी (भारत के हर शहर में डीडीए, म्हाडा, बीडीए आदि हैं) के जरिए तीन साल के अंदर दो लाख और आवास बनवाएंगे; छह सप्ताह के नवजात शिशुओं से लेकर पांच साल तक के बच्चों को व्यापक बाल सुरक्षा सेवा (आंगनवाड़ी?) उपलब्ध करवाएंगे; और सरकारी किराना स्टोर खोलेंगे, जिनमें कम कीमत पर सामान मिलेंगे। आपको अपनी राशन की दुकानों, केंद्रीय भंडारों और सहकारी सुपर मार्केट की याद है न? इन सारे कार्यक्रमों को भारतीयों की दो पीढ़ियां समाजवादी राज्य-व्यवस्था की भारी नाकामियों के रूप में याद करती हैं। जिस तरह मैं 10 साल की उम्र में अपनी मां के साथ हर चीज खरीदने के लिए राशन की दुकान के आगे लाइन में खड़ा हुआ करता था, उस तरह अगर आप भी खड़े हुए होंगे तब आप समझ जाएंगे कि मैं क्या कहना चाह रहा हूं। इन सरकारी दुकानों में कामगार तबकों के लिए चीनी (1967 में प्रति व्यक्ति प्रति सप्ताह 200 ग्राम के हिसाब से), गेहूं से लेकर मीटर के नाप से कपड़े तक हर चीज उपलब्ध होती थी। आपने अपने शहरों में कामगार तबकों के लिए बनाए गए सरकारी आवासों को भी जरूर देखा होगा, जिन्हें कंक्रीट का स्लम कहा जाता है। हर शहर में आपको वे मिल जाएंगे। हमारी मुफ्त बस सेवाएं राज्य सरकारों की आर्थिक तंगी के कारण नाकाम हो रही हैं। ऐसी सारी योजनाएं जो अपने देश में विफल हो गईं, उन्हें ममदानी उस शहर में दोहराना चाहते हैं जिसे लाखों भारतीयों ने मुख्यतः आर्थिक शरणार्थी के रूप में अपना नया घर बनाया है। ममदानी इतनी कम उम्र के हैं कि उन्होंने ये सारे विचार भारत से शायद ही लिए होंगे, और यह भी मुमकिन नहीं है कि उनके अभिभावकों ने इस सबका खुद बहुत अनुभव लिया होगा। लेकिन, जिस देश ने आधुनिक विश्व को पूंजीवादी सपना दिया और जो शहर तेज कामयाबी का प्रतीक माना जाता है, वहां समाजवाद के प्रति लगाव दिलचस्पी का विषय है। इससे भी दिलचस्प है न्यूयॉर्क के युवाओं में इसके प्रति आकर्षण। अमेरिका के प्रायः सभी बड़े शहरों में यही स्थिति है, वे सब डेमोक्रेटों के नियंत्रण में हैं। और ममदानी उस 'दस्ते' के भी बाएं खड़े हैं। जिस शहर को पूंजीवादी सफलता का ब्रांड-दूत होना चाहिए था, यह उसका विरोधाभास है। या ऐसा तो नहीं है कि इस तरह की सफलता अंततः समाजवाद के लिए जमीन तैयार करती है? कि आप इतने अमीर हो गए हैं कि समाजवाद की छूट दे सकते हैं? यूरोप ने जब खूब अमीरी हासिल कर ली तब धुर वामपंथ की ओर मुड़ गया था, और अब रास्ता बदल रहा है। समृद्ध समाजों में समाजवाद प्रवासियों को आकर्षित करता है और इसके साथ नस्ली, धार्मिक विविधताएं भी लाता है। सच कहें तो दूर देशों के जनजातीय आंतरिक संघर्षों को भी ले आता है। इसके खिलाफ प्रतिक्रिया होती है और दक्षिणपंथ लौट आता है। ऐसा स्कैंडिनेविया में भी हुआ, जिसे सर्वश्रेष्ठ समाजवाद का घर माना जाता है। भारत की समस्या यह है कि बुरे विचारों ने इसका पीछा कभी नहीं छोड़ा। केवल अच्छे लोग और सर्वश्रेष्ठ दिमाग इसे छोड़कर चले गए। सबसे शानदार, सबसे महत्वाकांक्षी, उद्यमी भारतीयों ने अमेरिका को अपना घर बना लिया।

वे हमारे फर्जी समाजवाद से नहीं, तो आखिर किससे भाग रहे थे? आज जो भी भारतीय 'डंकी रूट' की खातिर अपना जीवन जोखिम में डालता है, वह समाजवाद से भाग रहा होता है। जांच कीजिए कि सरकार वितरणवादी जनकल्याण पर कितना खर्च कर रही है और दक्षिणपंथी मानी गई भारतीय जनता पार्टी ने भारतीय समाजवादियों की रेवड़ी संस्कृति को आज किस हद तक अपना लिया है। जिस देश ने विश्व को पूंजीवादी सपना दिया, वहां समाजवाद के प्रति लगाव दिलचस्पी का विषय है। इससे भी दिलचस्प है न्यूयॉर्क के युवाओं में इसके प्रति आकर्षण। अमेरिका के प्रायः सभी बड़े शहरों में यही स्थिति है।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

पुकार! किसी के पास कान हो तो सुने!

हर तरफ बादल हैं। बारिश है। बाढ़ भी। पहाड़ों पर तबाही ज्यादा है। वे सरक रहे हैं। दरक रहे हैं। मैदानों में हमेशा की तरह कहीं भारी बारिश। कहीं बूंदा-बांदी। लेकिन बिहार जहां इन? दिनों अमूमन बाढ़ होती है, फिलहाल सूखा है। गर्मी है। चुनावी गर्मी। यहां चुनाव होने हैं अक्टूबर-नवम्बर में, लेकिन चुनावी गर्मी अभी से सिर चढ़कर बोल रही है। कभी विरोधी दलों के लोग, लालू यादव को चारा खाते दिखा रहे हैं। कहीं तेजस्वी और लालू, नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कस रहे हैं। सवाल पर सवाल। जवाब पर जवाब। बाकायदा एक-दूसरे के खिलाफ चौराहों पर पोस्टर चिपकाए जा रहे हैं। दरअसल, बिहार में चुनाव, मुद्दों और मसलों पर कम, जातीय गणित के हिसाब से ज्यादा जीते जाते हैं। बारिश के दिनों में वर्षों से आधे से ज्यादा बिहार पानी में डूबा रहता है। लोग सड़कों पर अपना डेरा बांधते हैं और चौमासा वहीं गुजारते हैं। कोई स्थायी इलाज नहीं। कोई पुख्ता उपाय नहीं। कोई रहने-खाने का इंतजाम नहीं। जातीयता हर बाढ़ और हर आफत पर भारी है। इस जातीय गणित ने पूरे राज्य का बंटाधार कर रखा है। जातीय गणित भी कुछ इस तरह है कि भाजपा को वहां हराना है तो नीतीश कुमार और लालू यादव के राजद को साथ आना होता है। जहां तक राजद की बात है, बिहार में यादवों की संख्या या प्रतिशत काफी है, इसलिए लालू को हराना है तो भाजपा और नीतीश कुमार को साथ आना पड़ता है। चिराग पासवान इन सबके बीच में कहीं आते हैं। हालांकि राज्य की राजनीति में उनकी पार्टी का कोई ज्यादा योगदान नहीं रहा क्योंकि वे केंद्र की राजनीति में ज्यादा भरोसा करते हैं। जितने सांसद लड़ाते हैं, अक्सर सब के सब जीत ही जाते हैं। यहां अक्टूबर-नवंबर में होने वाले चुनाव के नतीजों का अंदाजा लगाया जाए तो लोगों का कहना है कि अगर कोई अनहोनी या आसमानी सुल्तानी नहीं हुई, तो ये नतीजे भी हरियाणा या बहुत हद तक महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों से ज्यादा अलग नहीं होंगे। हरियाणा में भाजपा की एकतरफा जीत हुई थी जबकि महाराष्ट्र में मिली-जुली। महाराष्ट्र के नतीजे इस तरह आए थे कि भाजपा से उसके दोनों साथी यानी शिंदे सेना और अजित पवार किसी तरह की सौदेबाजी की सूरत में नहीं रहे थे। यही वजह है कि वहां फडणवीस सरकार मजे से चल रही है। दोनों सहयोगी दलों में से एक बगावत भी कर ले तो सरकार की सेहत पर कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। इधर उत्तर भारत में रह-रहकर बादल बरस रहे हैं। गलियां, सड़कें सुड़क-सुड़क कर रही हैं। वाहन चीखें मार रहे हैं। दिन उगता है तो लगता है जैसे सूरज शर्मीला चम्पा का फूल हो! उठने से पहले ही जैसे डूबने को होता है। सांझ से ही सन्नाटा छा जाता है। बारिश की मंद-मंद फुहारें, जैसे पाला पड़ रहा हो! बूढ़ा आकाश शाम से ही ऊंघने लगता है। उसकी आंखों में नींद साफ देखी जा सकती है। कीचड़ और पानी के मिलन के बीच सड़कों पर पैदल चलते आदमी की तो पूछिए मत!

वो सबको झेल रहा है। दोपहिया-चार पहिया वाहनों को भी और ऊपर से बरसते पानी को भी। सरकारें, प्रशासन और प्रशासनिक अफसर दुबके पड़े हैं। उन्हें किसी की पड़ी नहीं है। आम आदमी बेहाल है। अपनी पीड़ा किससे कहे? कहां जाए? सरकार में, प्रशासन में, मंत्री, संतरी, अफसर, बाबू, किसी के पास कान हों तो सुने!

युगों-युगों से आम आदमी के तो दो ही मजबूत आसरे रहे हैं। पैरों में रास्ता और सिर पर आसमां। बड़ी बर्दाश्त है इसके भीतर। कभी बड़ा बेखौफ होकर बोलता था। अब उसके मुंह में मूंग ओर दिए गए हैं। उससे बोलते नहीं बनता। सबकुछ भीतर दबाए फिरता है। इधर से उधर। उधर से इधर। इस इधर-उधर में अक्सर भूल ही जाता है कि उसका सिरा आखिर कौन-सा है! ये आम आदमी जो वर्षों से सपने देख रहा था, उन्हें खुद ही धुलते हुए, बहते हुए देखने को विवश है। विवश है कि बड़े-बड़े वादे करके वोट ले जाने वाले लोग अचानक गायब हो जाते हैं और वे वादे वहीं गलियों में, टूटी-फूटी सड़कों पर पड़े कुचलते रहते हैं।

सड़ते रहते हैं। फिर भी वह अपने ही सपनों को, अपने ही पैरों तले कुचलते हुए, दबते हुए देखता रहता है। उसे आजादी है तो सिर्फ इतनी कि इन मची हुई सड़कों, गलियों में सकुचाते हुए चलता भर रहे। बस! इससे ज्यादा कुछ नहीं। कुछ भी नहीं।बिहार में जातीय गणित भी कुछ इस तरह है कि भाजपा को हराना है तो नीतीश और लालू को साथ आना होता है। और लालू को हराना है तो भाजपा और नीतीश को साथ आना पड़ता है। चिराग पासवान इन सबके बीच में कहीं आते हैं।

चिंतन कर रहे हों तो उस समय गहरी सांस लेते रहें

हम लोग अपनी बुद्धि का भी सही उपयोग नहीं कर पाते हैं। अधिकांश मौकों पर हमारी बुद्धि का संचालन मन करता है। जबकि संचालन होना चाहिए मस्तिष्क, हृदय द्वारा। मन के

कुटिल विचार बुद्धि को भी गलत रास्ते पर ले जाते हैं। सुबह घर से निकलने से पहले अपने ही नजरिए पर काम करिए। किसी विषय पर आप सोचते हैं कि ऐसा करें तो एक-दो बार यह भी सोचिए कि ऐसा क्यों ना करें। अलग-अलग नजरिए से देखने पर बुद्धि संतुष्ट होती है। उसे लगता है कि मेरा मालिक मुझे मांज रहा है, विकल्प दे रहा है, बुद्धिमान होने की तैयारी कर रहा है। और जब आप बुद्धि के साथ मन को हटाकर हृदय या मस्तिष्क के प्रभाव में काम करते हैं तो यह बिल्कुल ऐसा होता है जैसे गहराई में उतरना। बुद्धि को जब गहराई में ले जाएं किसी विषय की तो बेचैनी होगी, थकान होगी। लेकिन आंख बंद करके सांस को बुद्धि से जोड़िए। बुद्धि को यदि सांस का समर्थन मिला तो शायद मन का दुष्प्रभाव उस पर नहीं पड़ेगा। इसलिए जब चिंतन कर रहे हों तो गहरी सांस लेते रहें, आप उस समय बुद्धि का सदुपयोग कर जाएंगे।

क्या है राहुल की यात्रा के रूट,तेजस्वी ने सिकंदरा-जमुई जोड़ा,जानिए क्यों नहीं चल रहे पैदल

सीपीआई (एमएल) के दीपांकर भट्टाचार्या ने आरा सीट जोड़ने का सुझाव दिया। वीआईपी के मुकेश सहनी ने कहा कि जो भी रूट बनेगा, हम साथ रहेंगे। कोई दबाव नहीं था, सब सुझावों पर सहमति से काम हुआ।'

आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी भी मानते हैं कि जहां महागठबंधन मजबूत है, राहुल और तेजस्वी वहां पहुंचना चाहते थे। साथ ही गरीबों, पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों की आबादी जहां ज्यादा है, वहां महागठबंधन पहुंचना चाहता था। यात्रा का रूट बनाने में इसका ध्यान रखा गया। सासाराम से पटना तक 1300 किलोमीटर का रूट इसलिए चुना गया ताकि ज्यादा से ज्यादा जिले कवर हो सकें।' न्यूज हाट के मैनेजिंग एडिटर कन्हैया भेलारी वोटर अधिकार यात्रा को बिहार में कांग्रेस को फिर से जिंदा करने की कोशिश मानते हैं। वे कहते हैं कि इसका रूट कांग्रेस के मजबूत इलाकों को ध्यान में रखकर बनाया गया है।कन्हैया आगे बताते हैं, 'रूट की ज्यादातर सीटों पर कांग्रेस का स्ट्रॉन्ग होल्ड रहा है। सासाराम तो जानते ही हैं। उसके बाद औरंगाबाद और गया भी इनका ही एरिया था। ये उस स्ट्रॉन्ग होल्ड को बरकरार रखना चाहते हैं। वे कसर नहीं छोड़ना चाहते। इसीलिए उन्होंने वही जिले तय किए हैं।' वे आगे कहते हैं, 'बिहार में कांग्रेस बहुत कमजोर हो गई है। पार्टी के नेता इस स्थिति से बाहर आना चाहते हैं। ऐसा भी नहीं है कि 100फीसदी रूट कांग्रेस के लिहाज से बना है। यात्रा में सबका ध्यान रखा जा रहा है। आरजेडी को कैसे इग्नोर किया जा सकता है।'इस सवाल के जवाब में कन्हैया कहते हैं, 'इससे आरजेडी को फायदा है। मुसलमानों के बीच कंफ्यूजन रहता है। वे अपना मैसेज दे रहे हैं कि हम लोग एक हैं। यात्रा के लिए कांग्रेस ने ही इनिशिएट किया, लेकिन हम भी साथ हैं।'सिकंदरा और जमुई के लिए आरजेडी के सुझाव पर कन्हैया मानते हैं कि इसमें मुस्लिम फैक्टर भी हो सकता है। वे कहते हैं, 'जमुई और सिकंदरा सीट से आरजेडी ही लड़ेगी। जमुई आरजेडी इसलिए चाहती है क्योंकि समता पार्टी के कद्दावर नेता रहे दिग्विजय सिंह और नरेंद्र सिंह का गढ़ था। जमुई को तो नरेंद्र सिंह ने ही जिला बनवाया था। इसीलिए हो सकता है कि आरजेडी इसे अपनी फायरिंग रेंज में रख रही होगी। साथ ही दोनों सीटों पर मुस्लिम बहुल वाला भी फैक्टर है।' यात्रा सासाराम से ही क्यों शुरू की गई? सासाराम से यात्रा शुरू करने पर कांग्रेस के मीडिया प्रभारी पवन खेड़ा बताते हैं, 'कांग्रेस का सासाराम से पुराना और गहरा रिश्ता है। इसीलिए सासाराम से यात्रा की शुरुआत की गई।' वहीं कृष्णा अल्लावारू कहते हैं, 'सासाराम बिहार में अहम और ऐतिहासिक जगह है। हम चाहते थे कि यात्रा की शुरुआत ऐसी जगह से हो जो इतिहास में महत्व रखती हो। सासाराम बाबू जगजीवन राम की कर्मभूमि रही है। इन वजहों से हमने सासाराम को चुना।' प्लानिंग में कौन से चेहरे शामिल थे? सोर्स बताते हैं, 'यात्रा के कोऑर्डिनेशन का जिम्मा मनोज त्यागी और सुशांत मिश्रा को दिया गया। इसके अलावा अलका लांबा, राहुल के पीए अलंकार सवाई, मीडिया इंचार्ज पवन खेड़ा और जयराम रमेश भी इसमें शामिल रहे। बिहार कांग्रेस से प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के पास राज्य के नेताओं के साथ कोऑर्डिनेशन की जिम्मेदारी थी। बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावारू भी प्लानिंग में शामिल थे।गठबंधन के दलों के नेता सीधे प्लानिंग का हिस्सा बने। इनमें आरजेडी से संजय यादव, वीआईपी से मुकेश सहनी, सीपीआई (एमएल) से दीपांकर भट्टाचार्या शामिल रहे। ये सवाल हमने कृष्णा अल्लावारू से पूछा। उन्होंने जवाब दिया, 'यात्रा का फैसला गठबंधन के नेताओं के साथ मिलकर लिया गया। स्टेट और जिला स्तर पर कोऑर्डिनेशन कमेटी बनाई गईं। यही आपस में बात करके फैसला लेती हैं। अगर कहीं तालमेल में कमी रहती है, तो उसे सुधारकर आगे बढ़ते हैं।' हर जिले के लिए अलग कोऑर्डिनेटर रूट और दिन फाइनल होने के बाद महागठबंधन ने हर जिले में प्रभारी बनाए। उनके पास अपने-अपने जिलों में हर तरह के कोऑर्डिनेशन की जिम्मेदारी थी। 25 जिलों के लिए 28 लोगों को जिम्मेदारी सौंपी गई। इनमें कांग्रेस के अलावा बाकी पार्टियों के नेता और विधायक भी शामिल हैं। ये कोऑर्डिनेटर जिला इकाइयों के संपर्क में रहते हैं। जिला इकाइयों को जिम्मेदारी दी गई है कि वे सड़क पर झंडा-बैनर लगाएं और इसमें महागठबंधन के दलों का ध्यान रखें। महागठबंधन के अंदर कोई मतभेद बैनर-पोस्टर पर दिखाने से बचे। राहुल और तेजस्वी को आम लोगों से मिलवाने की जिम्मेदारी इन्हीं कोऑर्डिनेटर के पास है। एसआईआर से प्रभावित लोगों को यही राहुल और तेजस्वी तक ला रहे हैं। राहुल और महागठबंधन के नेता हर दिन एक जनसभा कर रहे हैं। इसमें भीड़ जुटाने की जिम्मेदारी भी कोऑर्डिनेटर्स की है। यात्रा में ज्यादा दिन न लगें इसलिए गाड़ी से निकले राहुल-तेजस्वी भारत जोड़ो यात्रा और न्याय यात्रा में राहुल गांधी पैदल चले थे। इस बार वे गाड़ी से ही चल रहे हैं। इसकी वजह वक्त की कमी है। कांग्रेस में एक नेता नाम न देने की शर्त पर बताते हैं, 'चुनाव करीब हैं, इसीलिए महागठबंधन के नेता यात्रा को ज्यादा दिनों तक नहीं खींचना चाहते थे।' 'राहुल और तेजस्वी भी तैयार थे कि 16 दिन में ज्यादा से ज्यादा विधानसभाओं तक पहुंचना जरूरी है। इसीलिए गाड़ी से यात्रा करना ठीक है। हालांकि तय हुआ कि बीच-बीच में लोगों से मिलने राहुल-तेजस्वी उनके गांव जरूर जाएंगे।' राहुल के करीब जाने की इजाजत नहीं, कड़े सुरक्षा इंतजाम राहुल की सुरक्षा के लिहाज सभी को उनके पास जाने या मिलने की इजाजत नहीं है। इसके लिए उनकी सुरक्षा में लगी एनएसजी को पहले जानकारी देनी होती है। पूरी जांच के बाद ही कोई राहुल से मिल सकता है। राहुल जहां जा रहे हैं, वहां पहले से एनएसजी और बिहार पुलिस सुरक्षा के इंतजाम कर रही है।रुकना, खाना और बाकी खर्च पार्टी फंड से राहुल के साथ इस बार भारत जोड़ो यात्रा की तरह बहुत बड़ी टीम नहीं चल रही है। करीब 30 से 35 लोग साथ रहते हैं। दोपहर में रुकने और खाने के लिए पहले से तय जगहों पर टेंट लगाकर इंतजाम किए गए हैं। यहां सिर्फ सिक्योरिटी पास के साथ ही लोगों को एंट्री मिलती है। राहुल और तेजस्वी के चैंबर तक किसी को एंट्री नहीं है। रात रुकने के लिए भी पहले से जगह तय की गई हैं। यहां राहुल के साथ टीम के करीबी लोग ही रुकते हैं। महिला कार्यकर्ताओं के लिए अलग से होटल बुक किए गए हैं। यात्रा का पूरा खर्च पार्टी फंड से उठाया जा रहा है। वोटर अधिकार यात्रा के बाद क्या प्लानिंग 1 सितंबर को वोटर अधिकार यात्रा खत्म हो जाएगी। इसके बाद की प्लानिंग पर पवन खेड़ा बताते हैं कि कांग्रेस लगातार लोगों से मुखातिब होती रहेगी। लोगों को बताते रहेंगे कि अगला कदम क्या होगा। राहुल जी लगातार आएंगे। चुनावी मोड में रैलियां शुरू होंगी। चुनाव के दौरान भी आएंगे और जीतने के बाद तो आएंगे ही। बातचीत होती रहेगी। हम बिहार के लिए काम करते रहेंगे। वहीं अल्लावारू कहते हैं कि गठबंधन की कोऑर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष तेजस्वी यादव हैं। उनके साथ मिलकर फैसले लिए जाएंगे। बिहार में एक्टिविटी लगातार जारी रहेगी। दीपांकर बोले-बहुमत चाहिए तो सहयोगी पार्टियां ज्यादा सीटों पर लड़ें यात्रा में शामिल महागठबंधन के दलों के बीच सीट शेयरिंग का कोई फॉर्मूला बना या नहीं। इस पर दीपांकर भट्टाचार्या कहते हैं कि लोग महसूस कर रहे हैं कि इस बार इंडिया ब्लॉक को बहुमत चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि सीपीआई -(एमएल) और बाकी पार्टियां ज्यादा सीटों पर और ज्यादा जिलों में चुनाव लड़ें। मुझे यकीन है कि हम सब मिलकर सही फैसला लेंगे। 2020 के विधानसभा चुनाव में महागठबंधन 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन ने कुल 243 सीटों में से 110 सीटें जीती थीं। कांग्रेस ने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा और 19 सीटें जीतीं, जो महागठबंधन के भीतर सबसे कम स्ट्राइक रेट (27.14प्रतिशत) था।लोकसभा चुनाव की बात करें तो 2019 में महागठबंधन ने सिर्फ एक सीट जीती थी। ये एक सीट भी कांग्रेस को मिली थी। 2024 में गठबंधन की सीटें बढ़कर 9 हो गईं। आरजेडी ने 23 सीटों पर चुनाव लड़ा और 4 सीटें जीतीं। कांग्रेस ने 33.3प्रतिशत के स्ट्राइक रेट से 9 में से 3 सीटें जीतीं। हालांकि एनडीए ने 30 सीटें जीतकर बिहार में अपना दबदबा बनाए रखा।

राजस्थान के सवाईमाधोपुर में बाढ़, 250 घर डूबे,गुजरात में टैंकर बहा, इस पर सवार 13 लोगों का रेस्क्यू; जम्मू में स्कूल बिल्डिंग पर लैंडस्लाइड

नयी दिल्ली। राजस्थान में मानसून फिर से एक्टिव हो गया है। शुक्रवार को 4 जिलों (उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़) में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। सवाई माधोपुर में बाढ़ जैसे हालात हैं। पल्ली पार इलाके में करीब 250 घर पानी में डूब गए। उधर गुजरात के पोरबंदर जिले में बारिश के बाद माधवपुर घेड इलाके में जलभराव हो गया। दूध का टैंकर बह गया। उसमें फंसे 13 लोगों को एनडीआरएफ की टीम ने बचाया। वहीं जम्मू-कश्मीर में पुंछ के मंडी सेक्टर में लैंडस्लाइड के चलते एक स्कूल का हिस्सा टूट गया। मौसम विभाग ने हिमाचल में 23 से 26 अगस्त तक भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। लैंडस्लाइड की वजह से नेशनल हाईवे समेत कुल 347 सड़कें अभी भी बंद हैं। इसके अलावा 281 ट्रांसफॉर्मर और 145 जलापूर्ति योजनाएं भी बाधित हुई हैं।राज्य में अब-तक 2282 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इसके अलावा 149 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 38 लापता हैं। राज्य में सामान्य से 17फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है।राजधानी दिल्ली में यमुना खतरे के निशान के करीब है। नदी के किनारे बसे कई निचले इलाकों में पानी पहुंच चुका है। बाढ़ प्रभावित इलाकों के निवासियों के लिए मयूर विहार में राहत शिविर बनाया गया है।उत्तरकाशी के स्यानाचट्टी में बनी आर्टिफिशियल झील का पानी जल्द से जल्द कम करने के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, स्वास्थ्य,पुलिस और लोक निर्माण

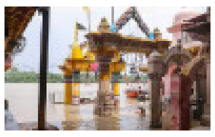

विभाग की टीमों समेत तमाम एजेंसियां ??मौके पर मौजूद हैं। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि घबराने की जरूरत नहीं है। लोगों की सुरक्षा के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। झील का पानी कम करने के लिए सभी संबंधित एजेंसियां ??भी मौके पर मौजूद हैं। हालात ठीक होते ही झील का पूरा पानी निकालने की कोशिश की जाएगी।उत्तरकाशी के स्यानीचट्टी में यमुना नदी पर एक आर्टिफिशियल लेक बनने से नदी का पानी रिहायशी इलाके में पहुंच गया है। जिला प्रशासन झील पर ड्रोन के जरिए नजर रख रहा है।गढ़वाल मंडल के आयुक्त विनय शंकर पांडे ने बताया कि कल शाम 4.30 बजे सूचना मिली कि स्यानाचट्टी के पास यमुना नदी घाटी में मलबे के कारण एक आर्टिफियल लेक झील बन गई है। अभी तक किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। पानी निकालने के प्रयास जारी हैं। कल से जलस्तर में एक मीटर की कमी आई है।सवाई माधोपुर, टोंक, कोटा और भीलवाड़ा में तेज बारिश जारी है। सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन पर पानी भरने से पटरी डूब गई। वहीं सवाई माधोपुर के कुशालीदर्रा स्थित नेशनल हाईवे-552 पर तेज बहाव में कार बह गई। कार में सवार तीन लोग भी बह गए। इनमें से एक व्यक्ति का शव निकाल लिया है।मध्य प्रदेश के 18 जिलों में आज बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, श्योपुर, नीमच और मंदसौर में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। अगले 24 घंटे में यहां साढ़े 8 इंच तक पानी गिर सकता है। गुरुवार को हुई बारिश के बाद नर्मदापुरम में तवा डैम के 13 में से 7 गेट खोल दिए गए। हरियाणा में 9 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, गुरुग्राम, फरीदाबाद, नूंह और पलवल शामिल है।

क्या आपके फोन की कॉलिंग स्क्रीन भी बदल गई है? ये हैं कारण,पसंद ना आए तो ऐसे चलाएं पुरानी

नयी दिल्ली। गूगल का फोन ऐप पूरी तरह से बदल गया है। अब

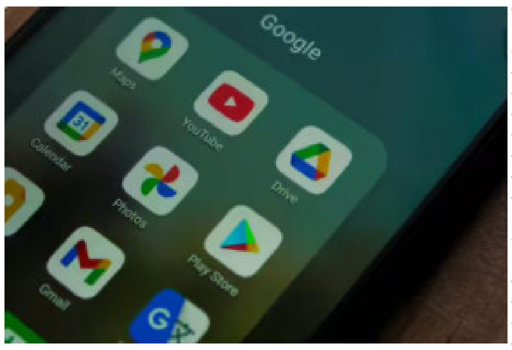

एंड्रॉयड स्मार्टफोन यूजर्स को फोन रिसीव करने का तरीका भी बदल गया है। फोन ऐप में कई बड़े बदलाव हुआ हैं, जो लोगों को चौंका रहे हैं। एंड्रॉयड स्मार्टफोन का यूज करने वालों को अचानक से अपने फोन में बड़ा बदलाव दिख रहा है। डिवाइस के फोन ऐप का यूजर इंटफेस यानी यूआई बदल गया है। लोग सोशल मीडिया पर पोस्ट करके इस बारे में पूछ रहे हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि अचानक से यह बदलाव क्यों हो गया है। अगर आपका फोन भी बदल गया है तो परेशान न हों। यह कोई कमी नहीं बल्कि गूगल द्वारा जारी किया गया Material 3 Expressive रीडिजाइन है। जी हां, बता दें कि गूगल ने अपने फोन ऐप में Material 3 Expressive रीडिजाइन रोल आउट कर रहा है और यह लोगों को मिलना शुरू हो गया है। यह डिजाइन यूजर फ्रेंडली, सिंपल और मॉडर्न बनाया गया है। हालांकि, कुछ यूजर्स को यह बिल्कुल पसंद नहीं आ रहा है। वे सोशल मीडिया

पर इसके लिए पोस्ट भी कर रहे हैं और ऐप को पहले जैसा करना चाहते हैं। Material 3 Expressive रीडिजाइन के बाद फोन ऐप का यूआई पूरी तरह से बदल गया है। इसमें Favorites और Recents को मिलाकर एक होम टैब दिया गया है। यह लेफ्ट साइड से पहला टैब है। बता दें कि होम टैब में यूजर्स को कॉल हिस्ट्री दिखाई देगी और ऊपर की तरफ एक बार मिल रहा है। इसमें favorite Contacts की लिस्ट दिखेगी। कीपैड का टैब पहले (फ्लोटिंग एक्शन बटन) की तरह दिखता है। बता दें कि Voicemail सेक्शन में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। इसकी लिस्ट स्टाइल को नया लुक दिया गया है। गूगल ने कॉन्टैक्ट्स को एक नए नेविगेशन ड्रॉअर में ट्रांसफर कर दिया है। कॉन्टैक्ट्स का ऑप्शन आपको सामने स्क्रीन पर नहीं दिखाई देगा। इसको एक्सेस करने के लिए आपको होम टैब में सबसे ऊपर आ रहे थ्री डॉट आइकन पर टैप करना होगा। उसके बाद आपको कई

ऑप्शन जैसे सेटिंग, कॉन्टैक्ट्स, क्लियर कॉल हिस्ट्री और हेल्प मिलेंगे।सिर्फ फोन ऐप में ही नहीं बल्कि गूगल ने इनकमिंग कॉल स्क्रीन को भी बदल दिया है। अब कॉल रिसीव करने का तरीका अलग है। इनकमिंग कॉल स्क्रीन पर अब हॉरिजॉन्टल स्वाइप या सिंगल टैप के जरिए कॉल को रिसीव या रिजेक्ट किया जा सकता है। इसे सेटिंग्स में नए 'इनकमिंग कॉल जेस्चर' मेनू से सेट कर सकते हैं।इसका उद्देश्य फोन को जेब से निकालते समय कॉल को गलती से पिक करने से बचने के लिए किया है।अगर आप अपने पुराने फोन ऐप या डायलर का ही यूज करना चाहते हैं तो अपडेट को बंद कर सकते हैं। इसके लिए आपको गूगल प्ले स्टोर पर जाकर फोन बाई गूगल ऐप के लिए सर्च करना होगा। फिर ऐप सिलेक्ट करें और अनइंस्टॉल पर क्लिक कर दें। अब फिर से अनइंस्टॉल पर क्लिक करें। इससे आपके फोन से ऐप अनइंस्टॉल नहीं होगा, लेकिन अपडेट इंस्टॉल इस ऐप के लिए बंद हो जाएंगे। इससे ऐप अपडेट नहीं होगा और आपके फोन में नया डायलर नहीं आएगा।फिर अपने फोन को रिस्टार्ट कर लें। ऐप अपने आप फिर से अपडेट न हो। इसके लिए आपको गूगल प्ले स्टोर पर जाकर ऐप के लिए सर्च करना है और फिर थ्री डॉट आइकन पर क्लिक करके Enable auto update पर टैप करके इसे बंद करना होगा। इसके बाद ऐप अपने आप अपडेट नहीं होगा। पहले जैसा करने का एक और तरीका-इसके लिए आपको फोन की सेटिंग में जाना होगा। इसके बाद ऐप्स में जाकर फोन ऐप के लिए सर्च करें। अब Force Stop पर क्लिक करें। फिर स्टोरेज में जाकर Clear cache पर क्लिक कर दें। अब थ्री डॉट पर जाकर अनइंस्टॉल अपडेट पर क्लिक कर दें। इससे ऐप पहले जैसा हो जाएगा।

आपके अधिकार- फूड सेफ्टी आपका कानूनी हक है,नकली और मिलावटी फूड पर कैसे लें एक्शन, क्या कहता है कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट

नयी दिल्ली। हम जो खाना खाते हैं, वह सिर्फ स्वाद नहीं बल्कि हमारी सेहत पर भी असर

डालता है। भारत में खाने-पीने की चीजों की निगरानी का जिम्मा फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) संभालती है। इसका काम यह सुनिश्चित करना है कि हमें मिलने वाला खाना साफ, सुरक्षित और नियमों के मुताबिक हो। फिर भी कई बार बाजार या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से खराब, नकली या एक्सपायरी फूड मिल जाता है, जो सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि हम खाने को लेकर सजग रहें और अपने अधिकार भी जानें, ताकि कोई गलती दिखे तो सही जगह शिकायत

Food Safety and Standards Authority of India

कर सकें। जानेंगे सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्ट- रवि रंजन मिश्रा, अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट से। सवाल- फूड सेफ्टी क्या है? जवाब- फूड सेफ्टी यानी ऐसा खाना जो हमारी सेहत को नुकसान न पहुंचाए। इसमें साफ-सफाई का ध्यान रखा जाए, खाना खराब या मिलावटी न हो और सही तरीके से रखा गया हो। अगर पैकिंग वाला सामान है तो उस पर मैन्युफैक्चरिंग डेट और एक्सपायरी डेट साफ लिखी हो। सवाल- भारतीय कानून के मुताबिक खाने-पीने की चीजों को लेकर कौन-कौन से अधिकार मिलते हैं? जवाब- अधिवक्ता रवि रंजन मिश्रा बताते हैं कि भारत में हर व्यक्ति को सुरक्षित और शुद्ध खाने का अधिकार है। इसके लिए फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 बनाया गया है। इस एक्ट का मकसद है कि खाने-पीने की चीजें सुरक्षित और सेहतमंद हों, उनके निर्माण और बिक्री पर नियम हों और लोगों को साफ-सुथरा खाना मिले। एफएसएसएआई एक्ट साफ बताता है कि कोई भी कंपनी

ऐसा खाना नहीं बेच सकती जो सेहत को नुकसान पहुंचाए। कंपनियों की जिम्मेदारी है कि वे खाने में मिलावट न करें और पैकिंग पर सही जानकारी लिखें। अगर किसी खाने-पीने की चीज में मिलावट पाई जाती है या उस पर झूठी जानकारी लिखी होती है तो ग्राहक कानूनन कार्रवाई करा सकता है। इसकी शिकायत एफएसएसएआई या कंज्यूमर फोरम में की जा सकती है। सवाल- अगर मुझे खराब या मिलावटी खाना मिले तो क्या कर सकता हूं? जवाब- अगर किसी होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा या दुकान से खराब, सड़ा-गला या मिलावटी खाना मिलता

है तो आप केवल नाराज होने तक सीमित न रहें। आप इसकी आधिकारिक शिकायत कर सकते हैं। इसके लिए सरकार ने एफएसएसएआई (फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया) और नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन जैसी संस्थाएं बनाई हैं, जहां आप ऑनलाइन, फोन या एप के जरिए शिकायत दर्ज कर सकते हैं। शिकायत के बाद दोषी पाए जाने पर दुकानदार या मैन्युफैक्चरर पर जुर्माना या लाइसेंस रद्द करने जैसी सख्त कार्रवाई भी हो सकती है। इसलिए उपभोक्ता होने के नाते सजग और जागरूक रहना बेहद जरूरी है।सवाल- दुकान या रेस्टोरेंट के पास एफएसएसएआई लाइसेंस है या नहीं, यह कैसे पता करें? जवाब- हर दुकान, रेस्टोरेंट या पैक्ड फूड पर 14 अंकों का एफएसएसएआई नंबर लिखा होता है। ये लाइसेंस नंबर होता है, जो बताता है कि दुकान या रेस्टोरेंट फूड सेफ्टी के नियमों का पालन कर रहा है या नहीं। आप इस नंबर को एफएसएसएआई की वेबसाइट या उनके मोबाइल एप 'फूड सेफ्टी कनेक्ट' में डालकर चेक कर सकते हैं। अगर कोई दुकान या रेस्टोरेंट यह नंबर नहीं दिखाता तो वहां से खाना लेना सुरक्षित नहीं है। सवाल- 100फीसदी शुद्ध का दावा करने वाल प्रोडक्ट्स पर भरोसा किया जा सकता है? जवाब- एफएसएसएआई नियमों के मुताबिक कोई भी फूड ब्रांड ऐसा दावा नहीं कर सकता, जिससे उपभोक्ता को गुमराह किया जाए। '100फीसदी शुद्ध' या '100फीसदी सेफ' जैसे दावे पूरी तरह सही नहीं माने जाते हैं क्योंकि किसी भी खाने की चीज में छोटी मात्रा में भी मिलावट या खतरनाक बैक्टीरिया की संभावना होती है। ऐसे दावे केवल तभी किए जा सकते हैं, जब कंपनी के पास ठोस वैज्ञानिक प्रमाण और लैब टेस्ट हों। अगर कोई ब्रांड बिना सबूत के ऐसे दावे करता है तो उस पर कार्रवाई हो सकती है। सवाल- क्या ग्राहक एक्सपायरी डेट न होने पर शिकायत कर सकता है? जवाब- हां, अगर किसी खाने के पैकेट पर एक्सपायरी डेट नहीं लिखी है या जानबूझकर उसे छुपाया गया है तो ग्राहक इसकी शिकायत कर सकता है। यह लेबलिंग नॉर्म्स का उल्लंघन है। आप एफएसएसएआई या कंज्यूमर हेल्पलाइन पर इसकी रिपोर्ट कर सकते हैं। सवाल- अगर रेस्टोरेंट में साफ-सफाई न हो तो किससे शिकायत करें? जवाब- रेस्टोरेंट में गंदगी, किचन की खराब हालत या हाइजीन की कमी होने पर एफएसएसएआई के पोर्टल या एप पर शिकायत कर सकते हैं। साथ ही स्थानीय या राज्य के फूड सेफ्टी ऑफिसर से भी संपर्क कर सकते हैं। शिकायत के लिए फोटो या वीडियो जरूर बनाएं। सवाल- क्या ऑनलाइन फूड डिलीवरी एप्स भी एफएसएसएआई के दायरे में आते हैं? जवाब- हां, ऑनलाइन फूड डिलीवरी एप्स भी पूरी तरह से एफएसएसएआई के नियमों के तहत आते हैं। इन एप्स से जुड़ी हर रसोई और रेस्टोरेंट के पास एफएसएसएआई लाइसेंस होना जरूरी है। यही वजह है कि एप्स पर दिए गए रेस्टोरेंट के नाम के साथ उनका एफएसएसएआई नंबर भी दिखाया जाता है। इसका मतलब है कि आपका खाना सिर्फ डिलीवरी ही नहीं, बल्कि कानून के हिसाब से सेफ्टी चेक से होकर आता है। सवाल- अगर खाने से किसी को फूड पॉइजनिंग हो जाए तो क्या कार्रवाई हो सकती है? जवाब- अगर किसी को खाना खाकर फूड पॉइजनिंग हो जाती है तो वह अपनी मेडिकल रिपोर्ट के साथ तुरंत एफएसएसएआई या जिले के फूड सेफ्टी विभाग में शिकायत कर सकता है। जांच में गलत पाए जाने पर दुकानदार या रेस्टोरेंट पर जुर्माना लगाया जा सकता है, उनका लाइसेंस सस्पेंड हो सकता है। गंभीर मामलों में आपराधिक केस भी दर्ज किया जा सकता है। सवाल- क्या सिर्फ ग्राहक ही शिकायत कर सकता है या कोई भी कर सकता है? जवाब- शिकायत करने के लिए ग्राहक होना जरूरी नहीं है।

कोई भी व्यक्ति, जैसे राह चलते इंसान, पड़ोसी या वहां काम करने वाला कर्मचारी, खराब खाना या गंदगी की शिकायत कर सकता है। शिकायत करने वाले का नाम और पहचान गुप्त रखी जाती है। सवाल- उपभोक्ता अपनी शिकायत कितने स्तरों पर और किस राशि सीमा तक दर्ज करा सकता है? जवाब- उपभोक्ता शिकायत अलग-अलग स्तरों पर दर्ज की जा सकती है, जिसकी सीमा राशि इस प्रकार है। जिला उपभोक्ता फोरमः 0 रुपए से 50 लाख रुपए तक की शिकायतें दर्ज की जा सकती हैं। राज्य उपभोक्ता आयोगः 50 लाख रुपए से 2 करोड़ रुपए तक की शिकायतें यहां दर्ज होती हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोगः 2 करोड़ रुपए से अधिक की शिकायतें दर्ज की जा सकती हैं। अगर किसी मामले में राष्ट्रीय आयोग में भी सही न्याय नहीं मिलता है तो इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में शिकायत की जा सकती है।

यूपी के बैंकों में 7200 करोड़ रुपये लावारिस! रकम आरबीआई के पास ट्रांसफर, कहीं आप तो दावेदार नहीं ?

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बैंकों में पिछले कई वर्षों से निष्क्रिय पड़े खातों

में जमा 7200 करोड़ रुपये से अधिक की राशि लावारिस पड़ी है। इन खातों में पिछले 10 सालों से कोई लेन-देन नहीं हुआ है, जिसके कारण बैंकों ने इस राशि को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के डिपॉजिटर एजुकेशन एंड अवेयरनेस फंड में ट्रांसफर कर दिया है। अब इस धनराशि को वैध दावेदारों तक पहुंचाने के लिए बैंकों ने व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया है।जानकारी के अनुसार, इन निष्क्रिय खातों में बड़ी संख्या में ऐसे खाते शामिल हैं जिनके खाताधारकों की मृत्यु हो चुकी है। कई मामलों में खातों के साथ नामिनी (वारिस) का विवरण भी दर्ज नहीं है। इसके अलावा, परिजनों को बैंकिंग नियमों की जानकारी न होने के कारण यह राशि दावेदारों तक नहीं पहुंच पाई है। उत्तर प्रदेश में करीब 2.81 करोड़ उपभोक्ताओं के खातों में यह रकम लावारिस पड़ी थी, जो अब आरबीआई के पास सुरक्षित है।बैंकों ने इस समस्या के समाधान के लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता शिविर शुरू किए हैं, जो 30 सितंबर तक चलेंगे।

इन शिविरों के माध्यम से लोगों को निष्क्रिय खातों को सक्रिय करने, केवाईसी प्रक्रिया पूरी करने, और दावा प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है।

यदि कोई व्यक्ति निष्क्रिय खाते पर दावा करता है, तो उसे बैंक में आवेदन और आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। इसके बाद बैंक केवाईसी अपडेट करेगा और खाते को सक्रिय करने के लिए आरबीआई को पत्र भेजेगा। प्रक्रिया पूरी होने पर कानूनी वारिस को राशि वापस मिल जाएगी।अवेयरनेस फंड में ट्रांसफर कर दिया है। अब इस धनराशि को वैध दावेदारों तक पहुंचाने के लिए बैंकों ने व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया है।जानकारी के अनुसार, इन निष्क्रिय खातों में बड़ी संख्या में ऐसे खाते शामिल हैं जिनके खाताधारकों की मृत्यु हो चुकी है। कई मामलों में खातों के साथ नामिनी (वारिस) का विवरण भी दर्ज नहीं है। इसके अलावा, परिजनों को बैंकिंग नियमों की जानकारी न होने के कारण यह राशि दावेदारों तक नहीं पहुंच पाई है। उत्तर प्रदेश में करीब 2.81 करोड़ उपभोक्ताओं के खातों में यह रकम लावारिस पड़ी थी, जो अब आरबीआई के पास सुरक्षित है।बैंकों ने इस समस्या के समाधान के लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता शिविर शुरू किए हैं, जो 30 सितंबर तक चलेंगे।

ग्राम प्रधानों ने विभिन्न मुद्दों पर सदर विधायक को दिया पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सदर ब्लॉक के प्रधान संघ अध्यक्ष सुरेश शुक्ला के नेतृत्व में

ग्राम प्रधानों ने सदर विधायक भूपेश चौबे को सौंपा ज्ञापन मुख्यमंत्री आवास को लेकर विधायक गंभीर कहा बहुत हो गया अधिकारी सुधारें कार्यप्रणाली जिलाधिकारी सोनभद्र से वार्ता कर लिखा पत्र वहीं सोनभद्र सदर विकास खंड के प्रधान संघ अध्यक्ष सुरेश शुक्ला के नेतृत्व में ग्राम प्रधानों का एक प्रतिनिधि मंडल शुक्रवार को सदर विधायक से मिलकर मुख्यमंत्री आवास की सूची नियमानुसार ना बनाए जाने की लिखित शिकायत की ग्राम प्रधानों का कहना था कि बाढ़ या अन्य आपदा में क्षतिग्रस्त हुए मकान की सूची तहसील स्तर से जो बनाकर भेजी जाती है उसका अनुपालन परियोजना निदेशक स्तर से नहीं हो रहा इसके अलावा अन्य कई योजनाओं का लाभ भी गरीबों को नहीं दिया जा रहा है इसे लेकर सदर विधायक काफी गंभीर दिखे उनका कहना था कि इस मुद्दे पर जो भी अधिकारी जिम्मेदार होगा उसके खिलाफ अब कड़ी कार्रवाई कराई जाएगी कारण यह है कि यहां के कतीपय अधिकारी बात समझ नहीं पा रहे हैं या जानबूझकर बदमाशी कर रहे हैं ग्राम प्रधानों ने बताया कि तहसील स्तर से आपदाग्रस्त किसानों को मुआवजा की धनराशि भी मिल गई है लेकिन वर्ष 2022-23 और 2023-24 व 2024-25 की इस तरह की सूची जिला स्तर पर भेजी नहीं गई है जो सूची परियोजना निदेशक के पास भेजी जा रही है, उसे पर वह कतई गंभीर नहीं और आवास के मुद्दे पर तो पूरी तरह निष्क्रिय हैं सदर विधायक ने ग्राम प्रधानों को विश्वास दिलाया कि यह काफी गंभीर समस्या है और इसका निराकरण जिलाधिकारी से मिलकर किया जाएगा उन्होंने कहा कि चाहे आपदाग्रस्त लोग मकान से वंचित हो या वनवासी और चेरो समुदाय का आवास हो इसमें लापरवाही बरतने वाले लोगों के साथ कतई रियायत नहीं बरती जाएगी। इस सम्बंध में सदर विधायक भूपेश चौबे ने तत्काल जिलाधिकारी से वार्ता कर दैविक आपदा राहत से मिलने वाले आवास के लिए कहा और कहा कि कोई भी गरीब व्यक्ति मुख्यमंत्री आवास से वंचित नही होना चाहिए जिससे सरकार की मंशा के अनुरुप कार्य हो सके। प्रतिनिधि मण्डल में मुख्यरुप से प्रधान प्रतिनिधि अनूप तिवारी, अनुपम तिवारी, कोटास ग्राम प्रधान श्यामनारायण, मानपुर प्रधान विजय बहादुर सिंह, अरौली ग्राम प्रधान रामशकल, हरहुआ प्रधान प्रतिनिधि अरुण सिंह, सेमर प्रधान प्रतिनिधि राजाराम, लसड़ा प्रधान विमलेश पाण्डेय, रामप्रवेश यादव, करारी ग्राम प्रधान सहित आदि उपस्थित रहे।

कार्यकारणी का चुनाव सम्पन्न, राघवेंद्र पांडेय बने ब्लाक अध्यक्ष, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ सोनभद्र के ब्लॉक चोपन की हुई बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोनभद्र उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश प्राप्त होने के कारण से समस्त पदों पर निर्विरोध सकुशल, निष्पक्ष,न्याय संगत एवं शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव और धरना प्रदर्शन के माध्यम से मांग उठाता रहा है शिक्षकों का किसी भी तरह से शोषण बर्दाश्त नहीं है।' उत्तर

सोनभद्र के शाखा चोपन ब्लाक में बीआरसी केंद्र चोपन के अधीनस्थ प्राथमिक विद्यालय खैरटिया प्रथम पर निर्वाचन संपन्न हुआ जिसमें सैकड़ो शिक्षक, शिक्षिका उपस्थित होकर निर्वाचन प्रणाली में भाग लिया। चोपन उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जनपद सोनभद्र के ब्लॉक चोपन की नवीन कार्यकारणी का गठन /चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में सर्वेश गुप्ता वरिष्ठ उपाध्यक्ष, जितेंद्र चौबे जिला उपाध्यक्ष द्वारा संगठन के बॉयलाज के अनुसार उपस्थिति शिक्षको को विस्तार से बताया गया। जिलाध्यक्ष योगेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जनपद सोनभद्र के चोपन ब्लॉक इकाई की नवीन कार्यकारणी की गठन/ चुनाव में प्राप्त आवेदन पत्र, अध्यक्ष, महामंत्री, उपाध्यक्ष, सयुक्त मंत्री कोषाध्यक्ष,के लिए सिर्फ एक एक सेट आवेदन पत्र सम्पन्न कराते हुए नवनिर्वाचित ब्लाक अध्यक्ष पद पर राघवेंद्र कुमार त्रिपाठी, ब्लाक महामंत्री अरविंद्र कुमार चौहान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोजर प्रसाद, सयुक्त मंत्री दीपू ज्योति, कोषाध्यक्ष रोशन कुमार निर्विरोध नवनिर्वाचित विजयी घोषित किए गए। सभी नवनियुक्त पदाधिकारी निर्वाचन प्राधिकारी के समक्ष गोपनीयता की शपथ ली। जिलाध्यक्ष योगेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि 'किसी भी निर्दोष शिक्षक शिक्षिकाओ का शोषण संघ बर्दास्त नहीं करेगा और बीएलओ की ड्यूटी शिक्षको द्वारा कराया जाना गैर संविधानिक बताया साथ ही शिक्षकों को एकजुट रहने के लिए आवाह्न करते हुए उपस्थित शिक्षकों का आभार व्यक्त किया।' नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि 'शिक्षकों की समस्याओं के लिए समय-समय पर संगठन ज्ञापन प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सर्वेश कुमार गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि 'संगठन सदैव शिक्षक हित में तत्पर है नवनिर्वाचित पदाधिकारीयों को उनके कर्तव्य का निर्वहन करने के लिए प्रोत्साहित किया। एवम सभी पदाधिकारियों को ढेर सारी शुभकामनाए एवं बधाई दी गई। उक्त चुनाव में जिला महामंत्री हुकूम चन्द्र , सयुक्त मंत्री राजेश कुमार जायसवाल ,जिला संगठन मंत्री अभिषेक यादव , अमित सेठ जिला संगठन मंत्री, नवीन द्विवेदी जिला उपाध्यक्ष चोपन से विनय कुमार त्रिपाठी ,पंकज ठाकुर आशा मिश्रा, संतोष कुमार पटेल शीला यादव, शैलेंद्र राय, गीता यादव ,सौम्या निगम, रिचा पटेल,गरिमा सिंह , प्रदीप बसु,शशांक यादव ,मृत्युंजय सिंह ,लाल कुमार बैंस, अजय कुमार आदि सैकड़ों शिक्षक /शिक्षकाएं उपस्थिति रहे।

सरकार की नाकामी से खाद के लिए तरस रहे किसानः आप, बढ़ौली चौक से सदर तहसील तक निकला जुलूस किए प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रदेश में खाद की भारी किल्लत के कारण किसानों को

घंटों लाइन में लगने के बावजूद खाद नहीं मिल पा रही है। यह सरकार की घोर नाकामी और किसानों के साथ किया जा रहा अन्याय है। इसी गंभीर मुद्दे पर आम आदमी पार्टी शनिवार को प्रदेशभर के सभी तहसील मुख्यालयों पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष रमेश गौतम ने इस मौके पर कहा कि योगी सरकार की लापरवाही ने किसानों की कमर तोड़ दी है। खेती का मौसम चल रहा है और किसानों को खाद उपलब्ध न कराना सीधे-सीधे उनकी आजीविका पर हमला है। यह प्रदेशव्यापी आंदोलन सांसद व यूपी प्रभारी संजय सिंह के निर्देशानुसार प्रदेश के सभी तहसील मुख्यालय पर किया गया। किसान प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष विवेक पांडे ने कहा कि यह शर्मनाक है कि किसान अपनी ही धरती पर अन्न उपजाने के लिए बुनियादी सुविधा के लिए तरस रहे हैं। प्रदेश सरकार केवल बड़े उद्योगपतियों की जेब भरने में लगी है, जबकि अन्नदाता दर-दर भटकने को मजबूर है। उन्होंने कहा की आम आदमी पार्टी की मांग है- किसानों को तत्काल पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जाए, खाद वितरण में भारी भ्रष्टाचार और कालीबाज़ारी खाद वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित हो दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो खेती का मौसम चल रहा है, लेकिन खाद की कमी से बोआई बाधित किसानों को राहत देने के लिए विशेष सहायता पैकेज घोषित किया जाए। योगी सरकार केवल उद्योगपतियों को लाभ पहुँचा रही है, किसानों को प्राथमिकता देकर अन्नदाता के हितों की रक्षा की जाए! आज के विरोध प्रदर्शन में संगठन प्रभारी नीरज पांडे और ज्योति जंग सिंह, महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष दुर्गा देवी, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष केवल कुशवाहा,समीर खान, दिनेश पटेल, अनवर अली, प्रेमनाथ कन्नौजिया, शिवम सिंह घमड़ी, कमला प्रसाद, शंभू नाथ, संरक्षक राजेंद्र मौर्या, श्रीकांत तिवारी, राजेश कुमार, शैल कुमारी, विनय पांडे, धर्मेंद्र पांडे, सुभाष, रविन्द्र पटेल,सुरेंद्र पटेल आदि शामिल रहे।

रवि सिंह ने थाईलैंड में जीता ब्रॉन्ज़ मेडल, डीएम एसपी ने किया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र/रेणुकूट। सोनभद्र जिले के

रेणुकूट निवासी रवि सिंह, पुत्र महामाया प्रसाद सिंह, ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का परचम लहराया है। रवि सिंह जो वर्तमान में हिण्डालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट के विभाग ब्वायलर को-जेनरेशन में कार्यरत हैं ने थाईलैंड के पटाया शहर में आयोजित 8वीं हीरोज़ ताइक्वांडो इंटरनेशनल चैम्पियनशिप 2025 (9-10 अगस्त) में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष वर्ग के अंडर 58 किलो भार वर्ग में ब्रॉन्ज़ मेडल जीतकर भारत, उत्तर प्रदेश और सोनभद्र का मान बढ़ाया। इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में विश्वभर के 32 देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें रवि सिंह ने अपने अदम्य साहस और परिश्रम से विजयी उपलब्धि हासिल की। उनकी इस उपलब्धि पर डीएम बद्रीनाथ सिंह, आई0ए0एस0 जिलाधिकारी एवं एसपी अशोक कुमार मीणा, आईपीएस पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से उन्हें सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। रवि सिंह की इस सफलता से न केवल उनके परिवार और सहकर्मियों में अपार हर्ष है बल्कि पूरे सोनभद्र जिले और उत्तर प्रदेश के लिए यह गर्व का विषय बन गया है।

ग्राम पंचायत कुम्हियां में बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। ग्राम पंचायत कुम्हियां के

सरपंच शैलेंद्र मिश्रा द्वारा बच्चों को सुबह योगा के साथ शुरू आत करते हैं जिससे बच्चों का स्वस्थ, ऊर्जावान और सकारात्मक ऊर्जा मिलती रहे यह बच्चों के समग्र विकास को बढ़ावा देता है, जिससे वे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनते एवं बच्चों को निशुल्क द्वारा सरपंच शैलेंद्र मिश्रा द्वारा पढ़ाया भी जाता है वह कई ऐसे कार्य हैं जो शैलेंद्र मिश्रा द्वारा बच्चों को प्रति देखा गया है जो की बहुत सराहनी है

बीती रात हुई बरसात में एक किसान का घर गिरा, सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा लसड़ा का मामला

सोनभद्र। सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा लसड़ा में बीती रात रुक-

रुक कर हो रही बरसात से एक किसान का घर पड़ा जिससे हुई हजारों छती किसान द्वारा संबंधित लेखपाल से मामले को कराया अवगत। पीड़ित किसान नारायण यादव ने बताया कि बीती रात रुक-रुक कर हो रही बरसात से मेरे मिट्टी का घर अचानक गिर पड़ा जिससे घर गिरस्ती का सामान क्षतिग्रस्त हो गया वहीं इस संदर्भ में सुबह हल्का लेखपाल को मामले से अवगत कराया लेकिन घंटों बाद भी मौके पर कोई नहीं पहुंचा वही पीड़ित ने जिलाधिकारी का ध्यान इस तरफ आकर्षित करते हुए मुआवजा दिलाए जाने की लगाई गुहार।

व्हाट्सएप ठगी में पीड़ित को राहत,सोनभद्र पुलिस ने 50 हजार रुपये कराए वापस, 95 हजार जल्द मिलेंगे

सोनभद्र। सोनभद्र में साइबर ठगी का एक मामला सामने आया है। मूल बैंक से पत्राचार कर 50 हजार रुपए पीड़ित के खाते में वापस करा दिए गए।

रूप से बिहार के मुजफ्फरपुर के रहने वाले राहुल कुमार से वॉट्सऐप ग्रुप के जरिए 1 लाख 45 हजार रुपए की ठगी की गई। राहुल वर्तमान में सोनभद्र के चोपन स्थित लोको कॉलोनी में रहते हैं। पीड़ित ने साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। एसपी अशोक कुमार मीणा के निर्देश पर चोपन थाने की साइबर टीम ने मामले की जांच शुरू की। टीम ने धोखाधड़ी की राशि को संबंधित खाते में होल्ड कराया। क्षेत्राधिकारी नगर की मौजूदगी में 23 अगस्त को यह राशि वापस की गई। शेष 95 हजार रुपए भी जल्द ही पीड़ित के खाते में वापस किए जाएंगे। थाना प्रभारी विजय कुमार चौरसिया और साइबर हेल्प डेस्क के कॉन्स्टेबल सुनील कुमार की टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करें या नजदीकी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराएं।

गुप्तकाशी सेवा ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष रवि प्रकाश चौबे हुए सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष

अजीत चौबे ने गुप्तकाशी सेवा ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी रवि प्रकाश चौबे को सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें लगातार 11 वर्षों से गुप्तकाशी दर्शन यात्रा को सकुशल संपन्न कराने एवं प्रकृति-पर्यावरण संरक्षण हेतु किए जा रहे अद्वितीय कार्यों के लिए प्रदान किया गया। इस अवसर पर यूथ आइकॉन सौरभ कांत पति त्रिपाठी, राकेश देव पांडेय, प्रकाश देव पांडेय, एवं पार्थ सारथी किरीट जी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बता दें कि रवि प्रकाश चौबे जी विगत 35 वर्षों से समाजसेवा और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में निरंतर सक्रिय हैं। प्रकृति प्रेम और पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने के लिए उन्होंने गुप्तकाशी सेवा ट्रस्ट की स्थापना की। ट्रस्ट के माध्यम से हर वर्ष आयोजित होने वाली गुप्तकाशी दर्शन यात्रा एक सप्तदिवसीय भव्य यात्रा है, जिसमें न केवल सोनभद्र जनपद बल्कि झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती राज्यों से भी सैकड़ों साधु-संत व श्रद्धालु शामिल होते हैं। यह यात्रा माँ विंध्यवासिनी के दर्शन से प्रारंभ होकर बाबा काशी विश्वनाथ के दरबार में पूर्ण होती है। श्री चौबे जी ने समाज में पर्यावरण जागरूकता की अनूठी मुहिम भी छेड़ी है। वे पेड़ों को बचाने के लिए लोगों को प्रेरित करते हैं तथा पेड़ों पर रक्षा सूत्र बाँधकर उन्हें काटने से रोकने और संरक्षण का संकल्प दिलवाते हैं। इसके साथ ही वे प्राकृतिक चिकित्सा एवं धुपन चिकित्सा जैसी भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से आमजन को स्वस्थ रहने के लिए जागरूक कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि उनके इन समर्पित प्रयासों से प्रेरित होकर पूर्व जिला अध्यक्ष अजीत चौबे जी ने उन्हें अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया और कहा कि ' रवि प्रकाश चौबे जैसे समाजसेवी ही आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उनका योगदान गुप्तकाशी सेवा ट्रस्ट के साथ-साथ पूरे समाज को नई दिशा देने वाला है।

जब नौजवानो ने पेड़ हैं तो प्राण हैं अभियान का बिडा उठाया,विधानसभा401 का वातावरण शुद्ध होकर रहेगाः संदीप मिश्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शुक्रवार को जनपद में

वृक्षारोपण अभियान धीरे-धीरे अब बृहद रूप लेता जा रहा है। 'पेड़ है तो प्राण है' अभियान के तहत लगातार पर्यावरण संरक्षण के लिए पौध रोपण किया जा रहा है। इसी क्रम में रॉबट्र्सगंज विधानसभा401 के कोन, कचनरवा डणिहरा रामगढ़ सलैयाडीह किसुनपुरवा में वृक्षारोपण किया गया साथ ही उपस्थित ग्रामीणों में सैकड़ो पौधों का भी वितरण किया गया। अभियान के संयोजक संदीप मिश्रा लगातार जनपदवासियों के साथ मिलकर इस अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। धीरे-धीरे यह अभियान और बृहद होता जा रहा है। संदीप मिश्रा ने बताया कि पौधे ही हमारे प्राणवायु हैं यदि आज हम वृक्ष लगाते हैं तो हमारे आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ वातावरण मिल सकेगा। केवल वृक्ष लगाना ही कार्य नहीं है वृक्षों को सुरक्षित करना उनकी देखभाल करना भी हमारी जिम्मेदारी है। इस अभियान के तहत रॉबट्र्सगंज विधानसभा में अभी तक अनेकों जगह पौधारोपण किया जा चुका है। किसुनपुरवा निवासी संघर्षी बड़े भाई सन्जय जैसवाल जी की स्मृति में पेड़ लगाया गया व सलैयाडीह में कमलेश जयसवाल जी के नेतृत्व में पेड़ लगाया गया व गांव में लोगों के घरों में, आंगन में स्वयं जाकर पौधारोपण कर रहे हैं साथ ही इन पौधों को बचाने का लोगों को संकल्प भी दिला रहे हैं। काफी संख्या में लोग भी अब इस अभियान में बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ जुड़ रहे हैं। आज के वृक्षारोपण में राजू भारती प्रधान कचनरवा सुदीप जयसवाल कमलेश जयसवाल चन्द्रेश जयसवाल केवाल में जयश्री तिवारी बुध्दीराम तिवारी दिपक तिवारी रोशन तिवारी सहित सैकड़ों लोगों ने पौधारोपण किया और वृक्षों को बचाने का संकल्प लिया व ग्रामीणों में सैकड़ों पेड़ वितरित भी किया गया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मांगो को लेकर सौंपा पत्र, विद्यार्थियों के आधार कार्ड एवं शैक्षिक अभिलेखों में भिन्नता के कारण छात्रवृत्ति में हो रही समस्या

सोनभद्र। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद काशी प्रान्त प्रान्त सहमंत्री शशांक मिश्रा ने बताया कि

शनिवार को विभिन्न मांगों को लेकर भाजपा सरकार के गृह मंत्री अमित शाह के नामित ज्ञापन जिला अधिकारी प्रतिनिधि को देकर बुलंद की गई आवाज। 'अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद' विश्व का सबसे बड़ा सक्रिय एवं राष्ट्रवादी छात्र संगठन है। जो वर्ष भर विद्यार्थियों एवं शिक्षा हितों के साथ-साथ देश व समाज में चल रहे प्रत्येक समसामयिक विषयों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करती है उसी क्रम मे जिले भर के विद्यार्थियों का आधार कार्ड एवं शैक्षिक अभिलेखों में भिन्नता के कारण छात्रवृत्ति में हो रही समस्या के समाधान हेतु आधार कार्ड संशोधन की विशेष व्यवस्था किए जाने के संबंध में सविनय निवेदन है कि वर्तमान समय में अनेक विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसका मुख्य कारण उनके आधार कार्ड में दर्ज नाम, जन्म तिथि अथवा अभिभावक के नाम में शैक्षिक अभिलेखों से भिन्नता होना है। यह त्रुटि अक्सर नाम की वर्तनी, अंग्रेजी/हिंदी लिप्यंतरण अथवा पता के अंतर के कारण उत्पन्न होती है, जिससे पोर्टल पर दस्तावेजों का मिलान नहीं हो पाता और छात्रवृत्ति आवेदन निरस्त हो जाता है। अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित सुझावों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाए। एक विशेष आधार संशोधन शिविर आयोजित किया जाए, जिसमें विद्यालयों के सहयोग से छात्रों के आधार विवरण को अभिलेखों के अनुरूप संशोधित किया जा सके। शिविरों में यूआईडीएआई अधिकृत अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, ताकि दस्तावेज़ों के सत्यापन के साथ तत्काल सुधार की प्रक्रिया पूरी की जा सके। विद्यालयों को निर्देशित किया जाए कि वे ऐसे विद्यार्थियों की सूची तैयार कर समय से जिलाधिकारी कार्यालय/तहसील कार्यालय को उपलब्ध कराएं।।

ट्रक की चेसिस में घुसा विशालकाय अजगर, डरा हुआ ड्राइवर ट्रक लेकर पहुंचा वन विभाग के ऑफिस

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में एक ट्रक से विशालकाय अजगर का रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वन विभाग के दो कर्मचारी अजगर को ट्रक के चेचिस से बाहर निकालते नजर आ रहे हैं। रेस्क्यू का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। खास बात यह है कि अजगर ट्रक में सवार तो छत्तीसगढ़ से हुआ, लेकिन इसका रेस्क्यू उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में हुआ। ट्रक ड्राइवर ने जब अजगर को देखा तो डर गया। वह ट्रक लेकर वन विभाग के ऑफिस पहुंच गया। वन विभाग के कर्मचारियों ने अजगर को रेस्क्यू किया। इस घटना के बाद वन विभाग के अधिकारियों ने ट्रक ड्राइवर की तारीफ भी की।घटना सोनभद्र के बभनी थाना क्षेत्र की है। यहां उस समय हड़कंप मच गया, जब छत्तीसगढ़ से कानपुर जा रहे एक ट्रक में विशालकाय अजगर दिखाई दिया। चालक ट्रक लेकर वन विभाग के ऑफिस पहुंचा और वन विभाग की टीम ने घंटों की मशक्कत के बाद अजगर को सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ दिया गया। वन क्षेत्राधिकारी बभनी प्रेम प्रकाश चौबे ने बताया कि ट्रक छत्तीसगढ़ से चावल लेकर कानपुर जा रहा था। चालक हसन अली ने ट्रक छत्तीसगढ़ में ही खड़ा किया था, तभी जंगल से अजगर ट्रक में चढ़ गया। चालक को इसकी भनक तक नहीं लगी। शुक्रवार को जब ट्रक सोनभद्र के परसाटोला चौराहे पर पहुंचा तो चालक चाय पीने के लिए उतरा। उसी दौरान उसने ट्रक में हरकत देखी और घबरा गया।

क्या पाकिस्तान से खेलना भारत की मजबूरी, बीसीसीआई ने बताए न खेलने के 4 नुकसान, एशिया कप में 3 भारत-पाक मुकाबले संभव

नयी दिल्ली। पाकिस्तान से आए आतंकियों ने भारत पर बड़ा हमला किया था। इस घटना के कुछ ही महीनों बाद भारत को पाकिस्तान से क्रिकेट सीरीज खेलनी थी। विपक्षी दलों ने सरकार को घेरना शुरू किया। वे पूछते - जो पाकिस्तान हमारा खून बहा रहा है उसके साथ हम क्रिकेट क्यों खेलना चाहते हैं? इसके बाद प्रधानमंत्री कार्यालय से खेल मंत्रालय को निर्देश आता है कि वे बीसीसीआई को कह दें कि भारतीय टीम पाकिस्तान के साथ मैच नहीं खेलेगी। यह वाकया 2008 का है। पाकिस्तान से आए आतंकियों ने 26 नवंबर को मुंबई में बड़ा हमला किया था। इसके बाद दिसंबर में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने पाकिस्तान के साथ किसी भी द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज पर रोक लगा दी थी। अब सीधा 2025 में लौटते हैं। पाकिस्तान अब भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया है। पिछले 22 अप्रैल को वहां से आए आतंकियों ने कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोषों की धर्म पूछकर हत्या कर दी। इसके बाद मांग उठने लगी है कि भारत को अब न सिर्फ द्विपक्षीय सीरीज बल्कि एशिया कप और वर्ल्ड कप जैसे मल्टी नेशनल इवेंट में भी पाकिस्तान का बायकॉट करना चाहिए। 9 सितंबर से यूएई में एशिया कप होना है। भारतीय टीम घोषित हो गई है और इस टूर्नामेंट में तीन भारत-पाकिस्तान मैच संभव हैं। पाकिस्तान से खेलने या न खेलने पर सरकार की ओर से अब तक कोई बयान नहीं आया है। हालांकि, बीसीसीआई नहीं चाहता कि भारत एशिया कप में पाकिस्तान का बायकॉट करे। इस मुद्दे पर बीसीसीआई के दो शीर्ष अधिकारियों से इसकी वजह पूछी। दोनों ने नाम सार्वजनिक न करने की शर्त पर 4 ऐसे कारण बताए जिनकी वजह से बीसीसीआई अब भी चाहता है कि एशिया कप हो और इसमें भारत-पाकिस्तान मुकाबले भी खेले जाएं..1. पहला कारणः पाकिस्तान को फ्री पॉइंट्स क्यों दिए जाएं- बीसीसीआई अधिकारियों का कहना है कि भारतीय टीम टूर्नामेंट खेलते हुए सिर्फ पाकिस्तान का बायकॉट कर सकती है, लेकिन ऐसा करने से पाकिस्तान को फ्री के पॉइंट्स मिलेंगे। पाकिस्तान इन पॉइंट्स की बदौलत फाइनल में भी जा सकता है और चैंपियन भी बन सकता है। हमें पाकिस्तान को फ्री पॉइंट्स क्यों देना चाहिए। 2. दूसरा कारणः एशियन ब्लॉक में भारत का दबदबा कमजोर हो सकता है- एशियन क्रिकेट काउंसिल में अब तक भारत का दबदबा रहा है। अगर भारतीय टीम पाकिस्तान का बायकॉट करती है तो टूर्नामेंट फ्लॉप होगा। इससे टूर्नामेंट की कमाई पर भी असर पड़ेगा। ऐसा होने से एसीसी में भारत का रुतबा कमजोर हो सकता है और पाकिस्तान बाकी देशों को भारत के खिलाफ करने की मुहिम चला सकता है। 3. तीसरा कारणः आईसीसी की राजनीति में भी बीसीसीआई कमजोर पड़ सकता है एशियन ब्लॉक की एकजुटता की बदौलत बीसीसीआई इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की राजनीति में भी मजबूत स्थिति में है। किसी मुद्दे पर अगर वोटिंग की जरूरत पड़ती है तो सभी एशियाई देश ज्यादातर मुद्दों पर बीसीसीआई का साथ देते हैं। इनमें पाकिस्तान भी शामिल है। जय शाह को आईसीसी चेयरमैन बनाने के मामले में भी पाकिस्तानी बोर्ड ने बीसीसीआई का साथ दिया था। इससे पहले बड़े आईसीसी टूर्नामेंट की होस्टिंग के लिए भारत और पाकिस्तान एक खेमे में रहते हुए वोट डालते आए हैं। अगर भारतीय टीम पाकिस्तान का बायकॉट करती है तो एशियन ब्लॉक की एकजुटता कम होगी और आईसीसी की राजनीति में भी बीसीसीआई की पोजिशन कुछ कमजोर हो सकती है। 4. चौथा कारणः ब्रॉडकास्टर की नाराजगी नहीं झेलना चाहते- बीसीसीआई अधिकारी ने बताया कि 2024 में ही अगले चार एशिया कप के ब्रॉडकास्ट राइट्स 170 मिलियन डॉलर (करीब 1500 करोड़ रुपए) में बेचे जा चुके हैं। एशिया कप के राइट्स को इतनी कीमत सिर्फ भारत-पाकिस्तान मुकाबलों की वजह से मिली है। भारत-पाकिस्तान मैच के विज्ञापन स्लॉट हर 10 सेकेंड के लिए 25 से 30 लाख रुपए में बिकते हैं। वहीं, भारत के अन्य मुकाबलों के लिए यह रकम आधी से कम हो जाती है। अगर भारतीय टीम पाकिस्तान से नहीं खेलती है तो ब्रॉडकास्टर ये स्लॉट अच्छी कीमत पर नहीं बेच पाएंगे और ब्रॉडकास्टर्स को भारी नुकसान होगा। ऐसे में आगे चल कर ब्रॉडकास्टर्स नजर में बीसीसीआई की विश्वसनीयता कम होगी। तो क्या एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच होना पक्का है- नहीं। बीसीसीआई भले ही चाहता हो कि भारत-पाकिस्तान मैच हो, लेकिन इस मुद्दे पर आखिरी फैसला सरकार को लेना है। बोर्ड अधिकारियों ने कहा कि अगर सरकार हमें निर्देश देती है कि पाकिस्तान से नहीं खेलना है तो फिर हम कुछ नहीं कर सकते। फिर हमें पाकिस्तान का बायकॉट करना ही होगा। हालांकि, सरकार ने अब तक किसी मल्टी नेशनल टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से बीसीसीआई को नहीं रोका है।मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि अभी तक सरकार की ओर से कोई निर्देश नहीं आया है। एशिया कप सितंबर में होना है। उस समय तक बिहार चुनाव का प्रचार तेज हो जाएगा और सरकार पर दबाव बढ़ेगा कि वह भारत-पाकिस्तान मैच न होने दे। मुमकिन है कि भारतीय टीम एशिया कप खेलने जाए और ऐन मौके पर पाकिस्तान का बायकॉट कर दे। हालांकि, अभी इस पर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

एथलेटिक्स के बाद महिला मुक्केबाजों के लिए जेंडर टेस्ट अनिवार्य

नयी दिल्ली। महिला मुक्केबाजों को भी जेंडर टेस्ट कराना होगा। यह टेस्ट 4 से 14 सितंबर के बीच इंग्लैंड में होने जा रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप से लागू होगा। वर्ल्ड बॉक्सिंग ने गुरुवार को इसका ऐलान किया। इसके अनुसार- 'यह परीक्षण पॉलिमरेज चेन रिएक्शन टेस्ट या इसके समकक्ष जेनेटिक स्क्रीनिंग टेस्ट के जरिए होगा, जो जन्म के समय के लिंग को निर्धारित करने के लिए वाई क्रोमोसोम की मौजूदगी या अनुपस्थिति की जांच करेगा। वर्ल्ड बॉक्सिंग के अध्यक्ष बोरिस वैन डेर वोर्स्ट ने कहा- 'हम सभी व्यक्तियों की गरिमा का सम्मान करते हैं और चाहते हैं कि हमारा खेल यथासंभव समावेशी हो। लेकिन, मुक्केबाजी जैसे खेल में हमारा दायित्व है कि हम खिलाड़ियों की सुरक्षा और प्रतिस्पर्धा में निष्पक्षता बनाए रखें।'21 दिन पहले इसे एथलेटिक्स में लाया गया था। 30 जुलाई को वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल ने कहा था- 'जो खिलाड़ी इस टेस्ट से नहीं गुजरेगी, वह वर्ल्ड रैंकिंग प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले सकेगी।' एथलेटिक्स में नियम 1 सितंबर 2025 से लागू होगा। 13 सितंबर से टोक्यो में होने जा रही वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिला एथलीट्स इस टेस्ट को पास किए बिना भाग नहीं ले सकेंगी।पहला- अल्जीरिया की इमान खलीफ ने जून 2025 में नीदरलैंड में होने वाले वर्ल्ड बॉक्सिंग टूर्नामेंट में भाग लेने से इनकार कर दिया था, जब वर्ल्ड एथलेटिक्स ने पहली बार लिंग परीक्षण की योजना की घोषणा की थी। दूसरा- पेरिस ओलिंपिक 2024 में ताइवान की लिन यू टिंग (66 किग्रा) ने गोल्ड मेडल जीता था। जेंडर टेस्ट में फेल होने के बाद उन्हें इंटरनेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन ने 2023 में बैन कर दिया था।इन दोनों मुक्केबाजों को भारत में 2023 में आयोजित वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में फाइनल मैच खेलने से रोक दिया गया था।एक साल पहले पेरिस ओलिंपिक के दौरान बॉक्सिंग में भी जेंडर विवाद हुआ था। तब अल्जीरिया की मुक्केबाज इमान खलीफ पर पुरुष होने के आरोप लगे थे। उनकी प्रतिद्वंद्वी ने यह कहकर मुकाबला छोड़ दिया था कि मुझे पुरुषों से भिड़ा दिया गया है।

बीसीसीआई ने चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर का कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाया,जून 2026 तक बने रहेंगे, 2023 में पद संभाला था

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर का कॉन्ट्रैक्ट बढ़ा दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, वे जून 2026 तक इस पद पर बने रहेंगे। हालांकि बीसीसीआई की ओर से अब तक इस मामले पर कोई बयान नहीं आया है। पूर्व तेज गेंदबाज अगरकर को जुलाई 2023 में टीम इंडिया की सिलेक्शन कमेटी का चेयरमैन बनाया गया था। अगरकर के कार्यकाल में टीम इंडिया 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप और इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। इसके अलावा, टीम इंडिया 2023 के वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भी पहुंची थी। जहां उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार मिली थी। रिपोर्ट के मुताबिक, अगरकर का कॉन्ट्रैक्ट इंडियन प्रीमियर लीग 2025 से पहले रिन्यू किया गया था। एक बीसीसीआई अधिकारी ने बताया, उनके कार्यकाल में भारतीय टीम ने खिताब जीते और बदलाव (टेस्ट और टी-20 में) भी देखा। बीसीसीआई ने उनका कॉन्ट्रैक्ट जून 2026 तक बढ़ा दिया था और उन्होंने कुछ महीने पहले इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया था। अगरकर करियर में 349 इंटरनेशनल विकेट ले चुके हैं। उन्होंने टेस्ट में 58, वनडे में 288 और टी-20 इंटरनेशनल में 3 विकेट लिए हैं।टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे : अजित अगरकर 2007 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम इंडिया का हिस्सा रहे। उन्होंने टूर्नामेंट के 2 मैचों में 15 रन बनाने के साथ एक विकेट भी लिया था। साउथ अफ्रीका में हुए टूर्नामेंट के फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता था।वनडे में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले भारतीय : अजित अगरकर वनडे में सबसे तेज हाफ सेंचुरी जमाने वाले भारतीय बैटर हैं। उन्होंने साल 2000 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 21 बॉल पर अर्धशतक जमाया था। सबसे तेज 50 विकेट लिए : अगरकर ने भारत के लिए वनडे में सबसे तेज 50 विकेट पूरे किए हैं। उन्होंने 23 मुकाबलों में यह कारनामा किया था। एस शरत को हटाया जा सकता है फिलहाल, सिलेक्शन कमेटी में अगरकर, एसएस दास, सुब्रतो बनर्जी, अजय रात्रा और एस शरत शामिल हैं। लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि सितंबर में होने वाली एनुअल जरनल बॉडी मीटिंग के बाद सीनियर सिलेक्शन कमेटी में कुछ बदलाव देखने को मिलेंगे। शरत सितंबर 2021 में जूनियर सिलेक्शन कमेटी के अध्यक्ष थे और जनवरी 2023 में सीनियर सिलेक्शन कमेटी में प्रमोट हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, बोर्ड उनकी जगह किसी नए चेहरे को नियुक्त कर सकता है।

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच होगा,सरकार ने इजाजत दी, कहा- मल्टीनेशन टूर्नामेंट खेलने से नहीं रोकेंगे,द्विपक्षीय सीरीज नहीं होंगी

नयी दिल्ली। 9 सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच होगा। भारत सरकार ने गुरुवार को इसकी अनुमति दे दी है। सरकार ने कहा- मल्टीनेशनल टूर्नामेंट में पाकिस्तान से खेलने पर रोक नहीं है। दोनों देशों में द्विपक्षीय सीरीज नहीं होगी। खेल मंत्रालय के अधिकारी ने एक लेटर साझा किया, यह भारत सरकार की नई स्पोर्ट्स पॉलिसी है, जिसे गुरुवार को ही जारी किया गया है। नई खेल नीति में क्या है, 4 पॉइंट्स में समझिए- इंटरनेशनल और मल्टीनेशनल इवेंट्स (चाहे भारत में हों या विदेश में) में भारत इंटरनेशनल खेल संस्थाओं के नियमों और अपने खिलाड़ियों के हितों को ध्यान में रखकर निर्णय लेगा। भारतीय टीमें और खिलाड़ी उन इंटरनेशनल इवेंट्स जैसे- कॉमनवेल्थ गेम्स, ओलिंपिक, क्रिकेट, हॉकी वर्ल्ड कप आदि में हिस्सा लेंगे, जिनमें पाकिस्तानी टीमें और खिलाड़ी खेलेंगे। यह ठीक वैसा ही है, जैसे भारत में होने वाले मल्टीनेशनल इवेंट्स में पाकिस्तान, खिलाड़ी भी भाग ले सकेंगे। भारत को इंटरनेशनल स्पोर्ट्स इवेंट्स की मेजबानी के लिए पसंदीदा जगह बनाने के लिए खिलाड़ियों, अधिकारियों, तकनीकी कर्मचारियों, इंटरनेशनल खेल संस्थाओं के पदाधिकारियों की वीजा प्रोसेस आसान की जाएगी। इंटरनेशनल खेल संस्थाओं के पदाधिकारियों को उनकी कार्यावधि की अवधि (अधिकतम 5 साल तक) के लिए प्राथमिकता के आधार पर मल्टी-एंट्री वीजा भी दिया जाएगा, ताकि वे देश में आसानी से आ-जा सकें। नई खेल नीति में भारत सरकार ने यह तो स्पष्ट किया है कि हम पाकिस्तानी टीम या खिलाड़ियों को मल्टीनेशन इवेंट्स के लिए भारत आने से नहीं रोकेंगे, लेकिन यह नहीं बताया कि भारत ऐसे इवेंट्स में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान जाएगा या नहीं। भारत ने इसी साल फरवरी-मार्च में अयोजित चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाने से मना किया था। ऐसे में मेजबान पाकिस्तान को भारत के मैच में यूएई में कराने पड़े थे और दुबई में फाइनल खेला गया था। एशिया कप में सूर्या कप्तान, गिल उपकप्तान- 2 दिन पहले 19 अगस्त को बीसीसीआई ने एशिया कप में हिस्सा लेने के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया था। इसमें सूर्यकुमार यादव को कप्तान और शुभमन गिल को उपकप्तान बनाया गया था।एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच 3 मुकाबले हो सकते है। पहला मैच 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा।दूसरा मैचः एशिया कप में लीग स्टेज के बाद सुपर-4 राउंड होगा। भारत-पाकिस्तान के सुपर-4 राउंड में पहुंचने पर 21 सितंबर को भारत-पाकिस्तान की दूसरी भिड़ंत हो सकती है। तीसरा मैच : अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं, तो 28 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप में तीसरा मुकाबला खेला जाएगा।

दावा- एशिया कप में बिना स्पॉन्सर के खेलेगी टीम इंडिया,ड्रीम-11 कंपनी रियल मनी कारोबार समेट रही,ऑनलाइन गेमिंग बिल पास होने के बाद फैसला

नयी दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी फैंटेसी गेमिंग कंपनी ड्रीम11 अपना रियल मनी गेमिंग कारोबार बंद करने जा रही है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया गया है। यह फैसला भारत सरकार द्वारा हाल ही में पास किए गए ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 के बाद लिया गया है। इस बिल के तहत ऑनलाइन रियल मनी गेम्स पर पूरी तरह से पाबंदी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ड्रीम11 की पेरेंट कंपनी ड्रीम स्पोर्ट्स ने यह जानकारी अपने कर्मचारियों को 20 अगस्त को एक इंटरनल टाउनहॉल मीटिंग में दी। ड्रीम11 भारतीय क्रिकेट टीम और आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट्स का प्रमुख स्पॉन्सर रहा है। ऐसे में ये भी खबरें है कि टीम इंडिया एशिया कप में बिना स्पॉन्सर के खेलेगी।21 अगस्त 2025 को राज्यसभा ने और उससे एक दिन पहले लोकसभा ने प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 को मंजूरी दी। इस बिल को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पेश किया था। अब ये बिल राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए जाएगा और फिर ये कानून बन जाएगा।ड्रीम11 का रियल मनी गेमिंग सेगमेंट कंपनी की कुल कमाई का 67ः हिस्सा है। यानी, कंपनी की ज्यादातर कमाई फैंटेसी क्रिकेट जैसे गेम्स से आती थी। यहां यूजर्स पैसे लगाकर अपनी टीमें बनाते थे और जीतने पर कैश प्राइज पाते थे। नए बिल के तहत ये गेम्स अब गैरकानूनी हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के सीईओ हर्ष जैन ने कर्मचारियों को बताया कि नए कानून के तहत रियल मनी गेमिंग को जारी रखने का कोई कानूनी रास्ता नहीं है। इस वजह से ड्रीम11 ने अपने इस कोर बिजनेस को बंद करने का फैसला किया। सूत्रों के मुताबिक, कंपनी अब अपने नॉन-रियल मनी गेमिंग वेंचर्स पर फोकस करेगी। इसमें स्पोर्ट्स ड्रिप और फैनकोड शामिल है। इसके अलावा, कंपनी अपनी दूसरी इनवेस्टमेंट्स जैसे विलो टीवी और क्रिकबज को बढ़ाने और विदेशी बाजारों में विस्तार पर ध्यान देगी।इस बिल में कहा गया है कि चाहे ये गेम्स स्किल बेस्ड हों या चांस बेस्ड दोनों पर रोक लगेगी। रियल-मनी गेम्स पर रोकः कोई भी मनी बेस्ड गेम ऑफर करना, चलाना, प्रचार करना गैरकानूनी होगा। ऑनलाइन गेम खेलने वालों को कोई सजा नहीं होगी। सजा और जुर्मानाः अगर कोई रियल-मनी गेम ऑफर करता है या उसका प्रचार करता है, तो उसे 3 साल तक की जेल और 1 करोड़ रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। विज्ञापन चलाने वालों को 2 साल की जेल और 50 लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है।रेगुलेटरी अथॉरिटीः एक खास अथॉरिटी बनाई जाएगी, जो गेमिंग इंडस्ट्री को रेगुलेट करेगी, गेम्स को रजिस्टर करेगी और ये तय करेगी कि कौन सा गेम रियल-मनी गेम है। ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावाः पबजी और फ्री फायर जैसे ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेम्स को सपोर्ट किया जाएगा। ये गेम्स बिना पैसे वाले होते हैं इसलिए इन्हें बढ़ावा मिलेगा।सरकार का कहना है कि मनी बेस्ड ऑनलाइन गेमिंग की वजह से लोगों को मानसिक और आर्थिक नुकसान हो रहा है। कुछ लोग गेमिंग की लत में इतना डूब गए कि अपनी जिंदगी की बचत तक हार गए और कुछ मामलों में तो आत्महत्या की खबरें भी सामने आईं। इसके अलावा मनी लॉन्ड्रिंग और नेशनल सिक्योरिटी को लेकर भी चिंताएं हैं। सरकार इसे रोकने के लिए सख्त कदम उठाना चाहती है।

देश का सबसे अमीर मुख्यमंत्री कौन? सीएम योगी, ममता बनर्जी, नीतीश के पास कितनी दौलत

नयी दिल्ली। क्या आपको पता है देश का सबसे अमीर मुख्यमंत्री कौन है? भारत के किस सीएम के पास सबसे ज्यादा संपत्ति है, इस संबंध में एक रिपोर्ट सामने आई है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स और नेशनल इलेक्शन वॉच ने ये रिपोर्ट जारी की है। इसमें भारत के सभी 27 राज्य और 3 केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों की संपत्ति का विश्लेषण किया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार, इन मुख्यमंत्रियों की औसत संपत्ति 54.42 करोड़ रुपये है। हालांकि, अलग-अलग राज्यों के मुख्यमंत्रियों की संपत्ति में काफी अंतर है। रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा 30 मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति 1,632 करोड़ रुपये है। आइए जानते हैं कौन हैं सबसे अमीर मुख्यमंत्री और किसके पास सबसे कम दौलत है।एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स और नेशनल इलेक्शन वॉच की रिपोर्ट के मुताबिक, 30 मुख्यमंत्रियों में से दो अरबपति हैं। पहले नंबर पर हैं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू। उनके पास 931 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति है। दूसरे नंबर पर हैं अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू। उनके पास 332 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति है। सबसे ज्यादा संपत्ति के मामले में तीसरे नंबर पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया हैं। उनके पास 51 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति है।सबसे कम संपत्ति वाले मुख्यमंत्रियों की बात करें तो पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पहले नंबर पर हैं। उनके पास महज 15.38 लाख रुपये से ज्यादा की संपत्ति है। दूसरे नंबर पर जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला हैं, जिनके पास 55.24 लाख रुपये से ज्यादा की संपत्ति है। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के पास 1.18 करोड़ रुपये की संपत्ति है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के पास 1.46 करोड़ रुपये की संपत्ति है।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कुल संपत्ति 1.54 करोड़ रुपये है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सीएम योगी से थोड़ा सा आगे हैं। नीतीश के पास 1.64 करोड़ रुपये की संपत्ति है। पंजाब के सीएम भगवंत मान के पास 1.97 करोड़ रुपये है। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के पास 1.97 करोड़ रुपये की संपत्ति है। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव साय के पास 3.80 करोड़ रुपये की संपत्ति है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स संस्था ने यह विश्लेषण किया है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने सभी 30 मुख्यमंत्रियों की ओर से चुनाव लड़ने के पहले दिए गए हलफनामों की पड़ताल के बाद ये रिपोर्ट जारी की है। मणिपुर में अभी राष्ट्रपति शासन लगा हुआ है, इसलिए वहां के मुख्यमंत्री को इस विश्लेषण में शामिल नहीं किया गया है।

रूसी दूतावास महिला के बारे में जानकारी देने से इनकार नहीं कर सकता, SC पहुंचा मामला क्या है

नयी दिल्ली। नई दिल्लीः भारत और रूस की दोस्ती के बीच सुप्रीम कोर्ट ने रूसी दूतावास को एक मामले में फटकार लगाई है। यह मामला एक रूसी महिला से जुड़ा है। दरअसल, एक रूसी महिला ने सुप्रीम कोर्ट के कानून का उल्लंघन करते हुए भारतीय व्यक्ति से शादी से पैदा हुए अपने बच्चे को अपने साथ मॉस्को लेकर चली गई। अब जब रूसी दूतावास से इसकी जानाकारी मांगी जा रही है तो दूतावास घरेलू कानूनों का हवाला दे रहा। मामला संज्ञान में आते ही सुप्रीम कोर्ट ने रूसी दूतावास को निर्देश जारी करते हुए कहा कि वह एक रूसी महिला के बारे में जानकारी देने से इनकार करने के लिए घरेलू कानूनों का हवाला नहीं दे सकता।विदेश मंत्रालय ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी के माध्यम से न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ को रूसी दूतावास के इस रुख से अवगत कराया कि रूसी संघीय कानून अपने नागरिकों की व्यक्तिगत जानकारी साझा करने पर रोक लगाते हैं।

उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि विक्टोरिया बसु के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है, जो काठमांडू-शारजाह होते हुए अपने बच्चे के साथ मॉस्को भाग गई थी और सर्वोच्च न्यायालय की हिरासत में है, जो उसके पति के साथ वैवाहिक विवाद की सुनवाई कर रहा था।पीठ ने भारत-रूस पारस्परिक कानूनी सहायता संधि का हवाला दिया और कहा कि द्विपक्षीय समझौते में स्पष्ट रूप से प्रत्येक देश को अदालती समन और आपराधिक मामलों में वांछित व्यक्तियों के स्थान और पहचान साझा करने का आदेश दिया गया है। पीठ ने कहा कि रूसी दूतावास संघीय कानून की आड़ में नहीं छिप सकता। द्विपक्षीय संधि के अनुसार उन्हें विक्टोरिया बसु के बारे में जानकारी साझा करनी होगी।जब दिल्ली पुलिस ने बताया कि उसने विक्टोरिया के खिलाफ बच्चे के अपहरण और उसके पासपोर्ट में जालसाजी करके उसे ले जाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है, तो पीठ ने विदेश मंत्रालय से कहा कि वह एफआईआर की प्रति रूसी दूतावास को भेजे गए नए पत्र के साथ संलग्न करे, जिसमें द्विपक्षीय संधि के तहत महिला के बारे में जानकारी साझा करने की बाध्यता का हवाला दिया गया हो।

पाकिस्तान की मनमानी के बाद भारत का कड़ा एक्शन,अब 24 सितंबर तक के लिए विमानों पर लगाया प्रतिबंध

नयी दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान को 5वें महीने भी राहत देने के इनकार कर दिया। भारत ने शुक्रवार देर रात पाकिस्तानी एयरलाइनों और विमानों पर भारतीय हवाई क्षेत्र में प्रवेश पर प्रतिबंध एक महीने के लिए बढ़ाकर 24 सितंबर की सुबह तक कर दिया। दरअसल, पाकिस्तान ने भी 2 दिन पहले भारतीय विमानों पर लगे प्रतिबंध को बढ़ा दिया था। भारत के विमानन प्राधिकरण का यह नया नोटिस पाकिस्तान के एनओटीएएम द्वारा भारतीय विमानों और एयरलाइनों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को इसी अवधि के लिए बंद करने के दो दिन बाद आया है। इस विस्तार के साथ, दोनों पड़ोसी देशों के एक-दूसरे के विमानों के लिए हवाई क्षेत्र बंद करने का प्रतिबंध अपने पांचवें महीने में प्रवेश करने वाला है।बता दें कि अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बिगड़ते रिश्तों के मद्देनजर, पाकिस्तान ने 24 अप्रैल को अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया। शुरुआत में एक महीने के लिए इस प्रतिबंध ने भारतीय विमानों और एयरलाइनों को पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र से होकर उड़ान भरने से रोक दिया था। भारत ने भी 30 अप्रैल को जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तानी विमानों और एयरलाइनों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया। तब से, दोनों देशों ने मासिक आधार पर एनओटीएएम जारी करके इस प्रतिबंध को बढ़ाया है।पाकिस्तान ने इससे पहले बुधवार (20 अगस्त) को अपने हवाई क्षेत्र बंद करने की अवधि बढ़ाने संबंधी अपना नवीनतम एनओटीएएम जारी किया था, जो 24 अगस्त को पूर्व में जारी किए गए एनओटीएएम की समाप्ति से कुछ दिन पहले था।

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

'गंजी हो रही हो', यह बोलने पर फूट-फूटकर रोई थी:पति कहीं साथ लेकर नहीं जाते, विग पहनकर नकली रूप देखना अच्छा नहीं लगता

नयी दिल्ली। 'एक बार बेटी के स्कूल में पेरेंट्स मीटिंग थी। वहां उसकी एक दोस्त ने कह दिया कि आंटी आप तो गंजी हो। मेरी बेटी

रोने लगी, उसे लगा कि मेरी मां अच्छी नहीं हैं। उस दिन घर लौटकर मैं भी खूब रोई थी। पति अब कहीं साथ लेकर नहीं जाते। बाल थे तो सिर खुला रखकर चलती थी, अब ढंककर चलना पड़ता है। घर से बाहर जाने में शर्मिंदगी महसूस होती है। मन में यही चलता रहता है कि क्या फिर से पहले जैसी दिख पाऊंगी।' ब्लैकबोर्ड में इस बार कहानी उन महिलाओं की जो बाल झड़ने की वजह से डिप्रेशन में चली गईं और ट्रीटमेंट के बाद भी बाल वापस नहीं आए। 37 साल की कमलेश दिल्ली में रहती हैं। वो कहती हैं कि जिंदगी आगे बढ़ रही है, लेकिन हर रोज खुद से लड़ती हूं। बाल झड़ने के कारण बहुत ही तनाव में रहने लगी हूं। सिर की त्वचा दिखने लगी है, जिसे देखकर बहुत गंदा महसूस होता है। लोग कहते हैं, तुम्हारे बाल झड़ रहे हैं, तुम गंजी हो रही हो, ये सुनकर अंदर से टूट जाती हूं। पहले जब मैं कम बालों वाली लड़कियों को देखती, तो सोचती थी कि लोग इनके बारे में क्या सोचते होंगे। इनके लिए सजना-संवरना क्या रह गया होगा।

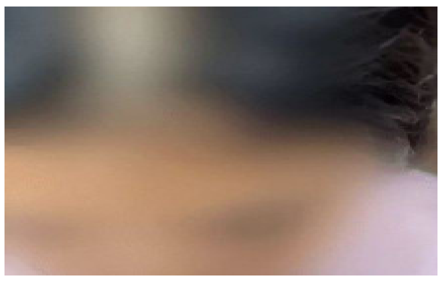

अब वही सवाल मेरे सामने खड़े हो गए हैं। कितना भी तैयार हो लूं, कितने भी अच्छे कपड़े पहन लूं, कुछ भी अच्छा नहीं लगता। हर नुस्खा, हर इलाज आजमा चुकी हूं। नीम, करेला, आंवला खाया, दही, मेथी, शिकाकाई, रीठा लगाया, लेकिन कुछ नहीं हुआ। आज भी अगर कोई नुस्खा बताता है तो करती हूं। पति को अब मेरे साथ पार्टी वगैरह में जाना अच्छा नहीं लगता। वो कहते हैं–तुम कहीं जाने लायक नहीं रह गई हो। लोग तंज कसते हैं कि आपकी बीवी के तो बाल गिरते जा रहे हैं।बालों में उंगलियां फेरती हूं, तो ये टूटकर हाथ में आ जाते हैं। आईने में देखती हूं तो बालों के बिना सुंदरता अधूरी लगती है। एक बार मोहल्ले में पूजा थी। बहुत सी औरतें बैठी थीं। उनमें से एक ने सबके सामने मुझसे कहा कि तुम तो गंजी हो रही हो। मैं अपसेट हो गई और पूजा छोड़कर घर वापस चली आई। कभी मेरे बाल बहुत घने थे, लेकिन अब हालात ये हैं कि मेरे सिर की त्वचा दिखने लगी है। बालों के झड़ने के कारण मैं डिप्रेशन में रहने लगी हूं। अब दिन-रात मन में यही चलता है क्या मैं फिर से पहले जैसी दिख पाऊंगी। शुरू में ध्यान नहीं दिया, अब बहुत देर हो चुकी है। हेयर एक्सटेंशन करवाना चाहती हूं, लेकिन बहुत महंगा है। 50 हजार से 1 लाख तक खर्च आता है। यही नहीं, उसे हर महीने मेंटेन और रीफिल भी करवाना पड़ता है। मेरे पति बीमार पड़ गए, जिससे उनकी नौकरी कई महीने पहले चली गई। अब घर का सारा खर्च मैं ही उठा रही हूं। ऐसे में बालों के लिए भारी खर्च कैसे करूं। कई बार हसबैंड से हेयर एक्सटेंशन कराने की बात की, लेकिन उनका चेहरा उतर जाता है, फिर रुक जाती हूं। विग भी आजमाया, लेकिन साफ पता चल जाता है। विग पहनकर जब आईने में देखती हूं तो नकली रूप देखकर तकलीफ होती है। मैंने योग किया, जॉगिंग भी किया, लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ा। दिल्ली में पानी भी साफ नहीं आता। शायद ये भी एक वजह है, लेकिन बाल झड़ने की सबसे बड़ी वजह हार्मोनल इम्बैलेंस है। ससुराल वालों की टेंशन, बालों के झड़ने से बच्चों का चिंतित होना, इन सब से घिरी रहती हूं। दरअसल, लड़की होने के नाते बालों के बिना जीना आसान नहीं होता। मैं जॉब करती हूं। वहां काम की वजह से तनाव होता है। स्ट्रेस के कारण भी यह समस्या बढ़ जाती है। कमलेश की तरह 16 साल की माही भी बाल झड़ने से परेशान हैं। वो नोएडा में रहती हैं। कहती हैं- कुछ महीने पहले मेरे बाल बहुत टूट गए थे। इतने कि शीशे में खुद को देखने से कतराने लगी थी। कभी नहीं सोचा था कि बालों का गिरना मुझे डिप्रेशन में धकेल देगा, लेकिन ऐसा ही हुआ। मैं डिप्रेशन में चली गई। मेरे शरीर में विटामिंस की कमी हो गई थी। मैं हर वक्त चिड़चिड़ी रहने लगी थी। पढ़ाई में मन नहीं लगता था। खाना खाने का भी मन नहीं करता था।एक बार मैं एक फंक्शन में गई थी। वहां मेरी एक फ्रेंड और आंटी ने कहा कि तुम्हारे बाल बहुत झड़ गए हैं। क्या हुआ है तुम्हें। उस दिन बाहर से मुस्कुराई, लेकिन अंदर से मुझे खुद के बारे में सोचकर घबराहट होने लगी थी। जब किसी लड़की के बाल झड़ते हैं, तो केवल उसका हेयरस्टाइल नहीं बिगड़ता, पूरी पर्सनैलिटी और कॉन्फिडेंस ही बिगड़ जाता है। नोएडा का पानी बहुत खराब है। यहां कई लड़कियों को बाल झड़ने की समस्या है। एक बार ऑनलाइन एक ऑयल मंगाया, लेकिन उसे लगाने पर तो बाल और ज्यादा झड़ने लगे थे, फिर उसे मैंने फेंक दिया। मेरे साथ मेरे पेरेंट्स भी चिंतित होने लगे। मेरा रात में सोना मुश्किल होने लगा। नींद ही

नहीं आती थी। एक दिन बाल धोकर जैसे ही कंघी चलाई, बालों का एक पूरा गुच्छा ही हाथ में आ गया। मैं फटी आंखों से देखती रह गई। कुछ पल तो मेरी सांस रुक गई। मैंने खुद को कमरे में बंद कर लिया। उसी दिन ट्रीटमेंट लेने की ठान ली। मेरे बड़े भैया मेरी फीलिंग समझते हैं। वो मेरा ट्रीटमेंट कराने हॉस्पिटल ले गए। अब धीरे-धीरे फर्क दिख रहा है और साथ ही उम्मीद भी जगी है कि मैं फिर से पहले जैसी हो जाऊंगी।माही की मां कहती हैं कि मेरी बेटी के बाल पहले बहुत घने और खूबसूरत थे, लेकिन अब इसके सिर को देखती हूं तो कांप जाती हूं। अब इसका ट्रीटमेंट करवा रही हूं। 25 साल की वर्षा भी नोएडा में रहती हैं। वह भी बाल झड़ने से परेशान हैं। वो कहती हैं कि बाल झड़ना सिर्फ मेडिकल प्रॉब्लम नहीं, एक इमोशनल लड़ाई भी है, जो हर रोज खुद से लड़नी पड़ती है। एक बार अपनी दोस्त की शादी के लिए अच्छे से तैयार हुई। वहां पहुंचने पर कुछ लोगों ने कहा कि तुम तो गंजी हो रही हो। ये सुनकर चेहरे की मुस्कान चली गई और अंदर डर समा गया। मेरे गांव की एक आंटी ने एक बार कहा- बाल तो तुम्हारे हैं नहीं, शादी कैसे होगी? उस दिन मैं पूरी रात रोई थी। ऑफिस जाना अब बोझ लगने लगा है। सुबह जब सो कर उठती हूं तो बिस्तर के सिरहाने टूटे पड़े बालों को गिनती हूं। आखिर एक औरत के लिए उसके बाल गहना होते हैं, जब गहना ही न रहा तो सुंदरता कैसी? मेरा आत्मविश्वास जैसे गुम हो गया है। अब एक डर्मेटोलॉजिस्ट से ट्रीटमेंट करवा रही हूं।इंस्टाग्राम पर निहार सचदेवा ने अपनी शादी का एक वीडियो पोस्ट किया है। उनके सिर पर बाल नहीं है। पोस्ट पर लोगों ने भद्दे कमेंट्स किए हैं। उन्हें गंजी, टकली कहा है। एक यूजर ने लिखा है- 'क्या किसी ने कभी आपको टकली कहा?' इसी तरह से और भी कमेंट्स किए गए हैं, जो कि उनका मजाक उड़ाने वाले हैं। एक दूसरे यूजर ने कमेंट किया है- 'इस शिट को देखने की जरूरत क्या है'। आखिर उन्होंने खुद को बिना बालों के स्वीकार कर लिया है। उनके पति ने भी उन्हें स्वीकार कर लिया है, लेकिन समाज आज भी उन्हें टकली कहता है। लोग उनकी तस्वीरों पर भद्दे-भद्दे कमेंट्स करते हैं।कॉस्मेटिक हेयर एक्सपर्ट और प्लास्टिक सर्जन डॉ. समीक्षा त्यागी के मुताबिक युवा लड़के-लड़कियों में बाल झड़ने की समस्या आज बहुत आम हो गई है। इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। लड़कियों में बाल झड़ने की समस्या अक्सर उनमें हार्मोनल बदलाव होते हैं। पीरियड्स से जुड़ी गड़बड़ियां, थायरॉइड, पीसीओडी जैसे कंडीशंस सीधे तौर पर बालों पर असर डालते हैं। आज लोगों के खान-पान और लाइफस्टाइल में भी बड़ा बदलाव आया है, जो बालों के टूटने के लिए जिम्मेदार है। जंक फूड खाना, असंतुलित डाइट और नींद की कमी के कारण पोषण की कमी हो जाती है। इसका सबसे पहले असर बालों पर पड़ता है। वह कहती हैं कि बाल झड़ना शारीरिक समस्या नहीं, मानसिक भी है। युवा लड़के-लड़कियों का तो यह कॉन्फिडेंस कम कर देता है। डॉ. समीक्षा बताती हैं- ज्यादातर लड़कियां शुरुआत में बाल झड़ने को नजरअंदाज कर देती हैं, लेकिन जब सिर की त्वचा दिखने लगती है, तब वे घबरा जाती हैं और फिर बहुत देर हो चुकी होती है। वो कहती हैं कि कभी भी बाल झड़ने को हल्के में नहीं लेना चाहिए। जांच करवा कर तुरंत ट्रीटमेंट लेना चाहिए। अगर समय पर इलाज लिया जाए तो यह समस्या काफी हद तक काबू की जा सकती है।

बेटा मर गया, फिर भी वीडियो बना रही:लोग समझते नहीं कि सोशल मीडिया रोजी-रोटी है, रील्स बनाकर गम भुलाती हूं

नयी दिल्ली। 'सोशल मीडिया पर हमारे वीडियो पर कोई कमेंट करता है कि अरे इसका बच्चा चला गया और ये लाइव बैठकर गाने गा रही है। लोग ये क्यों नहीं समझते कि हर इंसान का दुख झेलने का तरीका अलग होता है। कोई रोता है, कोई चुप हो जाता है, कोई बहुत बोलने लगता है और कोई किसी और तरीके से अपना दर्द बयां करता है। लोग

बच्चा अडॉप्ट करने की सलाह देते हैं। मेरे बच्चे को गुजरे अभी सिर्फ छह महीने हुए हैं। आखिर किसी दूसरे बच्चे को इतनी जल्दी लाकर कैसे रख लूं? लोग कहते हैं- मंदिर जाओ, मेडिटेशन करो... जिस मां का बच्चा चला गया हो, उसको आंख बंद करने पर भगवान कहां दिखते हैं? कुछ लोग कमेंट करते हैं- देखो, बेटे के जाने की खुशी मना रही है- क्या कोई मां अपने बच्चे की मौत पर सच में खुश हो सकती है? हद तो तब हो गई जब कुछ लोगों ने लिखा कि इसने अपने बेटे को खुद ही मार दिया लाइक्स और व्यूज के लिए।' -चटोरी रजनी नाम से सोशल मीडिया पर मशहूर 43 साल की रजनी जैन दिल्ली के द्वारका में रहती हैं। वह पिछले 5 साल से खाना, ट्रैवलिंग और लाइफस्टाइल से रिलेटेड वीडियो कंटेंट बना रही हैं। 6 महीने पहले ही उनके 16 साल के बेटे की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है। उनका आलीशान घर है, लेकिन कोई खुशी नजर नहीं आती। वो जिस कुर्सी पर बैठकर बातें कर रही थीं, उसके पीछे दीवार पर उनके बेटे की तस्वीर लगी थी। वो कहती हैं कि बेटे के जाने के बाद अब सोशल मीडिया पर बहुत कम लाइव आती हूं। दीवार पर लगी बेटे की फोटो देखते हुए कहती हैं कि अब मेरी जिंदगी में एक अजीब-सा खालीपन आ गया है। शाम होते ही यह और गहरा हो जाता है। जब तक मेरे पति घर नहीं आ जाते, ये खालीपन काटने को दौड़ता है। इधर-उधर नजरें घुमाते हुए वह कहती हैं जब भी ज्यादा खुश या दुखी होती हूं, तो सोशल मीडिया पर लाइव आती हूं और लोगों से बातें करके सुकून पाती हूं। यहां मैं अपने बेटे का दर्द भुलाने की कोशिश करती हूं। अब तो शाम को घर के बाहर भी नहीं जाती, क्योंकि वहां खेलते हुए दूसरे के बच्चों को देखना भी सहा नहीं जाता। वहां भी बस अपना ही बच्चा दिखाई देता है। अब जब मैं अपने बेटे के दोस्तों से मिलती हूं, तो उनमें कोई मेरे बेटे की तरह बोलता नजर आता है, तो कोई उसकी तरह हंसता और कुछ बच्चे तो लगते हैं जैसे वही है। जब कोई त्रासदी होती है, तो लोग धर्म-कर्म की सलाह देते हैं। मैंने तो हमेशा सेवा की है, भक्ति की है, लेकिन उसका क्या फल मिला? इस घटना के बाद सिर्फ दो वजहों से वीडियो बना रही हूं। पहली वजह है कि खुद को व्यस्त रख सकूं और दूसरी वजह है कि अपने जैसे मां-बाप को हिम्मत दे सकूं। मैं अपने वीडियोज में ऐसे लोगों को बताती हूं- आप अगर मेरे जैसे हालात से गुजर रहे हैं तो कभी सैलून जाएं, कोई मूवी देखने चले जाएं, किसी रेस्त्रां में खाना खाने का मन हो तो कोई बुराई नहीं है। आखिर जो चला गया, उसका दर्द तो दिल में हमेशा रहेगा, लेकिन जीना भी तो हमारी मजबूरी है।रजनी बताती हैं- हमारे इस तरह के वीडियोज पर दो तरीके से ट्रोलिंग होती है। कुछ लोग सीधे कहते हैं- कितनी बेशर्म है, बच्चे के गुजरने के बाद भी वीडियो बना रही है। उनके हिसाब से मुझे कमरे में बैठकर हर वक्त रोते रहना चाहिए। दूसरी तरह के ट्रोलर्स कहते हैं- ये सब वीडियो बनाने का क्या फायदा? क्यों अपने बेटे का रोना रोती रहती हो? वहीं, अगर वीडियो में हंस दूं, तो लोग कहते हैं कि हंस क्यों रही हो। सीरियस हो जाओ! एक महिला ने तो लिखा- मेरा कोई बच्चा नहीं है, लेकिन तुम्हें देखकर दुख होता है। अपने बेटे का इस्तेमाल मत करो। गुस्से में रजनी कहती हैं- ट्रोलर्स को कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस दौर से गुजर रहे हैं। वे आपकी जिंदगी बस अपने हिसाब से चलाना चाहते हैं। ट्रोलर्स कहते हैं कि आप हमारी वजह से कमा रही हैं, लेकिन सच यह है कि कोई किसी की वजह से नहीं कमाता। सोशल मीडिया पर दोनों की जरूरत होती है। व्यूअर्स को वहां टाइम पास करना होता और हमें अपने कंटेंट के जरिए बिजी रहना होता है। आखिर हम अपने कंटेंट से जो कमाते हैं, वह किसी की जेब से तो आता नहीं। जिन्हें नहीं पसंद, न देखें, लेकिन किसी को चोट पहुंचाने का हक उन्हें कहां से मिलता है? वह बताती हैं बेटे के गुजरने पर उन्होंने दो महीने तक कोई वीडियो शूट नहीं किया। कैमरा देखने पर अजीब महसूस होता था, बड़ी हिम्मत जुटाकर दोबारा वीडियोज बनाना शुरू किया है। बेटे के जाने के बाद यही मुझे संभाले हुए है। मेरे पति, संगीत जैन ने इस दौरान मेरा बहुत सपोर्ट किया। हम दोनों एक-दूसरे को हमेशा बिजी रखते हैं, ताकि खालीपन हमें तोड़ न पाए।

पेशे से बैंकर उनके पति संगीत जैन अपने बेटे तरण का पसंदीदा खिलौना गोद में लिए हुए कहते हैं कि रजनी ने अपनी पहचान अपने काम से बनाई है। उन्हें हर कोई जानता है, पहचानता है। मुझे उन पर गर्व है। यह कहते हुए संगीत की आवाज भर्रा जाती है। थोड़ा रुककर वह कहते हैं कि ट्रोलिंग वही लोग करते हैं, जो अपनी जिंदगी में परेशान होते हैं। उन्हें नहीं पता कि उनके एक शब्द से, कोई इस कदर टूट सकता है कि गलत कदम उठा ले। इस पर रजनी कहती हैं कि हम केरल घूमने गए तो एक शख्स ने लिखा- हम इनकी सोसाइटी में गए थे। इनके साथ कुछ भी नहीं हुआ है। ये सोशल मीडिया पर लाइक और व्यूज पाने के लिए नाटक करते हैं। देखना छह महीने बाद इनका बेटा घर वापस आ जाएगा! संगीत इस बात पर रोने लगते हैं। आंसू पोंछते हुए कहते हैं- आखिर लोग इस तरह के कमेंट कैसे कर देते हैं। रजनी कहती हैं शुरू में हमें बहुत बुरा लगता था, लेकिन अब हमने समझ लिया है कि सोशल मीडिया पर हर बात का जवाब देना जरूरी नहीं। सबको समझाने बैठ गए, तो हम इस दुख से कभी नहीं निकल पाएंगे। वह कहती हैं कि मेरे वीडियो पर कुछ लोग कमेंट्स करते हैं कि ये सब करने से कुछ नहीं होगा, बच्चा अडॉप्ट कर लो, दूसरा बच्चा पैदा कर लो या फिर किसी एनजीओ से जुड़ जाओ। आखिर लोगों को बच्चा अडॉप्ट करना बहुत आसान लगता है, लेकिन हमारे देश में यह बेहद मुश्किल काम है। इसमें तीन-चार साल तक लग जाते हैं और कोई गारंटी नहीं कि तब भी बच्चा मिल पाएगा। ऐसे कई लोगों को जानती हूं, जिन्हें सालों इंतजार के बाद भी बच्चा नहीं मिला। ऊपर से जब आप किसी खास उम्र का बच्चा चाहते हों तो मुश्किल और भी बढ़ जाती है। फिर, मेरा तो अभी अपना ही ग्लास खाली है, दूसरे की ग्लास कैसे भरू? बच्चा अडॉप्ट करने के लिए मन से तैयार होना पड़ता है। मेरा अपना बच्चा, जो मेरा खून था आखिर वो चला गया। ऐसे में किसी और बच्चे को लाऊं और उसे प्यार न दे पाऊं, तो नाइंसाफी होगी।इतना कहते हुए रजनी भावुक हो जाती हैं और थोड़ी देर के लिए जैसे कमरे में सन्नाटा पसर जाता है। वह कहती हैं असल में, जिसका बच्चा इस तरह चला जाता है, वह दूसरों के बच्चे को देखकर और परेशान होता है। उन्हें नहीं पता कि इतना बड़ा दुख झेलने के बाद किसी नए फैसले पर पहुंचना कितना कठिन होता है। मेरा बेटा हमारी जिंदगी का 16 साल तक हिस्सा रहा। उसे भूलना आसान नहीं है। हमें वक्त चाहिए, बहुत वक्त। संगीत कहते हैं कि वह बैंकर हैं। बेटे के गुजरने के बाद उन्होंने दो महीने की छुट्टी ली थी। उसके बाद फिर से नौकरी शुरू कर दी। मुझे तो कोई नहीं कहता कि मैं इतना जल्दी काम पर वापस कैसे लौट आया? लेकिन रजनी ने जब अपना काम दोबारा शुरू किया है, तो लोग उससे सवाल करते हैं, ताने देते हैं। ये दिखाता है कि हमारा समाज आज भी महिलाओं को बराबर नहीं समझता। 'मैंने हमेशा रजनी का सपोर्ट किया है। मैं खुद

उसे वीडियोज बनाने के लिए कहता हूं। आखिरकार जिंदगी जीने के लिए पैसे कमाने पड़ते हैं। अगर मैं नौकरी पर वापस लौट सकता हूं, तो रजनी क्यों नहीं?' हां, फिर भी पैसे से हम जिंदगी की तमाम जरूरतें पूरी कर सकते हैं, लेकिन अपने बेटे की हंसी, उसकी मासूमियत, उसका गले मिलना नहीं खरीद सकते। इसलिए लोगों से यही कहूंगा कि जियो और जीने दो। अगर किसी का दर्द सच में समझना है, तो पहले खुद को तकलीफ दो।दिल्ली में रजनी और उनके पति संगीत जैन से मुलाकात के बाद मैं फरीदाबाद पहुंची। वहां सोशल मीडिया पर 'इंटरनेट की मम्मी' नाम से मशहूर आरती मल्होत्रा से मुलाकात हुई। वह घर में अकेली रहती हैं। वह कहती हैं कि मेरे बेटे आरवी ने मुझे बहुत देर से बताया था- कुछ लोगों ने उसे ट्रोल करने के लिए इंस्टाग्राम पर एक ग्रुप बनाया था। उनका मकसद मेरे बेटे को नीचा दिखाना होता था। ग्रुप में वे उसके बारे में गालियां बकते थे, भद्दे शब्द कहते थे। उससे मेरे बेटे को पैनिक अटैक आने लगे। वो लगातार एंग्जाइटी से जूझने लगा। इलाज शुरू कराया, लेकिन जब असली वजह बताई, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। आखिर में उसने परेशान होकर सुसाइड कर लिया। यह बताते हुए आरती रोने लगीं। थोड़ा रुककर उन्होंने कहा- उसके गुजरने के बाद जब मैंने उसका बर्थडे मनाया और फोटो सोशल मीडिया पर डाली तो कुछ लोगों ने लिखा- देखो, बेटे के जाने की खुशी मना रही है, लेकिन सच यह था कि मैं उसकी आखिरी ख्वाहिश पूरी कर रही थी। वह अपने बर्थ डे पर स्कूल में बच्चों को चॉकलेट बांटना चाहता था, इसलिए मैंने उसका बर्थ-डे मनाया और उसके नाम पर बच्चों को चॉकलेट बांटे थे। इतना कहते हुए आरती फिर से रोने लगती हैं। कहती हैं- मुझे रोता देखकर उसे अच्छा नहीं लगेगा और फिर चुप हो जाती हैं। वह बताती हैं कि उसके बाद वो बहुत तनाव में रहने लगीं। इस दौरान अचानक ख्याल आया कि जिन बच्चों के मां-बाप नहीं हैं या जिनके मां-बाप उनके जेंडर एक्सप्रेशन को नहीं समझते, उनके लिए काम करूं। उसके बाद सोशल मीडिया पर एक पेज बनाने का ख्याल आया। वह बताती हैं कि शुरुआत में इंस्टाग्राम पर आरती मल्होत्रा नाम से पेज बनाया और लिखा- 'ट्रिगर चेतावनी- आत्महत्या! मैंने अपना बेटा खो दिया है, मुझे न्याय चाहिए। मुझे इस बात को फैलाने में आप सबकी मदद चाहिए। स्कूलों में जेंडर एक्सप्रेशन के लिए कोई सेंसिटिव ट्रेनिंग नहीं दी जाती। मैंने अपने बेटे आरवी को कुछ लोगों की बुलिंग के कारण खो दिया है। मुझे उसके लिए न्याय चाहिए।' वह बताती हैं कि उस पोस्ट पर ढेर सारे बच्चों के मैसेज आए। बच्चों ने लिखा- मैम, हमारे साथ भी बुलिंग होती है, हमें भी ट्रोल किया जाता है। फिर तो मैं अंदर तक हिल गई। उस दिन लगा कि यह लड़ाई सिर्फ मेरे बच्चे की नहीं, लाखों बच्चों की है। लाखों बच्चे अपनी चुप्पी में घुट रहे हैं।

उसके बाद एक कंटेंट क्रिएटर अनीश भगत ने मुझे मोटिवेट किया और आरती मल्होत्रा पेज का नाम बदलकर 'इंटरनेट की मम्मी' रखने को कहा। मैंने वही किया। आज मुझे लाखों बच्चे फॉलो कर रहे हैं। अब मेरी जिंदगी का पहला मकसद इन बच्चों को सपोर्ट करना है, उन्हें मां जैसा प्यार देना हो गया है।

हां, अगर इस पेज से कुछ कमाई हुई तो उसे अपने बेटे की लड़ाई लड़ने, वकील की फीस देने या अपनी मां को सपोर्ट करने में इस्तेमाल करूंगी। मैं वहां बच्चों को समझाती हूं कि इंसेंटिव लोगों के कारण खुद को नुकसान नहीं पहुंचाना है। उन्हें इग्नोर करके आगे बढ़ना होता है। अब लगता है कि सोशल मीडिया ने मुझे एक नया परिवार दिया है। वहां बच्चे जब मुझे मां कहते हैं, तो लगता है जैसे मेरा आरवी मेरे साथ है। उनका मुझे मां कहना किसी दौलत से कम नहीं लगता। इस तरह सोशल मीडिया पर होना किसी हीलिंग से कम नहीं।

नई प्रतिभा की उड़ान: शिवानी तोमर ने मॉडलिंग इंडस्ट्री में रखा पहला कदम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) फैशन और ग्लैमर की दुनिया में एक नई चमकती प्रतिभा का आगमन हुआ है। शिवानी तोमर, एक युवा और आत्मविश्वासी मॉडल ने हाल ही में मॉडलिंग करियर की ओर अपने पहले कदम बढ़ाए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म फेसबुक पर अपनी कुछ प्रोफेशनल तस्वीरें और वॉक वीडियो साझा करते हुए उन्होंने अपने फैंस को यह खुशखबरी दी। शिवानी ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'हर सपना तब हकीकत बनता है जब आप उस पर यक़ीन करते हैं। यह मेरी शुरुआत है, और मैं इसे पूरी लगन और मेहनत से आगे बढ़ाना चाहती हूँ।' उनकी ये शुरुआत न सिर्फ़ सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, बल्कि मॉडलिंग जगत के कई प्रोफेशनल्स भी उनके आत्मविश्वास और स्टाइल की सराहना कर रहे हैं। वह जल्द ही एक स्थानीय फैशन शो में रैंप वॉक करती नज़र आएंगी, जहां उनकी

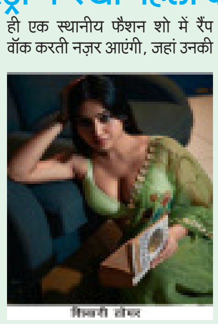

शिवानी तोमर

पहली सार्वजनिक परफॉर्मेंस देखने को मिलेगी। शिवानी तोमर ने बताया कि वह बचपन से ही फैशन इंडस्ट्री से जुड़ने का सपना देखती थीं। परिवार और दोस्तों के सहयोग से उन्होंने अपने आत्म-संशय को पार किया और पहला फोटोशूट करवाया, जो अब सोशल मीडिया पर खूब सराहा जा रहा है।लोगों की प्रतिक्रिया:- उनके एक फॉलोअर ने कमेंट किया, 'आपकी स्माइल और कॉन्फिडेंस दोनों ही कमाल के हैं। आप ज़रूर एक बड़ा नाम बनेंगी।' एक अन्य ने लिखा, 'नए दौर की नयी सुपरमॉडल – ऑल द बेस्ट शिवानी!' आगे की योजना:- शिवानी आने वाले महीनों में कुछ ब्रांड शूट और फैशन वर्कशॉप्स में हिस्सा लेंगी। वह खुद को न केवल एक मॉडल, बल्कि एक इंस्पिरेशनल फिगर के रूप में देखती हैं, जो छोटे शहरों की लड़कियों को भी अपने सपनों के पीछे भागने की प्रेरणा दे सके। निष्कर्ष:- मॉडलिंग में शिवानी तोमर की यह पहली शुरुआत भले ही एक छोटा कदम लगे, लेकिन यह उनके करियर के लिए एक बड़ा मोड़ साबित हो सकता है। फैशन इंडस्ट्री अब एक और नाम के स्वागत के लिए तैयार है।

बिग बॉस 19 पर सलमान खान का रिएक्शन,बोले-सबसे अलग होगा यह सीजन, शो करते-करते मुझे भी पता चलेगा क्या नया है

मुंबई। टीवी का सबसे कॉन्ट्रोवर्शियल रियलिटी शो बिग बॉस को शुरू होने में अब सिर्फ एक दिन बचा है। धीरे-धीरे कंटेस्टेंट्स के नाम भी सामने आ रहे हैं। इसी बीच शो के होस्ट सलमान खान ने बताया है कि जिस तरह से शो आगे बढ़ेगा वैसे ही पता चलेगा कि क्या खास होने वाला है। हालांकि मीडिया से बातचीत के दौरान सलमान खान ने शो से जुड़ी कोई भी खास जानकारी रिवील नहीं की है। उन्होंने शो के सस्पेंस को बनाकर रखा। बातचीत के दौरान सलमान खान ने कहा-'मैं सोचता हूं कि यह सीजन काफी अलग होगा, शो करते-करते मुझे भी समझ में आएगा, जैसा कि हमारे दर्शकों को' बिग बॉस 19 की शुरुआत 24 अगस्त से होने जा रही है।

एक्सक्लूसिव इंटरव्यू: 'गनवाली दुल्हनिया' की अभिनेत्री कंचन अवस्थी से खास बातचीत

(साक्षात्कारकर्ता: सुधांशु शर्मा, रेडियो हेड - आधुनिक समाचार स्थान-आधुनिक समाचार स्टूडियो)

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मुंबई। **प्रश्न 1: कंचन जी, सबसे**

सुधांशु शर्मा रेडियो प्रमुख आधुनिक समाचार

पहले आपका स्वागत है आधुनिक समाचार में। 'गनवाली दुल्हनिया' में आपने मुख्य भूमिका निभाई है। इस फिल्म से जुड़ने का अनुभव कैसा रहा? कंचन अवस्थी: बहुत बहुत धन्यवाद। गनवाली दुल्हनिया मेरे लिए एक खास प्रोजेक्ट रहा है। जब मुझे इस फिल्म की स्क्रिप्ट मिली, तो मुझे इसकी कहानी में ग्रामीण पृष्ठभूमि और एक मजबूत महिला किरदार की झलक दिखी, जो मुझे तुरंत पसंद आ गई। यह एक सामाजिक संदेश के साथ मनोरंजन भी करती है। **प्रश्न 2: आपने जिस किरदार को निभाया, वह एक ग्रामीण परिवेश की लड़की है, जो बंदूक चलाना जानती है। क्या यह किरदार निभाना चुनौतीपूर्ण था?** कंचन अवस्थी: बिल्कुल! यह किरदार मेरे लिए पूरी तरह से नया था। मुझे बंदूक चलाने की ट्रेनिंग लेनी पड़ी और साथ ही बोली, हाव-भाव और बॉडी लैंग्वेज को ग्रामीण परिवेश के अनुसार ढालना पड़ा। लेकिन मैं हर चुनौती को एक अवसर मानती हूं, और यही वजह रही कि इस किरदार को निभाकर मुझे बहुत संतोष मिला। **प्रश्न 3: शूटिंग के दौरान कोई यादगार अनुभव जो आप हमारे पाठकों से साझा करना चाहें?** कंचन अवस्थी: जी हां, एक बार एक सीन के दौरान असली गाँव के लोग हमें देखने के लिए इकट्ठा हो गए। जैसे ही मैंने शूटिंग के लिए बंदूक उठाई, कुछ महिलाएं डर गईं और पीछे हट गईं। बाद में जब उन्हें समझाया गया कि यह सिर्फ एक शूटिंग है, तो वे हँस पड़ीं और मेरे साथ फोटो खिंचवाने लगीं। वो अपनापन और प्यार आज भी दिल को छूता है। **प्रश्न 4: फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए बदलते माहौल को आप कैसे देखती हैं?** कंचन अवस्थी: आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी जगह बना रही हैं और फिल्मों में भी महिला-केंद्रित कहानियों को सराहा जा रहा है। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने का मौका मिला है जो नारी शक्ति

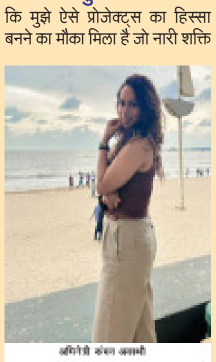

अभिनेत्री कंचन अवस्थी

को दिखाते हैं। **प्रश्न 5: आगे के प्रोजेक्ट्स के बारे में कुछ बताना चाहेंगी?** कंचन अवस्थी: अभी कुछ स्क्रिप्ट्स पर काम चल रहा है। एक वेब सीरीज़ और एक महिला प्रधान फिल्म की तैयारी में हूं। जैसे ही औपचारिक घोषणा होगी, आप सभी को जरूर बताऊंगी। **प्रश्न 6: हमारे पाठकों को क्या संदेश देना चाहेंगी?** कंचन अवस्थी: मैं बस यही कहना चाहूंगी कि सपने देखें और उन्हें पूरा करने की हिम्मत रखें। मेहनत, ईमानदारी और धैर्य से हर मुकाम हासिल किया जा सकता है। और हां, गनवाली दुल्हनिया जरूर देखें और अपने परिवार के साथ एन्जॉय करें। **सुधांशु शर्मा: बहुत-बहुत धन्यवाद कंचन जी, आपने अपने अनुभव इतने खूबसूरत ढंग से साझा किए। हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।** कंचन अवस्थी: धन्यवाद सुधांशु जी और आधुनिक समाचार का आभार, जिन्होंने मुझे अपने पाठकों से जुड़ने का मौका दिया।

वाणी कपूर हुई 37 की, पिता के खिलाफ जाकर एक्ट्रेस बनीं,23 किसिंग सीन से सुर्खियां बटोरीं

मुंबई। दिल्ली में पली-बढ़ी वाणी कपूर आज बॉलीवुड की एक मशहूर एक्ट्रेस हैं। फिल्मों में आने से पहले

उन्होंने होटल में काम किया था। उनके परिवार का फिल्म इंडस्ट्री से कोई संबंध नहीं था और उनके पिता फिल्मों में आने के खिलाफ थे। हालांकि, उनकी मां ने सपोर्ट किया और फिर वह मुंबई आ गईं। वाणी ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की और इसके बाद सीधे यशराज फिल्म्स की फिल्म साइन कर ली। उन्हें पहली ही फिल्म से पहचान तो मिली, लेकिन 2016 में रिलीज हुई बेफिक्रे में रणवीर सिंह के साथ उनके 23 किसिंग सीन ने उन्हें चर्चा में ला दिया।वाणी कपूर ने इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) से टूरिज्म में ग्रैजुएशन करने के बाद जयपुर के ओबेरॉय होटल में इंटर्नशिप की। इसके बाद वह आईटीसी के होटल में काम करने लगीं और यही से उन्होंने फिल्मों में काम करने का मन बना लिया। दरअसल, होटल में एक बार किसी फिल्म की शूटिंग हो रही थी, जिसे देखकर वाणी को फिल्मी दुनिया काफी अच्छी लगी और उन्होंने अपना आगे का करियर उसी में बनाने के बारे में सोच लिया।जब एक्ट्रेस ने अपने इस फैसले के बारे में परिवार को बताया तो वो काफी गुस्सा हो गए थे। वे बिल्कुल नहीं चाहते थे कि वाणी मॉडलिंग करें या फिल्मों में आए। वाणी के पिता का हमेशा से यही मानना था कि लड़कियों की जल्दी शादी कर देनी चाहिए। उनकी बड़ी बहन की तो 18 साल की उम्र में ही शादी कर दी गई थी। लेकिन वाणी ने पूरा मन बना लिया था कि वह अपना करियर फिल्मों में ही बनाएंगी। ऐसे में उन्होंने पिता के खिलाफ जाकर मॉडलिंग की शुरुआत की और नौकरी भी छोड़ दी। इस फैसले में भले ही

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक डॉ. दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website: www.adhunikasamachar.com

नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।